* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.com

17 अक्टूबर, 2022
कार्तिक, कृष्ण पक्ष, सप्तमी
संवत 2079
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 07, अंक 355

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

'ससुराल सिमर का' फेम वैशाली ठक्कर ने खुदकुशी की

SURJABASHA

CHHOTANAGPUR PUBLIC SCHOOL
AFFILIATED TO CBSE NEW DELHI No.: 3430699
Opp. : P.H.E.D. Office, Booty Road, Ranchi-834012
ADMISSION OPEN FOR SESSION 2023-24
NURSERY to IXth
Separate Hostel Facility For Boys & Girls
CONTACT NO. : 98359 36571 94311 06503 83405 81301

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)

Admission OPEN
PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available
NURSING: ANM GNM POST BASIC B.SC. BASIC B.SC. M.SC.
PARAMEDICAL: DRESSERS DMLT ECG X-RAY OPHTHALMIC ASST. OT ASSISTANT
PHARMACY: D-PHARM
Separate Hostel For Boys And Girls
M.: 9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail : fsnirba@gmail.com
Website : www.florenceinstirba.com

सीएम घबराये हैं और डरे हुए हैं : दीपक प्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को डरा हुआ मुख्यमंत्री बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री घबराहट में हैं। बजरंग बाण पढ़ रहे हैं। उनके खिलाफ लगे आरोपों और जांच एजेंसियों के बीच जारी प्रक्रिया के बीच जिस तरह वह खुद को आरोपित बता रहे हैं, वह उनके डर को जाहिर करता है। दीपक प्रकाश रविवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। दीपक प्रकाश ने कहा कि राज्य भर में भाजपा के दबाव पर पंचायत चुनाव हुए। इसमें 51 फीसदी सीटों पर भाजपा समर्थित कार्यकर्ता, नेता जीत कर आये। ग्राम पंचायत, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषदों में 10222 सीटों पर 5361 भाजपा कार्यकर्ता जीते। इस लिहाज से गांवों में भाजपा की सरकार है। साथ ही सत्ताधारी दलों की यह हार है। राज्य सरकार की असफलताओं के कारण भाजपा और जनता गांवों में जीती। अब भाजपा पंचायत प्रतिनिधियों को 18 अक्टूबर को हरमू मैदान, रांची में सम्मानित करेगी। इस मौके पर केंद्रीय पंचायती राज राज्यमंत्री कपिल मोरेश्वर पाटील भी उपस्थित रहेंगे। पार्टी के सभी सांसद, विधायक और पार्टी के सम्मानित नेता भी शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के दौरान सरकार के खिलाफ संघर्ष की योजना की घोषणा भी होगी। पत्रकार वार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और प्रवक्ता अमित सिंह भी उपस्थित थे।

सत्ता जाने के बाद विधवा विलाप में लगी भाजपा : सुप्रियो भट्टाचार्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रविवार को झामुमो के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दीपक प्रकाश को निशाने पर लिया। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भाजपा बार-बार पुरानी परंपरा का निर्वहन करती है। झूठ बोलो, जोर से बोलो और बार-बार बोलो। ऑनलाइन तरीके से यह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनती है। मिस्ड कॉल से आतंकी घटना में शामिल लोग भी इसके सदस्य बन जाते हैं। राजस्थान में भी मिस्ड कॉल से सदस्य बना दिये जाते हैं। अब झारखंड के गांवों में भाजपा अपनी सरकार होने की बात कर रही है। यहां भी खेला शुरू हुआ है। मिस्ड कॉल के सहारे पार्टी सदस्य बनाये गये लोगों के आधार पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष कह रहे हैं कि गांव में हमारी सरकार है। वास्तव में यह सच्चाई से मुंह मोड़ने वाली बात है। मिस्ड कॉल वाले प्रतिनिधियों को ही सम्मेलन आयोजित कर भाजपा सम्मानित करनेवाली है। मोमेंटम झारखंड की तरह इसकी सच्चाई भी सामने आयेगी। वर्तमान में हेमंत सोरेन की जो प्रतिबद्धता है, लोकप्रियता है, उससे इनकी हताशा सामने आ रही है। सत्ता हाथ से जाने के

बाद भाजपा विधवा विलाप में है।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा जब-जब हताश होती है, आइटी, इडी का डर दिखाती है। सांसद दीपक प्रकाश सार्वजनिक तौर पर बातचीत में कह चुके हैं कि उनके पास इडी, आइटी है। शनिवार को सीएम ने मीडिया से कहा था कि वह डरनेवाले नहीं हैं। भाजपा के खिलाफ वही राजनीतिक संगठन संघर्ष कर सकता है, जो उससे ना डरता हो। जो उससे डर जाता है, उसे भाजपा निगल लेती है। जैसे लोजपा के साथ हुआ, पर जदयू के साथ नहीं हो सका। जैसा शिव सेना के साथ, पर टीएमसी के साथ नहीं। उसी तरह झामुमो से भाजपा डरती है। भाजपा के पास कोई उसूल नहीं रह गया है। प्रदेश अध्यक्ष को राजनीतिक विलाप करना पड़ रहा है। अब चुनाव आयोग के लेटर के सहारे राज्य में असंवैधानिक तरीके से राज्य सरकार के खिलाफ योजना बनायी जा रही। इसे भाजपा अमलीजामा ना पहनाये। 3.50 करोड़ जनता जवाब देने को तैयार है। खतियान और आरक्षण के बाद भाजपा का एक भी आदिवासी मूलवासी विधायक गांवों में घुस नहीं पा रहा है। जनता पूछ रही है कि 20 सालों तक क्या किया। भाजपा के दो-दो आदिवासी सीएम सबसे लंबे समय तक यहां सरकार में रहे, पर यहां के मूलवासी, आदिवासियों की पहचान नहीं तलाश सके। पिछले दिनों स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम में यहां के ट्राइबल लड़के नहीं मिले, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के लड़कों को यहां लाया गया। यहां के ट्राइबल लोग अब आपके साथ जाना नहीं चाहते, ऐसे में बाहर से आयात करना पड़ा। एकमात्र रास्ता भाजपा के लिए 2024 का दरवाजा है। अभी से इसे खोल कर झारखंड से बाहर निकल जायें नहीं तो वे निकाल दिये जायेंगे।

रांची और जमशेदपुर समेत 75 डिजिटल बैंकिंग सेवा का शुभारंभ

डिजिटल बैंकिंग पहले से आसान होगी: मोदी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत में बैंकिंग सुविधाओं को देश के आखिरी व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स डीबीयू का रविवार की सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से देश के 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स का उद्घाटन किया। झारखंड के रांची जिले के तेतर टोली बेड़ो में डिजिटल बैंक का केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी, राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू, लोहरदगा सांसद सुदर्शन भगत, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, पूर्व विधायक गंगोत्री कुजुर ने संयुक्त रूप से दीप जला कर उद्घाटन किया।

इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने सभी देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि डिजिटल बैंकिंग यूनिट आधुनिक भारत की दिशा में बढ़ता हुआ कदम है। ये सेवाएं कागजी, लिखा-पढ़ी और अन्य झंझटों से मुक्त होंगी। ये डिजिटल बैंकिंग सेवाएं पहले से ज्यादा आसान होंगी। इससे गांव और छोटे शहर में पैसे भेजने से लेकर लोन लेने तक सब कुछ आसान हो जायेगा।

उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाओं को सुदूरवर्ती गांवों में घर-घर तक पहुंचाने के लिए पांच किलोमीटर के अंदर कोई न कोई बैंक ब्रांच, बैंकिंग आउटलेट या बैंकिंग मित्र मौजूद हैं। लोगों के जीवन को आसान बनाने का जो अभियान देश में चल रहा है, डिजिटल बैंकिंग यूनिट्स उस दिशा में एक और बड़ा कदम है। पीएम मोदी ने कहा कि यह ऐसी विशेष बैंकिंग व्यवस्था है, जो मिनिमम डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर से मैक्सिमम सेवाएं देने का काम करेगी।

सुदूर गांवों को बैंकिंग सेवा उपलब्ध कराना मकसद : इस मौके पर जना बैंक के नेशनल हेड माइक्रो बैंकिग के रणविजय प्रताप सिंह, जोनल कलेक्शन मैनेजर सुशील कुमार ने कहा कि हम देश की सुदूरवर्ती ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिन तक अभी यह सुविधा नहीं पहुंच पायी है। वहां तक जना डिजिटल बैंक पहुंचेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। तेतर टोली बेड़ो में डिजिटल बैंक का उद्घाटन करतीं केंद्रीय शिक्षा राज्यमंत्री अन्नपूर्णा देवी।

पीएम किसान सम्मान सम्मेलन में जारी होगी 12वीं किस्त

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री 17 अक्टूबर को नयी दिल्ली में साढ़े 11 बजे पीएम किसान सम्मान सम्मेलन 2022 का उद्घाटन करेंगे। इसी दौरान पीएम-किसान निधि जारी की जायेगी। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों से एक करोड़ से अधिक किसानों के वर्चुअली रूप से शामिल होने की उम्मीद है। इस सम्मेलन में शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों की भागीदारी भी होगी। पीएम 600 प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों का भी उद्घाटन करेंगे। किसानों की विभिन्न प्रकार की जरूरतों को पूरा करने के लिए उर्वरक की खुदरा दुकानों को चरणबद्ध तरीके से प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों में परिवर्तित किया जायेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री भारतीय जन उर्वरक परियोजना- एक राष्ट्र एक उर्वरक का भी शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री कृषि स्टार्टअप्स सम्मेलन और प्रदर्शनी का भी उद्घाटन करेंगे।

आज कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए वोटिंग

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। कांग्रेस पार्टी के तकरीबन 137 साल के इतिहास में छठी बार यह तय करने के लिए चुनावी मुकाबला होगा कि कौन पार्टी के इस अहम पद की कमान संभालेगा। इसके साथ ही सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के पार्टी के अध्यक्ष पद का चुनाव न लड़ने पर 24 वर्ष बाद गांधी परिवार के बाहर का कोई व्यक्ति कांग्रेस अध्यक्ष बनेगा। पार्टी अध्यक्ष पद के लिए मतदान सोमवार को होगा और मतगणना बुधवार को होगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर इस मुकाबले में एक-दूसरे के सामने हैं और वे प्रदेश कांग्रेस समिति के 9,000 से अधिक डेलीगेट्स को लुभाने के लिए विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहे हैं। खड़गे को इस पद के लिए पसंदीदा और आधिकारिक उम्मीदवार माना जा रहा है।

नगर निकाय चुनाव दिसंबर-जनवरी में संभव, चुनाव आयोग ने शुरू की तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में नगर निकाय का चुनाव दिसंबर 2022 से जनवरी 2023 के बीच होने की संभावना है। इसके लिए चुनाव आयोग ने अपनी ओर से तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को चुनाव आयोग सभी जिलों के अधिकारियों से बातचीत करेगा। यह पता करेगा कि जिलों में चुनाव संबंधित तैयारियों की क्या स्थिति है। जानकारी के अनुसार, बिना ओबीसी आरक्षण के नगर निकाय चुनाव कराने संबंधित राज्य सरकार के निर्णय के बाद झारखंड निर्वाचन आयोग ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनाव आयोग दिसंबर एवं जनवरी माह में यह चुनाव कराना चाहता है। चुनाव आयोग में इसे लेकर तमाम आवश्यक तैयारियां पूरी की जा रही हैं।

मतदाता सूची विखंडन की जानकारी लेगा आयोग : राज्य निर्वाचन आयुक्त डीके तिवारी सोमवार को सभी उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग करेंगे। इस क्रम में वह सभी उपायुक्तों से चुनाव तैयारियों की जानकारी लेंगे। दिसंबर-जनवरी माह में चुनाव कराने को लेकर उनके साथ रायशुमारी करेंगे। इस दौरान चुनाव आयोग निकाय चुनाव को लेकर मतदान केंद्रों के सत्यापन तथा मतदाता सूची के विखंडन की स्थिति की भी जानकारी लेगा।

एक चरण में हो सकता इस बार भी निकाय चुनाव : राज्य निर्वाचन आयुक्त चुनाव की तैयारियों को लेकर अन्य दिशा-निर्देश भी देंगे। चुनाव में कितने सुरक्षा बलों और चुनाव कर्मियों की आवश्यकता पड़ेगी, इसकी भी चर्चा होगी।

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS

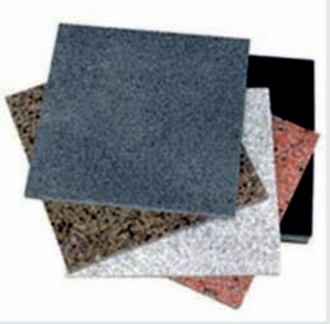

HOUSE OF :
Marbles, Tiles Granites, Kota
Cuddappa & Sanitary Ware
Contact for 4.5", 6" Boring

KUNDAN MARBLE & SANITATIONS
Near Holiday Home, Kanke Road, Ranchi-834008
E-mail : kundanmarble@gmail.com
Contact : 9334471800, 9472760801, 9334671802

पंजाब के पूर्व मंत्री 50 लाख रुपये रिश्वत देते गिरफ्तार

- विजिलेंस अफसर को की थी एक करोड़ की पेशकश, तीन दिन के रिमांड पर लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब विजिलेंस के एआइजी को रिश्वत देने के आरोप में पंजाब के पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा को गिरफ्तार किया गया है। आय से अधिक संपत्ति के मामले में उन्होंने विजिलेंस अधिकारी को एक करोड़ रुपये की पेशकश की थी, 50 लाख रुपये एडवांस लेकर चंडीगढ़ पहुंचे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। अरोड़ा पहले कांग्रेस में थे और कैप्टन अमरिंदर सिंह के सीएम रहते मंत्री रहे। कैप्टन को हटाने के बाद कुछ दिन पहले उन्होंने कांग्रेस छोड़ भाजपा जॉइन कर ली। पंजाब के पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा पर ब्यूरो के एक सहायक महानिरीक्षक (एआइजी) को 50 लाख रुपये की रिश्वत देने के आरोप हैं।

विजिलेंस ब्यूरो के मुख्य निदेशक वरिंदर कुमार ने बताया कि इस संबंध में पूर्व मंत्री के खिलाफ मनमोहन कुमार के बयान पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 8 के तहत 15 अक्टूबर को एफआइआर दर्ज की गयी है।

मोहाली अस्पताल में मेडिकल चेकअप के दौरान परिवार के साथ सुंदर शाम अरोड़ा।

अफसर से मिल कर तय किया सौदा

मुख्य निदेशक ने बताया कि एआइजी मनमोहन कुमार ने शिकायत की है कि अरोड़ा ने उनसे 14 अक्टूबर को मुलाकात की और उनके खिलाफ दर्ज सतर्कता जांच में पक्ष लेने के लिए उन्हें एक करोड़ रुपये की पेशकश की। पूर्व मंत्री ने अगले दिन 15 अक्टूबर को 50 लाख रुपये और बाद की तारीख में शेष राशि का भुगतान करने की पेशकश की है। इस मामले में अरोड़ा को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से 50 लाख रुपये बरामद किये गये हैं।

ढाई घंटे हुई घर की तलाशी : गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस की एक टीम रात लगभग 11 बजे उनके होशियारपुर स्थित घर पहुंची, जहां लगभग ढाई घंटे तक घर की तलाशी की गयी। परिवार के कुछ सदस्यों ने बताया कि टीम में शामिल अधिकारियों ने उनकी गिरफ्तारी की बात बतायी। परिजनों ने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार नाजायज ही तंग कर रही है।

तीन दिन के रिमांड पर लिया : विजिलेंस अधिकारी को 50 लाख रुपये की रिश्वत देने की पेशकेश के आरोप में गिरफ्तार पूर्व मंत्री सुंदर शाम अरोड़ा को मोहाली कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें तीन दिन के विजीलेंस रिमांड पर भेज दिया गया है। 19 अक्टूबर को दोबारा उन्हें पेश किया जायेगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
188100 Subscribers
YouTube Channel
Subscribe NOW
Channel

सर्राफा

सोना (बिक्री)	47,300 रु./10 ग्राम	
चांदी	59,000 रु./प्रति किलो	

साजिश : यह भारत को बदनाम करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा है

झूठ का पुलिंदा है ग्लोबल हंगर इंडेक्स

आजाद सिपाही विशेष

अभी संयुक्त राष्ट्र विकास परिषद की देखरेख में तैयार की गयी वैश्विक भूख सूचकांक, यानी ग्लोबल हंगर इंडेक्स और इसमें भारत की खराब स्थिति पर खूब चर्चा हो रही है। विपक्ष मोदी सरकार को इस मुद्दे पर लगातार घेर रहा है, जबकि केंद्र सरकार ने इस रिपोर्ट को यह कह कर खारिज कर दिया है कि यह बहुत कम आबादी के सैंपल पर आधारित है। इसलिए इसकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि इस रिपोर्ट में भारत सरकार द्वारा इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों और अभियानों के बारे में कोई चर्चा तक नहीं की गयी है। यह किसी के लिए भी सोचनेवाली बात हो सकती है कि करीब 65 लाख करोड़ रुपये की दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जहां प्रति व्यक्ति आय 91 हजार रुपये से अधिक है और जिसका सकल घरेलू उत्पाद 32.4 फीसदी की दर से बढ़ रहा है, वहां के लोगों को भूखे रहना पड़ता है। क्या यह मानने वाली बात हो सकती है कि जिस देश की सरकार मनरेगा जैसी रोजगार गारंटी योजना पर 98 हजार करोड़ रुपये खर्च करती है, 80 करोड़ लोगों को पिछले दो साल से मुफ्त अनाज दे रही है और करीब 60 करोड़ किसानों को हर महीने दो हजार रुपये का भुगतान किया जा रहा हो, वहां इतनी बड़ी संख्या में लोग भूखे रह सकते हैं। तो फिर इस तरह की रिपोर्ट को जारी करने और फिर इस पर हाय-तौबा मचाने का एक ही मकसद नजर आता है और वह है भारत को बदनाम करने की अंतरराष्ट्रीय साजिश। इस तरह की रिपोर्ट से लगातार ताकतवर होते भारत की छवि को खराब करने की सुनियोजित साजिश की जा रही है। आखिर क्या है यह भुखमरी रिपोर्ट, जिसमें भारत को श्रीलंका और पाकिस्तान और बांग्लादेश से भी पीछे बताया गया है, यह जानना बहुत जरूरी है। इस रिपोर्ट के तमाम पहलुओं को सामने लाते हुए भारत की स्थिति का विश्लेषण कर रहे हैं आजाद सिपाही के **विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

क्या कोई सामान्य व्यक्ति आज के जमाने में खुद भूखे रह कर दूसरों का पेट भरने का संकल्प लेगा! इस सवाल का जवाब जितना आसान है, उतना ही साफ भी। यह सवाल संयुक्त राष्ट्र विकास परिषद की देखरेख में तैयार ग्लोबल हंगर इंडेक्स में भारत की कमजोर स्थिति के आलोक में महत्वपूर्ण हो जाता है। वैश्विक महामारी के दौर में जिस भारत ने दुनिया के 33 देशों को गेहूं का और 55 देशों को चावल, दलहन और अन्य खाद्यान्नों का निर्यात किया, वहां के लोग भूखे रह सकते हैं, यह माननेवाली बात हो ही नहीं सकती। लेकिन फिर आखिर इस रिपोर्ट में भारत को उसके लगभग दिवालिया हो चुके पड़ोसियों, पाकिस्तान और श्रीलंका से भी पीछे क्यों बताया गया है, यह सोचनेवाली बात है।

भारत सरकार ने खारिज की रिपोर्ट

भारत सरकार ने हालांकि इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। सरकार का कहना है कि यह सरकार को बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इसे गलतियों का पुलिंदा करार दिया है। उसका कहना है कि यह रिपोर्ट गलत और भ्रामक सूचनाओं पर आधारित है। सूचकांक के मापदंड और कार्यप्रणाली भी वैज्ञानिक नहीं हैं। मंत्रालय का कहना है कि इसके चार संकेतकों में से तीन बच्चों से जुड़े हैं, जो संपूर्ण आबादी की जानकारी नहीं देते हैं। मंत्रालय के मुताबिक चौथा और सबसे अहम सूचकांक कुल जनसंख्या में कुपोषित आबादी का है। यह केवल तीन हजार लोगों के बहुत ही छोटे सैंपल पर किये गये जनमत सर्वेक्षण पर आधारित है। इसलिए इसे विश्वसनीय नहीं माना जा सकता है।

पिछले आठ साल से कई बार इस तरह की कोशिशें की गयी हैं

लेकिन सरकार के इस नजरिये से विपक्ष को कोई मतलब नहीं है। उसने इस झूठ के पुलिंदे को ही विश्वसनीय मान लिया है और सरकार को घेर रहा है, जबकि उसके पास इन तर्कों का कोई जवाब नहीं है कि भारत सरकार पिछले दो साल से अपने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है। यह दुनिया की सबसे बड़ी मुफ्त खाद्यान्न योजना है। ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में भारतीय भूखे कैसे रह सकते हैं।

कैसी है भारत की अर्थव्यवस्था

वैसे भी यदि भारतीय अर्थव्यवस्था पर नजर दौड़ायी जाये, तो यह कहीं से भी पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश से खराब नहीं है। भारत की वर्तमान अर्थव्यवस्था का आकार करीब 65 लाख करोड़ रुपये है, जबकि यहां की प्रति व्यक्ति आय 91 हजार 481 रुपये है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद 32.4 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है और यह दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह भी ध्यान देनेवाली बात है कि जिस देश में 98 हजार करोड़ रुपये मनरेगा जैसी रोजगार गारंटी योजना पर प्रति वर्ष खर्च किये जा रहे हों और 60 करोड़ किसानों को हर महीने दो-दो हजार रुपये दिये जा रहे हों, वहां कोई व्यक्ति, चाहे वह किसी भी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि का हो, भूखा कैसे रह सकता है।

क्या है भारत की स्थिति

वैश्विक भूख सूचकांक यानी जीएचआइ में भारत 107वें स्थान पर खिसक गया है। पिछली बार के मुकाबले भारत छह पायदान नीचे है। जीएचआइ के लिए दुनिया के 136 देशों से आंकड़े जुटाये गये। इनमें से 121 देशों की रैंकिंग की गयी। बाकी 15 देशों से समुचित आंकड़े नहीं होने के कारण उनकी रैंकिंग नहीं की जा सकी। इस रैंकिंग में भारत अपने लगभग सभी पड़ोसी देशों से पीछे है। केवल अफगानिस्तान से ही भारत की स्थिति थोड़ी सी बेहतर है। अफगानिस्तान इस सूची में 109वें स्थान पर है। 29.1 स्कोर के साथ जीएचआइ के प्रकाशकों ने भारत में 'भूख' की स्थिति को गंभीर बताया है।

क्या है भुखमरी रिपोर्ट या जीएचआइ

सन 2000 से लगभग हर साल जीएचआइ जारी होता है। इस रिपोर्ट में जितना कम स्कोर होता है, उस देश का प्रदर्शन उतना बेहतर माना जाता है। कोई देश भूख से जुड़े सतत विकास लक्ष्यों को कितना हासिल कर पा रहा है, इसकी निगरानी करने का साधन वैश्विक भूख सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) यानी जीएचआइ है। इसका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के लिए किया जाता है। जीएचआइ किसी देश में भूख के तीन आयामों को देखता है। पहला, देश में भोजन की अपर्याप्त उपलब्धता, दूसरा, बच्चों की पोषण स्थिति में कमी और तीसरा, बाल मृत्यु दर (जो अल्पपोषण के कारण है)।

जीएचआइ रैंकिंग दी कैसे जाती है?

जहां तक रैंकिंग दिये जाने की बात है, तो यह चार पैमानों पर दी जाती है। कुल जनसंख्या में कुपोषितों की आबादी कितनी है, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में समुचित शारीरिक विकास नहीं होने की समस्या कितनी है, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में लंबाई नहीं बढ़ने की समस्या कितनी है और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर कितनी है। इन मानकों पर अलग-अलग देशों को 100-बिंदु पैमाने पर रैंक किया जाता है। इसमें शून्य और 100 क्रमशः सर्वश्रेष्ठ और सबसे खराब संभव स्कोर हैं। नौ या नौ से कम स्कोर का मतलब उस देश में स्थिति बेहतर है। भूख की समस्या कम है। 10 से 19.9 तक के स्कोर वाले देशों में भूख की समस्या नियंत्रित स्थिति में मानी जाती है। 20.0 से 34.9 के बीच वाले स्कोर वाले देशों में भूख की समस्या गंभीर मानी जाती है। वहीं, 35.0 से 49.9 के बीच स्कोर वाले देशों में भूख की समस्या खतरनाक, तो 50 से ज्यादा बेहद खतरनाक मानी जाती है।

सबसे बेहतर रैंकिंग किन देशों की है?

इस बार की रैंकिंग में 17 देशों का जीएचआइ स्कोर 5 से कम है। इन सभी देशों को अलग-अलग रैंकिंग नहीं देकर सभी को एक से 17 की रैंकिंग दी गयी है। जीएचआइ की ओर से कहा गया है कि इन देशों के बीच आंकड़ों में अंतर बहुत कम है। इन 17 देशों में बेलारूस, बोस्निया और हर्जेगोविना, चिली, चीन, क्रोएशिया, एस्टोनिया, हंगरी, कुवैत, लातविया, लिथुआनिया, मोंटेनेग्रो, उत्तरी मैसेडोनिया, रोमानिया, सर्बिया, स्लोवाकिया, तुर्की और उरुग्वे शामिल हैं।

सबसे खराब रैंकिंग वाले देश कौन से हैं?

दुनिया के नौ देश ऐसे हैं, जहां भूख की समस्या खतरनाक स्तर पर है। यानी इन देशों का जीएचआइ स्कोर 35.0 से 49.9 के बीच है। इन देशों में चाड, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, मेडागास्कर, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, यमन, बुरुंडी, सोमालिया, दक्षिण सूडान, सीरियाई अरब गणराज्य शामिल हैं। इनमें चाड, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, मेडागास्कर, मध्य अफ्रीकी गणराज्य और यमन को क्रमशः 117 से 121 तक की रैंकिंग मिली है। बाकी देशों को डाटा कम होने के कारण रैंकिंग नहीं दी गयी है।

भारत और उसके पड़ोसी देशों का क्या हाल है?

भारत के पड़ोसी देशों की बात की जाये, तो पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार की स्थिति इससे बेहतर है। 121 देशों की सूची में श्रीलंका 64वें, म्यांमार 71वें, नेपाल 81वें, बांग्लादेश 84वें और पाकिस्तान 99वें स्थान पर है। भारत से पीछे सिर्फ अफगानिस्तान है। अफगानिस्तान 109वें नंबर पर है। चीन की बात करें, तो चीन दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां इसकी समस्या कम है। चीन एक से 17 की रैंकिंग पाने वाले देशों में शामिल है। वहीं, भूटान उन देशों में शामिल है, जहां ये रैंकिंग नहीं निकाली गयी है।

अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे देशों में क्या स्थिति है?

जीएचआइ में 136 देशों का सर्वे किया गया है। 2021 में 116 देशों के मुकाबले इस बार देशों में इजाफा हुआ है। इसके अलावा कई देश ऐसे हैं, जो इसमें शामिल नहीं हैं। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस जैसे कई देश शामिल हैं। भारत का पड़ोसी देश भूटान भी ऐसे देशों में शामिल है।

भारत की रैंकिंग और जीएचआइ स्कोर कितना सुधरा या बिगड़ा है?

2000 से इस रैंकिंग की शुरुआत हुई। इसका उद्देश्य 2030 तक दुनिया भर में भुखमरी की समस्या को खत्म करना था। तब भारत का जीएचआइ स्कोर 38.8 था, जो 2007 आते-आते घट कर 36.3 हो गया। 2014 में यह स्कोर खतरनाक स्तर से नीचे आया। 2014 में यह स्कोर 28.2 था। तब भारत गंभीर श्रेणी के देशों में शामिल था। यह अभी भी गंभीर स्तर पर बरकरार है, हालांकि इस स्कोर में इजाफा (29.1) हुआ है। जिन चार संकेतकों के आधार पर यह रैंकिंग तैयार की जाती है, उनमें दो में भारत लगातार सुधार कर रहा है। इनमें बच्चों की मृत्यु दर और लंबाई नहीं बढ़ने की समस्या शामिल है। इसके बाद भी बीते आठ साल में भारत के जीएचआइ स्कोर में इजाफा हुआ है। इसकी वजह बच्चों के समुचित शारीरिक विकास में कमी के मामले बढ़ने और कुल जनसंख्या में कुपोषित आबादी की समस्या बढ़ने को बताया गया है।

इस साजिश को समझने की जरूरत

अब इस रिपोर्ट के बहाने भारत की छवि को बिगाड़ने की कोशिश को समझने की जरूरत है। पिछले आठ सालों में दुनिया भर में भारत की स्थिति बहुत बेहतर हुई है। अब दुनिया का कोई भी देश भारत की उपेक्षा करने या इसका कूटनीतिक विरोध करने की स्थिति में नहीं है। यहां तक कि चीन और पाकिस्तान जैसे स्वाभाविक शत्रु देश भी भारत की आर्थिक ताकत को मानने लगे हैं और इसकी मुखालफत का खतरा मोल नहीं ले सकते। इसलिए इस तरह की अधूरी और निराधार जानकारी से भरी हुई रिपोर्ट के जरिये भारत को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। भारत के विपक्षी दलों को इसे समझने की जरूरत है।

मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर आमने-सामने

24 साल के बाद पार्टी की कमान गांधी परिवार के बाहर

राहुल सिंह

रांची (आजाद सिपाही)। सोमवार का दिन कांग्रेस पार्टी के लिए काफी अहम होनेवाला है। कांग्रेस की कमान किसके हाथों में जायेगी इसका फैसला सोमवार को हानेवाले चुनाव पर निर्भर करेगा। इसके लिए तैयारियां हो चुकी हैं। कांग्रेस के 9800 से ज्यादा मतदाता मल्लिकार्जुन खड़गे या शशि थरूर में से किसी एक का चुनाव करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए सोमवार सुबह दस बजे से वोटिंग शुरू हो जायेगी। चार बजे तक वोटिंग का समय निर्धारित किया गया है। देश भर में 40 केंद्रों पर इसके लिए 68 बूथ बनाये गये हैं। करीब 9800 मतदाता इसमें हिस्सा लेंगे, जो अलग-अलग प्रदेशों के प्रतिनिधि हैं।

सोनिया गांधी, मनमोहन सिंह, प्रियंका गांधी समेत अन्य सीडब्ल्यूसी के सदस्य कांग्रेस मुख्यालय में बने बूथ में मतदान करेंगे। एक बूथ भारत जोड़ो यात्रा के कैंप में भी बनाया गया है, जहां राहुल गांधी और करीब 40 मतदाता मतदान करेंगे। मल्लिकार्जुन बेंगलुरु और शशि थरूर तिरुवनंतपुरम स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में मतदान करेंगे।

मतदान के बाद मतपेटियों को दिल्ली लाया जायेगा, जहां पार्टी मुख्यालय में 19 अक्टूबर को मतगणना होगी और नतीजे घोषित होंगे। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 22 साल बाद चुनाव होने जा रहा है और करीब 24 साल के बाद पार्टी की कमान गांधी परिवार के बाहर जाना तय हो गया है।

अलग-थलग पड़ गये शशि थरूर

चुनावी बिगुल बजते ही मल्लिकार्जुन खड़गे की दावेदारी सबसे मजबूत थी। सभी जानते थे कि गांधी परिवार की पहली पसंद खड़गे ही हैं। इसके बाद चाह कर भी न जाने कितने कांग्रेसियों ने, जिन्होंने मुंगेरीलाल के हसीन सपने संजोये थे, उन्हें अपना सपना त्यागना पड़ा। लेकिन शशि थरूर को कहीं ना कहीं उम्मीद थी और वह आगे बढ़े, लेकिन समय के साथ-साथ वह अलग-थलग पड़ने लगे।

थरूर ने कई प्रश्न खड़े किये

मुझसे कांग्रेस के नेता मिलने से हिचकते हैं?

शशि थरूर ने कहा, 'मल्लिकार्जुन खड़गे से कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता आसानी से मुलाकात करते हैं। उनका स्वागत करते हैं, लेकिन ऐसा मेरे साथ नहीं होता है। मुझसे मुलाकात करने में कांग्रेस के नेता हिचकते हैं।'

मतदाताओं से संपर्क करने का समय ही नहीं मिला?

थरूर की बेचैनी दिन पर दिन बढ़ती गयी। 30 सितंबर को मतदाताओं की पहली सूची मिली। सूची मिलते ही उन्होंने चुनाव की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि 'हमें 30 सितंबर को मतदाताओं की पहली सूची दी गयी, जिसमें केवल नाम थे। किसी का नंबर नहीं था। एक हफ्ते पहले दूसरी सूची दी गयी। ऐसे में हम कैसे किसी से संपर्क कर पाते।

मुझे समान अवसर नहीं मिला?

थरूर ने पार्टी के कुछ नेताओं की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े किये। उन्होंने कहा कि 'कुछ नेताओं ने ऐसे काम किये हैं, जिसे पक्षपात कहा जा सकता है। सच कहें तो मुझे समान अवसर नहीं दिया गया। कई प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) में हमने देखा कि पीसीसी अध्यक्ष, विधायक दल के नेता और कई बड़े नेता खड़गे साहब का स्वागत करते हैं, उनके साथ बैठते हैं, पीसीसी से मतदाताओं को निर्देश जाते हैं कि आ जाओ, खड़गे साहब आ रहे हैं। यह सिर्फ एक ही उम्मीदवार के लिए हुआ। मेरे लिए ऐसा नहीं हुआ। इस किस्म की कई चीजें कई पीसीसी में हुईं। कई जगह तो पीसीसी अध्यक्ष तक ने मुझसे मुलाकात नहीं की।'

थरूर की दावेदारी कितनी मजबूत

केरल और अन्य दक्षिण राज्यों से वोट मिलने की संभावना

शशि थरूर 13 साल से केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस के सांसद हैं। दक्षिण के राज्यों में कांग्रेस को मजबूत करने में भी थरूर काफी आगे रहे हैं। वह केवल दक्षिण नहीं, बल्कि उत्तर भारत में भी काफी चर्चित हैं। थरूर को दक्षिण राज्यों के अलावा उत्तर भारत से भी वोट मिलने की संभावना है।

कांग्रेस में अंदरूनी उठापटक का फायदा

कांग्रेस में बदलाव चाहने वाले युवाओं के बीच थरूर की लोकप्रियता पहले से ज्यादा है। कुछ राज्यों में भले ही कांग्रेस नेताओं ने खुलकर थरूर का समर्थन नहीं किया है, लेकिन अंदर तौर पर वे जरूर चाहते हैं कि पार्टी में बदलाव हो। ऐसे में पार्टी के अंदर बदलाव चाहने वाले नेता जरूर थरूर का साथ दे सकते हैं। थरूर भी ऐसी ही उम्मीद लगाकर बैठे हैं।

खड़गे से ज्यादा लोकप्रिय चेहरा

शशि थरूर के पास भले ही मल्लिकाअर्जुन खड़गे जितना संगठन का अनुभव न हो, लेकिन आम लोगों में थरूर खड़गे से ज्यादा लोकप्रिय चेहरा हैं। शशि थरूर एक पैन इंडिया पॉपुलर नेता हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर थरूर की फॉलोइंग कांग्रेस के अधिकतर नेताओं से ज्यादा ही रही है।

वाद विवाद और तर्कशीलता में बेहतरीन

बेहतरीन अंग्रेजी, ठीक-ठाक हिंदी और कई अन्य भाषाओं में महारत होने की वजह से वह युवाओं के बीच अलग अपील लेकर पेश होते हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तर्कशीलता को लेकर एक बड़ा तबका उनका फैन है। खासकर विदेश मामलों में भारत का पक्ष रखने को लेकर लोग उन्हें सुनना पसंद करते हैं।

खड़गे की दावेदारी कितनी मजबूत?

पार्टी का समर्थन, वरिष्ठ नेताओं का भी मिला साथ

थरूर के मुकाबले मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ ज्यादा कांग्रेसी नेता खड़े दिखायी दे रहे हैं। खासतौर पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का साथ खड़गे को मिला हुआ है। कहा जाता है कि खड़गे को पार्टी की तरफ से पूरा समर्थन दिया गया है। गांधी परिवार भी खड़गे को ही अध्यक्ष बनाना चाहता है।

गांधी परिवार के करीबी

खड़गे गांधी परिवार के भरोसेमंद माने जाते हैं। इसका समय-समय पर उनको इनाम भी मिला। साल 2014 में खड़गे को लोकसभा में पार्टी का नेता बनाया गया। लोकसभा चुनाव 2019 में हार के बाद भी कांग्रेस पार्टी ने उन्हें 2020 में राज्यसभा भेज दिया। पिछले साल गुलाम नबी आजाद का कार्यकाल खत्म हुआ, तो खड़गे को राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष बना दिया गया।

विपक्ष के नेताओं से अच्छे संबंध

मल्लिकार्जुन खड़गे गांधी परिवार के करीबी तो हैं ही, विपक्ष के अन्य नेताओं से भी उनके अच्छे संबंध हैं। खड़गे का राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अध्यक्ष शरद पवार और माकपा महासचिव सीताराम येचुरी, टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी जैसे विपक्ष के नेताओं के साथ अच्छे संबंध हैं।

मजदूरों में अच्छी पकड़, नौ बार विधायक रहे

खड़गे नौ बार विधायक रहे और दो बार लोकसभा सांसद। अभी वह राज्यसभा के सांसद हैं। केंद्र में मनमोहन सिंह सरकार में खड़गे श्रम और रोजगार मंत्री रहे। खड़गे का नाता महाराष्ट्र से भी है। खड़गे के पिता महाराष्ट्र से रहे। यही कारण है कि खड़गे बखूबी मराठी बोल और समझ लेते हैं। खड़गे मजदूरों के बीच काफी लोकप्रिय रहे हैं। लंबे समय तक उन्होंने मजदूरों के हक की लड़ाई लड़ी है। इसका फायदा भी उन्हें मिल सकता है।

कर्नाटक, महाराष्ट्र में दिला सकते फायदा

आने वाले समय में कर्नाटक और फिर महाराष्ट्र में भी चुनाव होंगे। ऐसे में खड़गे इन दोनों राज्यों के अलावा दक्षिण के अन्य राज्यों में कांग्रेस को अच्छा फायदा दिला सकते हैं। संगठन और प्रशासनिक कार्यों में माहिर खड़गे को प्लानिंग का मास्टर कहा जाता है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.6 °c	21.0 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.22 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.46 बजे

पीएम नरेंद्र मोदी पर साधा निशाना, कहा-लोकलाज ताखा पर रखा

2024 के चुनाव में जदयू झारखंड में मजबूत ताकत बनेगी : ललन सिंह

राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में झारखंड जनता दल का जदयू में विलय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद ललन सिंह ने रविवार को पार्टी कार्यकर्ताओं, नेताओं को झारखंड में पार्टी को मजबूत बनाने में कमर कसने को कहा। कॉर्निवल हॉल, रांची में आयोजित जदयू के राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में कहा कि 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड बना। यहां से पांच-सात एमएलए, एमपी भी पार्टी के हुआ करते थे, पर अब ऐसा नहीं है। ऐसे में सब मिल कर संगठन को मजबूत करें। बिहार में नीतीश कुमार की अगुवाई में बगैर साधन, संसाधनों के जैसा विकास हुआ, वैसा झारखंड में नहीं हुआ है। इसकी टीस नीतीश कुमार को है। इसे देखते हुए यहां से खीरू महतो को सांसद बना कर इस राज्य के प्रति अपने जुड़ाव को भी उन्होंने दर्शाया है।

गौतम सागर राणा पुराने साथी

आने वाले 2024 के चुनाव के लिए सब मिल कर मेहनत करें। राज्य में मान्यता प्राप्त दल और पार्टी को मजबूत ताकत बनाने में सब लगें। इस दौरान झारखंड जनता दल का जदयू में विलय का स्वागत करते ललन सिंह ने कहा कि गौतम सागर राणा पुराने साथी हैं। उनके साथ आने से झारखंड में जदयू और तेजी से मजबूत होगी और आगे बढ़ेगी। ललन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने लोक-लाज को ताखा पर रख दिया है। वह समाज में विद्वेष फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

मौके पर बिहार सरकार में मंत्री और झारखंड के प्रभारी श्रवण कुमार, सांसद और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष (झारखंड) खीरू महतो, पूर्व मंत्री सुधा चौधरी सहित अन्य नेता भी मौजूद थे। ललन सिंह ने कहा कि देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। 70 सालों में इतनी विकट स्थिति नहीं दिखी। वादों के मुताबिक आठ सालों में अब तक 16 करोड़ युवाओं को रोजगार मिलना चाहिए था, 16 लाख को भी नसीब नहीं हुआ। लोकतंत्र में लोकलाज त्याग कर मोदी सरकार उन्माद पैदा करने में लगी है। केवल लोगों को एक दूसरे से लड़ाने में लगी रहती है। सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ा जा रहा है। विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में इडी, सीबीआइ के जरिये रेड डाल कर तंग किया जाता है। राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे समेत सबों का निजीकरण कर रही है, वह भी एक व्यक्ति विशेष के हाथों। केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ सबों को एकजुट करने में नीतीश कुमार लगे हैं। वह पीएम की रेस में नहीं हैं। आगे सब मिल कर बैठेंगे और इस पर विमर्श होगा। फिलहाल तो इस केंद्र की सरकार को बाहर करना है।

केंद्र में जुमलाबाज सरकार : श्रवण कुमार

श्रवण कुमार ने कहा कि केंद्र में जुमलाबाज सरकार है। 70 सालों को एक तरफ रखें और वर्तमान के केंद्र सरकार में महंगाई को देखें, समझ में आयेगा। हर साल दो करोड़ रोजगार का कोई पता नहीं है। पूंजीपतियों के हाथों में देश को गिरवी रखा जा रहा है। बिहार में नीतीश कुमार ने जो काम किया है, उसकी देखा देखी ही केंद्र सरकार कई योजनाओं को चला रही है। वहीं खीरू महतो ने पार्टी कार्यकर्ताओं से महीने-दो महीने के भीतर पार्टी संगठन का चुनाव कराने में मदद मांगी। कहा कि अधिक से अधिक मेंबरशिप के लिए सबों को काम करना होगा। आने वाले समय में नीतीश कुमार को भी रांची एक बड़े सम्मेलन में बुलायेंगे। ऐसे में सब अधिक से अधिक मेहनत करें।

समीर उरांव बने त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद समीर उरांव को त्रिपुरा विधानसभा चुनाव का सह प्रभारी बनाया गया है। समीर उरांव को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की तरफ से पत्र जारी कर शुभाकामनाएं दी गयी हैं। बता दें कि समीर उरांव त्रिपुरा पहुंच गये हैं। उनके त्रिपुरा जाने पर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने ट्वीटर पर अनुभव साझा करते हुए कहा कि त्रिपुरा आगमन पर महाराजा बीर बिक्रम, अगरतला हवाई अड्डा पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। यही प्यार मेरी ताकत है, जो मुझे नित दिन कार्य करने के लिए ऊर्जा प्रदान करती है।

महिलाओं पर अत्याचार के मामले में झारखंड नंबर वन, यही है हेमंत सरकार की उपलब्धि: सुदेश महतो

अखिल झारखंड महिला संघ का जिला सम्मेलन आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड महिलाओं पर अत्याचार के मामले में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए पहले पायदान पर है। ये बातें झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहीं।

उन्होंने बोड़ेया स्थित गीतांजलि सभागार में आयोजित अखिल झारखंड महिला संघ के जिला सम्मेलन में कहा कि पिछले 32 महीनों के कार्यकाल में सरकार ने महिला सुरक्षा और स्वावलंबन की दिशा में कोई कार्य नहीं किया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार महिलाओं पर अत्याचार के मामले में झारखंड नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए, पहले पायदान पर रहा। आज आलम ये है कि राज्य के सभी 45 अनुमंडल और 24 जिला के सभी विद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी एक कोतवाल के भरोसे है। उन्होंने हेमंत को चुनाव के दौरान किये गये वादों की याद दिलाते हुए कहा कि उन्होंनेमहिलाओं को सरकारी नौकरी में 50 प्रतिशत का आरक्षण, प्रत्येक गांव में महिला बैंक की स्थापना, गरीब परिवार की महिलाओं को 2000 रुपये प्रतिमाह चूल्हा खर्च, पंचायत सेवक, एएनएम, शिक्षिका और होम गार्ड जैसे सभी रिक्तियों को तत्काल भरते हुए भारी संख्या में महिलाओं को स्थायी नौकरी, प्राथमिक से लेकर पीएचडी तक सभी प्रकार की शिक्षाएं, सभी जाति और धर्म की लड़कियों को निःशुल्क देने की बात तथा हर अनुमंडल मुख्यालय में सभी सुविधाओं के साथ महिला महाविद्यालय की स्थापना करने की बात की थी। आजसू पार्टी सरकार से कोई नयी मांग नहीं कर रही ,बल्कि उन्हीं के वादों को याद दिला रही है।

महिला समूहों की वजह से समाज में बदलाव

महिलाओं के संबंध में सुदेश महतो ने कहा कि महिलाओं से बेहतर नेतृत्वकर्ता कोई और नहीं हो सकता। संसाधनों के अभाव में भी महिलाएं अपने बुलंद हौसले तथा बेहतरीन प्रबंधन एवं नेतृत्व कौशल से समाज में परिवर्तन लाने में सक्षम हैं।

झारखंड की महिलाओं में राज्य का चेहरा तथा यहां के हालात बदलने का दमखम है। लेकिन महिला शक्ति को इसके लिए इंतजार नहीं करना है, बल्कि उन्हें खुद आगे आकर अपनी सामाजिक एवं राजनीतिक जिम्मेदारी निभानी होगी। सम्मेलन में मुख्य रूप से अखिल झारखंड महिला संघ की सदस्य विजेता वर्मा, महानगर उपाध्यक्ष डॉ सुचिता महतो, कार्यकारी अध्यक्ष प्रभा महतो, केंद्रीय सचिव ममता मौर्या, जिला परिषद उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष पार्वती देवी, जिला परिषद परमेश्वरी सांडिल, सरिता देवी, मंजू देवी, पूर्व जिला परिषद सदस्य वीणा मुंडा, मीना कुमारी, फूलकुमारी देवी, प्रमुख अनिता गाड़ी, उप प्रमुख आरती देवी, शीला साहू एवं वीणा कुमारी, प्रखंड अध्यक्ष सलगी उरांव, अखिल झारखंड छात्र संघ की केंद्रीय सचिव ज्योत्सना केरकेट्टा तथा अंजू तिर्की मुख्य रूप से शामिल थीं। महिला सम्मेलन को आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत एवं हटिया विधानसभा प्रभारी भरत काशी ने भी संबोधित किया।

डीजीपी ने प्रतिभावान बच्चों को किया सम्मानित

रांची। राज्य के डीजीपी नीरज सिन्हा ने झारखंड पुलिस एसोसिएशन के केंद्रीय कार्यालय में रविवार को झारखंड पुलिस परिवार प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में सफलता पानेवाले पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने वालों और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाने वाले होनहारों को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि बच्चों को माता-पिता की भावनाओं की कद्र करते हुए उन्हें गौरवान्वित होने का मौका देना चाहिए। डीजीपी ने सफल बच्चों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान रांची एसएसपी किशोर कौशल समेत अन्य कई पुलिस पदाधिकारी और कर्मी मौजूद थे।

सजा सुनने को व्याकुल हेमंत युवाओं के भविष्य पर कब व्याकुलता दिखायेंगे: बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पत्रकारों से रूबरू हुए। उन्होंने पत्रकारों के सामने खुल कर अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्यपाल राज्य के हेड मास्टर हैं और ऐसे में अगर मैंने कोई गलती की है तो मुझे सजा सुना दें । इस तरह असमंजस में ना रखें। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद सियासत गरमा गयी है। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने एक ट्वीट कर हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि आप सजा सुनने को व्याकुल क्यों है हेमंत सोरेन जी। लिफाफे में तो आपकी भ्रष्टाचार की कहानी बंद है, जिसे पढ़ने को आप व्याकुल हो रहे हैं, लेकिन राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य का रास्ता जो आपने बंद कर रखा है, उस पर कब व्याकुलता दिखायेंगे।

क्या ट्वीट किया बाबूलाल ने

पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अपनी सजा सुनने को व्याकुल हेमंत सोरेन जी, झारंखड में पंचायत सचिव के सैकड़ों अभ्यर्थियों, जिनके गरीब माता-पिता ने अपना पेट काट कर बच्चों को पढ़ाया लिखाया कि उन्हें सरकारी नौकरी मिल जायेगी, पिछले तीन साल से अपनी परीक्षा के परिणाम का सिर्फ इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उन्हें नियुक्ति नहीं मिली। क्या इन अभ्यर्थियों की पीड़ा को कभी महसूस किया है आपने? लिफाफे में तो आपके भ्रष्टाचार की कहानी बंद है, जिसे पढ़ने को आप व्याकुल हो रहे हैं। लेकिन पांच लाख नौकरी देने के झूठे वादे से राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य का रास्ता जो आपने बंद कर रखा है, दिखायेंगे?

प्रदर्शन : राजभवन के समक्ष सहियाकर्मियों ने भरी हुंकार, कहा

बेगारी में नहीं खटेंगे, हमें भीख नहीं अधिकार चाहिए

कहा- दो हजार में दम नहीं, बीस हजार से कम नहीं

सहियाकर्मियों का स्थायीकरण करना होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। दो हजार में दम नहीं ,बीस हजार से कम नहीं, भीख नहीं आधिकार चाहिए जीने का आधिकार चाहिए, सभी सहियाकर्मियों को स्थायीकरण करना होगा के जोरदार नारों के साथ हजारों सहियाकर्मियों ने रविवार को राजभवन के समक्ष जोरदार प्रदर्शन किया। सहिया एवं सहिया साथी संघ के वैनर तले रविवार को धनबाद, बोकारो, चतरा, हजारीबाग, रांची, पूर्वी पश्चिमी सिंहभूम रामगढ़, देवघर, पलामू, पाकुड़, जामताड़ा समेत अन्य जिलों के हजारों सहियाकर्मियों ने विशाल रैली निकाल कर राजभवन पहुंचे। यहां अपने मानदेय और स्थायीकरण की मांग पर अपनी आवाज बुलंद की। इसकी अध्यक्षता संजू मिश्रा ने की, जबकि संचालन संतोष सोनी ने किया।

राजभवन के समक्ष आयोजित सभा को संबोधित करते हुए संघ के संरक्षक एवं मासस के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि सहिया बहनों को भीख की तरह प्रोत्साहन नहीं, देश के अन्य राज्यों की तरह बीस हजार रुपये मासिक मानदेय की सरकार गारंटी दे। इसे लागू करने में जो भी अड़चनें हों केंद्र और झारखंड की सरकार इसे दूर करें और फ्रंट लाइन वर्करों को बेहरत मानदेय और स्थायी की गारंटी हो। झारखंड में सिर्फ कंपनियों की चाकरी करने से काम नहीं चलेगा।

सहिया साथी संघ की अध्यक्ष पंपा मंडल ने कहा कि हम महिलाएं अबला नहीं चिंगारी हैं, महिला सशक्तिकरण के नाम पर महिलाओं के साथ नाइंसाफी बर्दाश्त नहीं करेंगे। सरकार की चाहे जो मजबूरी हो, हमारी मांगें पूरी हों, वरना सरकार को ही बुरे दिन देखना पड़ेगा। संघ की सचिव माया सिंह ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों ने सभी सहिया बहनों को सड़क पर ला दिया है। सरकार कोरोना काल में फ्रंट लाइन वर्करों से किये वायदे पूरा करे। जब तक हमारी सेवा स्थायी नहीं, तब तक सरकार स्थिर नहीं रहेगी।

स्थायीकरण की मांग ले के रहेंगे

एक्टू के प्रदेश सचिव भुवनेश्वर केवट ने कहा कि जिन सहिया बहनों को दो-दो लड़ाकू भाइयों विनोद सिंह और अरूप चटर्जी का साथ हो, उसे कोई परास्त नहीं कर सकता है। हम मिल कर लड़के और बेहतर मजदूरी और स्थायीकरण की मांग ले के रहेंगे। राजभवन मार्च और सभा को चिंता देवी, प्रणव उपाध्याय, उदय मेहता, ललिता देवी, सोना साहू, आशा देवी, लक्ष्मी देवी, सीमा देवी, मुकुल भट्टाचार्य समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

चतरा में मिट्टी की चाल धंसने से तीन बच्चियों की मौत, दो घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बिलासपुर गांव के समीप रविवार की दोपहर चाल धंसने से तीन बच्चियों की मौत हो गयी। वहीं दो बच्चियां गंभीर रूप से घायल हो गयी हैं। मृत सभी बच्चियां बिलासपुर गांव की रहने वाली थी। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतकों के घर में लोग दहाड़े मार-मार कर रो रहे हैं। हर कोई सदमे में है। प्रतापपुर अंचल के पुलिस निरीक्षक लव कुमार ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस निरीक्षक लव कुमार ने बताया कि हादसे के बाद दो बच्चियों को किसी तरह से निकाल कर उपचार के लिए चतरा सदर अस्पताल भेजा गया है। उनका इलाज चज रहा है। दोनों की हालत गंभीर बतायी जा रही है। जरूरत पड़ने पर उन्हें रांची रिम्स भी रेफर किया जा सकता है। वहीं, इस हादसे में तीन बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गयी।

जेसीबी से मिट्टी हटा कर निकाली गयीं बच्चियां

दोपहर करीब बारह बजे एक बच्ची रोते हुए गांव की ओर भाग कर आयी। उसने लोगों को बताया कि मिट्टी की चाल धंस गयी है। उसकी सभी सहेलियां उसमें दब गयी हैं। सूचना मिलने के बाद प्रतापपुर थाना पुलिस जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंची। मिट्टी हटा कर बच्चियों को बाहर निकाला गया। इनमें तीन बच्चियों की मौत हो गयी थी। दो की सांसें चल रही थीं। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया।

दिवाली के लिए दुधिया माटी लाने गयी थीं

जानकारी के अनुसार, दीपावली पर्व पर घर का रंग-रोगन करने के लिए सुदूरवर्ती गांवों की युवतियां और महिलाएं दुधिया मिट्टी लाने के लिए निकटवर्ती क्षेत्रों में गयी थीं। बिलासपुर गांव की छह बच्चियां भी मिट्टी लाने के लिए गयी थीं। इनकी उम्र 12 से 16 वर्ष के बीच थी। सभी एक साथ दुधिया मिट्टी लाने के लिए अपने-अपने घरों से निकली थीं।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
188100 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 80 lakh+
Watch Time (HR) 11 Lakh+
YouTube Channel
Subscribe NOW
No 1 Channel

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 17 अक्टूबर, 2022
www.azadsipahi.com

भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए जो भी कुर्बानी देनी पड़े, हम तैयार हैं : रामचंद्र खराड़ी

जो समाज की संस्कृति, रीति-रिवाज को त्याग दूसरे धर्म में चले गये हैं, उनका विरोध करें: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। वनवासी कल्याण केंद्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र खराड़ी ने जैसे ही कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने में जो भी कुर्बानी देनी पड़े, हम देंगे, वैसे ही कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौका था जशपुरिया बीएड कॉलेज, बीसा, गेतलसूद, अनगड़ा में दो दिवसीय (15 और 16 अक्टूबर) वनवासी कल्याण केंद्र की प्रांतीय कार्यकर्ता बैठक के समापन समारोह का। समापन समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी। सभागार महिला और पुरुष कार्यकर्ताओं से खचाखच भरा था। दुधमुंहे बच्चे भी महिलाओं की गोद में किलकारी मार रहे थे।

संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल रही

कार्यक्रम की शुरुआत में परिचय कार्यक्रम के तुरंत बाद मुख्य अतिथि बाबूलाल मरांडी को बोलने के लिए आग्रह किया गया। उन्होंने कहा कि अभी तो मैं आया ही हूं। मुझे तो बताया भी नहीं गया कि मुझे बोलना क्या है। इसलिए सबसे पहले मैं दो महिलाओं और दो पुरुषों से दो-दो सवाल लूंगा। आप लोग बतायें कि आप जब सामाजिक कार्य में जाते हैं तो किस तरह की परेशानी आती है। तभी एक महिला कार्यकर्ता उठी और कहने लगी कि संथाल क्षेत्र में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा अत्याचार बढ़ गया है। वे महिलाओं को प्रेमजाल में फंसा कर शादी कर रहे हैं। पहले एक आता है, फिर दूसरा आता है, उसके बाद पूरा कुनबा बना लेता है। वहां पर बलात्कार की घटना भी बढ़ रही है। हम क्या करें। आसान भाषा में कहें कि संथाल परगना की डेमोग्राफी बदल रही है। अब बारी थी सिमडेगा से आयी महिला कार्यकर्ता ममता कुमारी की। उन्होंने बढ़ रहे धर्मांतरण का मुद्दा उठाया। कहा कि इससे बचने के लिए लोगों को कैसे जागरूक करें। समाधान बताइये। दो पुरुष कार्यकर्ता भी झारखंड में इसाई मिशनरियों द्वारा बढ़ रहे धर्मांतरण के मुद्दे को उठाते हैं। बाबूलाल मरांडी सबकी समस्या सुनने के बाद कहते हैं कि धर्मांतरण एक बहुत बड़ी समस्या है। जिस क्षेत्र में आप कार्यकर्तागण काम कर रहे हैं, यह आपका दायित्व है कि कैसे वहां के लोगों को जागरूक किया जाये। जो लोग अपनी परंपरा, संस्कृति, पर्व, त्योहार, उत्सव के प्रति आस्था से भटक रहे हैं, या दूसरी ओर रुख कर रहे हैं, तो उन्हें अपनी संस्कृति अपनी परंपरा, रीति-रिवाज के महत्व के बारे में बताना है। उन्हें बताना है कि वे क्या खोने जा रहे हैं। जितने भी जनजाति समाज हैं चाहे वह संथाल, मुंडा, हो, या उरांव हों। जो भी प्रमुख जनजातियां हैं, सभी को पूरे रीति रिवाज के साथ पर्व मानाने के लिए एकजुट होना होगा। अपने इष्टदेव की पूजा करनी होगी। अपने पूजास्थल पर एकत्र होना होगा। आजकल जो लोग मॉडर्न हो गये हैं उन्हें भी अपनी मूल परंपरा से अवगत कराना होगा। उन्हें भी आस्था के प्रति जागरूक करना है।

> कार्यक्रम की समाप्ति के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यक्रम के व्यवस्था प्रमुख जैलेंद्र कुमार का आभार जताया

कार्यक्रम को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी और मंच पर वनवासी कल्याण केंद्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र खराड़ी, सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश भाजपा के महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा और अन्य।

इसके लिए सभी को एकजुट होना होगा। एक जगह पर आना होगा। सामाजिक होना होगा। साथ ही सामाजिक बुराइओं को त्यागना होगा। आजकल त्योहार का मतलब पीना खाना हो गया है। यह सब त्यागना होगा। गांव में जन्म से लेकर मौत तक जो भी संस्कार होते हैं, उसमें पीना बढ़ गया है। इसमें बड़े-बुजुर्ग खुद भी पीते हैं और दूसरों को भी पिलाते हैं। यह एक ऐसी सामाजिक बुराई है, जो आपको आर्थिक, मानसिक, शारीरिक रूप से कमजोर कर देती है। कैसे ये चीजें कम हों हमें इस दिशा में प्रयास करना होगा। इससे हमारा समाज कमजोर होता जा रहा है।

धर्मांतरण करनेवालों का विरोध करें : बाबूलाल

एक बात पर बाबूलाल मरांडी ने जोर दिया कि समाज का कोई भी व्यक्ति अगर अपनी परंपरा, रीति-रिवाज को छोड़ता है, तो उसका विरोध करना चाहिए। उसका वहीं प्रतिवाद करना चाहिए। जिन्होंने धर्मांतरण कर लिया है, उनके बारे में कहना पड़ेगा कि यह संथाल नहीं है, मुंडा नहीं है, उरांव नहीं है। तभी जाकर समाज में चेतना जागेगी। आखिर जो लोग धर्मांतरण कर रहे हैं तो उन्हें जनजाति समाज की सुविधायें क्यों मिले। उन्हें समाज से अलग-थलग कर देना चाहिए।

मुख्य अतिथि के वक्तव्य के बाद वनवासी कल्याण केंद्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र खराड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मुख आये। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि देश के आजाद होने के बाद दो तरह की विचारधाराओं ने जन्म लिया। एक विचारधारा कहती है कि इस देश का नागरिक, देश की समस्याओं का समाधान करे। दूसरी विचारधारा ऐसी आयी, जिसने देश के नागरिकों को कहा कि समस्या को पैदा करो। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जनजाति समाज की सेवा के लिए 1952 से निरंतर गांवों में, जंगलों में, पहाड़ों में, अशिक्षित जनजातियों को, अलग-अलग व्यवस्थाओं में सेवा प्रदान कर रही है। उन्हें जागरूक कर रही है। अंग्रेजों ने जनजाति समाज को बर्बाद करने के लिए 1865 से लगातार सुनियोजित तरीके से षड्यंत्र रचा।

अंग्रेजों ने एक षड्यंत्र के तहत वन क्षेत्र को सरकार के अधीन कर दिया : खराड़ी

भारत में औद्योगिकीकरण के जो मूल साधन हैं जल, जंगल और जमीन उन्हें अंग्रेजों ने अपने निशाने पर लिया। अंग्रेजों ने षड्यंत्र के तहत ऐसे कानून बनाये जिससे जनजाति समाज को जल, जंगल और जमीन से बेदखल कर दिया गया। अंग्रेजों ने एक षड्यंत्र के तहत वन क्षेत्र को सरकार के अधीन कर दिया। पहले वन क्षेत्र में निवास करनेवाले लोग वन क्षेत्र के मालिक थे। बाद में वन क्षेत्र का मालिक सरकार को बना दिया गया। इस कानून के तहत घर बैठे जनजाति समाज को अपराधी घोषित कर दिया गया। 1865 से वन अधिनियम में धीरे-धीरे ऐसे परिवर्तन किये गये जो जनजाति समाज के लिए कठोर साबित हुए। और दुर्भाग्य यह भी रहा कि आजाद भारत की सरकार ने भी उन कानूनों को इतना कठोर बना दिया कि 181 वर्ष तक यह समाज इस कानून की नकारात्मकता से उबर नहीं पाया। 2006 तक हम इस कानून को सहते रहे। उसके बाद वनवासी कल्याण आश्रम, देश के अनेक संगठन, बुद्धिजीवी और मीडिया की मदद से जनजाति समाज की समस्याओं को उजागर किया गया। लेकिन पूर्व की सरकार पर आर्थिक विकास की भूख सवार थी। उसने विकास के नाम पर जंगल क्षेत्र से वहां निवास करनेवाले लोगों को बेदखल कर दिया। यह कैसा लोकतंत्र है, जहां 10 से 12 करोड़ जनजाति समाज के लोगों को इंसान नहीं समझा गया। यह मुझे चिंतित करता था। यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रति मेरी शिकायत भी है। लेकिन आज जनजातियों के प्रति देश की सोच बदली है। आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनजाति समाज के लिए कई योजनाएं चला रहे हैं। आज उनका समग्र विकास हो रहा है।

रामचंद्र खराड़ी ने भगवान बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजाति गौरव दिवस के रूप में मनाये जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनकी कैबिनेट और भारत सरकार के सहयोगी संगठनों को धन्यवाद दिया।

द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति बनना जनजाति समाज के लिए सम्मान की बात

उन्होंने कहा कि यह जनजाति समाज के लिए गौरव की बात है कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठी महिला आज देश के सर्वोच्च पद पर विराजमान हैं। रामचंद्र खराड़ी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने में जो भी कुर्बानी देनी पड़े, जनजाति समाज देगा। उन्होंने कहा कि जनजाति समाज को अपनी रीति-परंपरा को अक्षुण्ण रखनी है। उन्होंने पदधारियों को कहा कि जिन इलाकों में जनजाति समाज के इष्टदेव के मंदिर नहीं हैं, पूजास्थल नहीं, उनका निर्माण करायें। पैसे की चिंता नहीं करें। मदद करने को लोग तैयार हैं। उन्होंने जनजाति समाज की नारी को कहा कि आप इतनी सशक्त बनें कि अगर सामने कोई आये, तो उसे आप पटक दें।

रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ पर भी प्रहार

उन्होंने बाबूलाल मरांडी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने संगठन को खड़ा किया। उसमें लोगों को जोड़ा। उनसे हमें सीख लेनी चाहिए। अपने संबोधन में उन्होंने रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ पर भी प्रहार किया। कहा कि कैसे तीन करोड़ रोहिंग्या घुसपैठ कर चुके हैं। कैसे आज देश के कुछ राजनेता और राजनीतिक दल उनकी वकालत कर रहे हैं। ये नेता और दल को जनजाति समाज की चिंता नहीं है।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बाबूलाल मरांडी, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वनवासी कल्याण केंद्र के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र खराड़ी, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, प्रदेश भाजपा के महामंत्री डॉ प्रदीप वर्मा, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, जशपुरिया बीएड कॉलेज के चेयरमैन जैलेंद्र कुमार, विनीत लाल, ओपी अग्रवाल, रिझू कश्यप एवं सुखी उरांव उपस्थित थे।

सम्मेलन कुल सात सत्रों में संचालित किया गया। दिन में हुए सत्र में प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने भी अपने विचार रखे। इससे पूर्व सभी अतिथियों ने महापुरुषों की चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष रामचंद्र खराड़ी ने कार्यक्रम की सफलता के लिए पूरे कार्यक्रम के व्यवस्था प्रमुख जैलेंद्र कुमार का आभार व्यक्त किया। संचालन सुभाषचंद्र दुबे ने किया। इस मौके पर राजेंद्र मुंडा, उमेश बड़ाइक, सत्यदेव मुंडा, तुलसी गुप्ता, सुनील महतो, बिगेश्वर महतो, बीचा उरांव, काजल गोस्वामी, पवन लोहरा और जगेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

रिम्स में बाथरूम का ग्रिल तोड़ उग्रवादी सहित दो कैदी फरार

> आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) अस्पताल के कैदी वार्ड से दो कैदी के फरार होने का मामला रविवार को प्रकाश में आया है। दोनों कैदी बाथरूम का ग्रिल तोड़ कर वहां से भाग गये। फरार कैदियों में गुमला निवासी अमित उरांव और हजारीबाग निवासी मशरूर आलम खान शामिल हैं। अमित उरांव उग्रवादी है। अमित पर सीएलए एक्ट दर्ज है। इस मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस दोनों कैदियों को पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। साथ ही आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार शनिवार की रात 2:30 बजे दोनों कैदी बाथरूम की खिड़की का ग्रिल तोड़ कर फरार हो गये। बताया जा रहा है कि ग्रिल खराब था। इसी का फायदा दोनों कैदियों ने उठाया। गुमला जेल से उग्रवादी अमित उरांव और हजारीबाग से मशरूर आलम खान को इलाज के लिए रांची के रिम्स अस्पताल लाया गया था। दोनों को कैदी वार्ड में रखा गया था। दोनों का इलाज मेडिसिन के डॉक्टर कर रहे थे। उग्रवादी अमित को गुमला पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मशरूर आलम खान को हजारीबाग पुलिस ने छेड़खानी के आरोप में गिरफ्तार किया था। दोनों के फरार होने की सूचना गुमला और हजारीबाग पुलिस को भी दे दी गयी है। थाना प्रभारी ज्ञान रंजन ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। कैदियों को पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

धर्मांतरण के आरोप में पांच महिलाएं पुलिस हिरासत में

> धन का प्रलोभन देकर इसाई धर्म में शामिल होने का अनुरोध करने का आरोप
>
> पुलिस ने पीआर बांड भरवा कर सभी महिलाओं को छोड़ा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची के सुखदेव नगर इलाके में धर्मांतरण के आरोप में पुलिस ने पांच महिलाओं रोशनी मनीषा तिग्गा, प्रमिला लकड़ा, अनीता हेंब्रोम, एवलिन मुंडू और सीमा टोप्पो को हिरासत में लिया था। उसके बाद पुलिस ने इन सभी महिलाओं को फिलहाल पीआर बांड के आधार पर घर जाने की इजाजत दे दी है। मिली जानकारी के मुताबिक सुखदेव नगर स्थित खादगढ़ा मंडी में महिलाओं को धन का प्रलोभन देकर इसाई धर्म में शामिल होने का अनुरोध किया जा रहा था। इस मामले को लेकर सुखदेव नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली पूनम सिंह ने शिकायत दर्ज करायी है। शिकायत में कहा गया है कि ये सभी धन का प्रलोभन देखकर सभी महिलाओं को इसाई धर्म में शामिल होने का आग्रह कर रही हैं।

पुलिस ने की पूछताछ

शिकायत के बाद फिलहाल रांची पुलिस ने इन सभी महिलाओं से पूछताछ की है और छानबीन कर रही है।

सुखदेव नगर थाने की पुलिस ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद सभी महिलाओं को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गयी है। इन महिलाओं से आगे भी पूछताछ की जायेगी। फिलहाल बांड पेपर के आधार पर छोड़ दिया गया है।

नशे की गिरफ्त में रांची, ज्योति शर्मा ने बताया

कांटाटोली बस स्टैंड से होती है ब्राउन शुगर की तस्करी

> राजधानी में हर महीने 50 लाख का ब्राउन शुगर बिकने का किया दावा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सुखदेव नगर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार ड्रग्स पैडलर और मॉडल ज्योति शर्मा ने गिरफ्तारी के बाद कई खुलासे पुलिस के सामने किये हैं। उसने बताया कि सासाराम से बस वाले ब्राउन शुगर लाते हैं और कांटाटोली बस स्टैंड में उसकी डिलीवरी बेचनेवालों को कर देते हैं। रांची में इन दिनों डोरंडा, पुंदाग, लोअर बाजार, अरगोड़ा और सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के कई इलाकों में सबसे अधिक ब्राउन शुगर की बिक्री हो रही है। बताया जा रहा है कि 25 ग्राम ब्राउन शुगर की कीमत तीन लाख रुपये तक है। रांची में हर महीने 50 लाख रुपये का ब्राउन शुगर बिक रहा है। मॉडल ज्योति ने पुलिस को यह भी बताया कि सासाराम से नशे का सामान लाया जाता है। इसके लिए हमें बहुत ज्यादा परेशानी भी नहीं होती है, क्योंकि बस वाले को सेट करके रखा गया है। वे सासाराम से ब्राउन शुगर बड़े एजेंट से लेते हैं और रांची में दे देते हैं। पुड़िया इतनी छोटी होती है कि किसी की नजर भी उस पर नहीं पड़ती और पुलिस भी कार्रवाई नहीं करती। इसलिए ना लाने वाले पकड़े जाते हैं और ना ही खरीदने वाले। ज्योति शर्मा ने पुलिस को यह भी बताया है कि रांची में जितने भी ब्राउन शुगर बेचने वाले हैं उन सभी ने किराये पर मकान ले रखे हैं।

मल्लिका अर्जुन खड़गे को विजयी बनाने की अपील

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के डेलीगेट आलोक कुमार दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव एवं डॉ राजेश गुप्ता छोटू ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में झारखंड के सभी 319 डेलीगेट्स से कांग्रेस के बेहतर भविष्य के लिए, देश के सर्वांगीण विकास के लिए एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की मजबूती एवं उज्जवल भविष्य के लिए देश के मजबूत कांग्रेस नेता मल्लिका अर्जुन खड़गे को विजयी बनाने की अपील की है। मीडिया कर्मियों से बात करते हुए कांग्रेस डेलीगेट आलोक कुमार दूबे ने कहा 22 वर्षों के बाद पार्टी अध्यक्ष के चुनाव को लेकर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं में काफी उत्साह है,नई पीढ़ी को बहुत कुछ सीखने,समझने और आंतरिक लोकतंत्र में अपनी महती भूमिका तय करने का वक्त आया है। देशभर में लगभग 9 हजार डेलीगेट्स 17 अक्टूबर को प्रदेश मुख्यालयों पर अपने अपने वोट का प्रयोग करेंगे, जिसमें कई पहली बार भी डेलीगेट्स बने हैं। उन्होंने कहा कि मल्लिका अर्जुन खड़गे का एक कार्यकर्ता के रूप में लंबा राजनीतिक अनुभव रहा है, बेदाग रहे हैं, शांतचित्त स्वभाव के हैं और राज्यसभा में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में महंगाई, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था,कृषि काले कानून जैसे मुद्दों पर मुख्य होकर केन्द्र सरकार को कठघरे में खड़ा करने का काम किया है।

कार्यक्रम : चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व के समग्र विकास पर कार्यशाला संपन्न

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र का निर्माण करना : देशराज शर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड राय विश्वविद्यालय, रांची और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के संयुक्त तत्वावधान में अयोजित एक दिवसीय कार्यशाला चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास पर रविवार को झारखंड राय विश्वविद्यालय के कमड़े कैंपस में आयोजन किया गया।

इस अवसर पर चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय संयोजक देशराज शर्मा, एमिटी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति डॉ रमन झा, सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विजय सिंह, झारखंड राय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सविता सेंगर आदि के द्वारा कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

झारखंड राय विश्वविद्यालय, रांची की कुलपति और शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास झारखंड की अध्यक्ष डॉ सविता सेंगर ने स्वागत भाषण में कहा कि शिक्षा का स्वरूप समाज, संस्कृति,भाषा और जीवन आचरण के अनुरूप होना चाहिए।

चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व विकास, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय संयोजक देशराज शर्मा ने मुख्य वक्ता के तौर पर कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा किसी देश की भाषा, सभ्यता, संस्कृति और जीवन आचरण से जुड़ा हुआ विषय है। चरित्र निर्माण एवं व्यक्तित्व का समग्र विकास शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मनुष्य के व्यक्तित्व का विकास एवं चरित्र का निर्माण करना है। सभी संस्थानों में नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत इन्हें पाठ्यक्रमों में शामिल कर छात्रों के चरित्र एवं व्यक्तित्व के संपूर्ण विकास पर बल देना चाहिए। उन्होंने अपने संबोधन में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह कार्य शिक्षक अपनी कक्षा कालांश के माध्यम से कर सकते हैं। शिक्षक का कार्य प्रोफेशन नहीं, बल्कि मिशन होना चाहिए। एमिटी यूनिवर्सिटी, रांची के कुलपति डॉ रमन झा ने भी अपने संबोधन में शिक्षा, शिक्षक और बदलाव पर जोर दिया।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विजय सिंह ने अपने संबोधन के दौरान न्यास के कार्यों और नयी शिक्षा नीति 2020 के जरिए आने वाले बदलावों पर अपनी बात रखी।

कार्यशाला के दूसरे सत्र में समूह चर्चा और प्रस्तुतिकरण का कार्य किया गया। विभिन्न समूहों के द्वारा इस पर सामूहिक राय प्रस्तुत किया गया ।कार्यशाला के समापन अवसर पर झारखंड राय विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पीयूष रंजन ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का कार्यशाला को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अमरकांत झा, महेंद्र सिंह, डॉ रंजीत प्रसाद, डॉ रामकेश पांडेय, डॉ बालेश्वर नाथ पाठक, डॉ देवनंदन सिंह, प्रो श्रीधर बी दंडीन, प्रो अमित गुप्ता, डॉ भारद्वाज शुक्ल, डॉ प्रशांत जयवर्धन, डॉ सुशील शुक्ल, प्रो ललिता राणा, डॉ. भूपेंद्र उपाध्याय, डॉ बालेश्वर नाथ पाठक, डॉ ब्रज कुमार विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

गुरु नानक सेवक जत्था के रक्तदान शिविर में 20 यूनिट रक्त एकत्रित

रांची (आजाद सिपाही)। गुरु नानक सेवक जत्था द्वारा एवं गुरु नानक भवन कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को सुबह 11 बजे से शाम चार बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कृष्णा नगर कॉलोनी गुरुनानक भवन परिसर में आयोजित इस शिविर में कुल 20 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। यह शिविर नागरमल मोदी सेवा सदन ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर की सफलता में ब्लड बैंक के डॉ एसके सिंह, शिखा, जुली टिस्को, बहानी तेरी, लक्ष्मी गुरुंग, रविंद्र कुमार, प्रियंका चोपड़ा, विकास कुमार के अलावा गुरु नानक सेवक जत्था के सूरज झंडई, पीयूष मिढ़ा, जीत सिंह, रौनक ग्रोवर, कनिष गाबा,तनय काठपाल, गद्दू सिंह, बबलू गांधी, विनीत खत्री, रॉनित मुंजाल, जयंत मुंजाल, वरुण गेरा, गीतांशु तेहरी, चंचल ग्रोवर, सुधीर कुमार एवं इनिष कठपाल, अमन डाबरा समेत अन्य की भूमिका रही.एचडीएफसी के गुलाम मुजतफा का विशेष सहयोग रहा। यह जानकारी मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने दी।

मलार ने दुधमुंही बच्ची को बेचा, तीन दिन बाद वापस

आजाद सिपाही संवाददाता

मैकलुस्कीगंज। मैकलुस्कीगंज के एक मलार जनजाति परिवार में दुधमुहे बच्ची को बेचने और फिर बच्ची के वापस किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बताया गया कि मैकलुस्कीगंज के मलारटोला में रहने वाले एक मलार दंपत्ति ने अपने लगभग एक महीने की बच्ची को रांची के एक परिवार को बेच दिया। गुरुवार को उक्त परिवार मैकलुस्कीगंज में रहने वाली माध्यम बनी एक महिला के साथ मलार टोली पहुंचा। बच्ची के एवज में मलार दंपति को 20500 रुपये दिये गये। बच्ची को लेकर वह परिवार पहले चान्हो फिर वहां से रांची रवाना गया। इस दिन मलार टोली के अधिकतर लोग मुड़मा मेला गये हुए थे। शुक्रवार को लौटने पर टोली के अन्य लोगों की जानकारी हुई।

बजरंगदल से जुड़े बच्ची के चाचा ने खलारी प्रखंड के बजरंगदल नेता प्रताप यादव को सूचित किया। प्रताप अपने अन्य कार्यकताओं के साथ मलार टोली पहुंचे और जिला प्रशासन के उच्च अधिकारियों को इस घटना से अवगत कराते हुए बच्ची को तुरंत वापस लाने की मांग की। बजरंगदल की सक्रियता देख बच्ची के खरीद बिक्री में शामिल लोग हरकत में आये और शनिवार को बच्ची को वापस उसके माता पिता को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि बच्ची के खरीदार मुस्लिम दंपति मलार दंपति को दिये गये पैसे की मांग कर रहे हैं। इधर मैकलुस्कीगंज थाना प्रभारी राणाजंगबहादुर सिंह ने इस घटना के संबंध में किसी तरह की जानकारी से इनकार किया है।

आर्थिक तंगी में हैं बच्ची के माता-पिता

अपने दुधमुहे बच्ची को बेचने वाले माता-पिता की आर्थिक हालत ठीक नहीं है। इनके सात बच्चे हैं। मां अक्सर क्षेत्र के आवासीय कॉलोनी के क्वार्टरों में मांगती दिखाई पड़ जाती है। बच्ची के पिता का कहना था कि उसने नशे के हालत में अपनी बच्ची को बेच दिया था। मिले पैसे से कुछ कर्ज वापस किया और नशे के हालत में ही 17 हजार रुपया दूसरे को दे दिया। अब उसके पास पैसे भी नहीं हैं।

वासेपुर में दो किशोर की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद के वासेपुर में दो किशोर की हत्या कर दी गयी है। रविवार की देर शाम वासेपुर के आरा मोड़ के पास दरी मोहल्ला में दो नाबालिगों की लाश मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गयी। सूचना है कि दोनों की हत्या धारदार हथियार से गला रेत कर की गयी है। लाश देखकर मोहल्ले वालों ने इसकी सूचना पुलिस दी। बैंक मोड़ पुलिस, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर, ग्रामीण एसपी घटनास्थल पर पहुंचे। लाश को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हत्याकांड को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म : एक नाबालिग किशोर का नाम सुहैल और दूसरे का नाम साहिल बताया जाता है। एक की उम्र लगभग 13 साल और दूसरे की उम्र करीब 15 साल है। इस हत्याकांड ने एक बार फिर वासेपुर को चर्चा में ला दिया है। पुलिस अभी हत्याकांड के संबंध में कुछ बताने की स्थिति में नहीं है, लेकिन इस हत्याकांड को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। हत्याकांड की सूचना के बाद भारी भीड़ जुट गयी। पुलिस को लाश को कब्जे लेने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन की बैठक में श्रमिक हितों के संरक्षण पर किया गया मंथन

राज्य सरकार के खिलाफ सड़क पर उतरने की तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन की मोटर इकाई क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों की बैठक दिगंबर जैन भवन में आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित श्रमिकों ने यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष ललित नारायण ओझा के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याओं को रखा, जिनके त्वरित समाधान पर चर्चा की गयी। इस दौरान यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष ललित नारायण ओझा ने कहा कि श्रमिकों के हित के लिए सभी को मजबूती से संगठित रहने की आवश्यकता है। श्री ओझा ने कहा कि चाहे श्रमिकों के मानदेय बढ़ोत्तरी की मांग हो, उनके बीमा की मांग हो या उनके परिवार से जुड़ी कोई अन्य मांग हो, झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन उनके हितों के संरक्षण को लेकर संकल्पित है। उन्होंने कहा कि वर्तमान की राज्य सरकार में मजदूरों का आंसू पोछने वाला कोई नहीं है और यदि जरूरत पड़ी तो श्रमिक भाइयों के हित में राज्य सरकार के खिलाफ जल्द ही सड़क पर उतरेंगे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजय जयसवाल, मुकेश सिंह, रामाशंकर तिवारी सहित होड़िल राय, गौरी राय, सुशील राय, राममाया, परमा राय, मनोज पासवान, ढोलन चौधरी, राजकुमार, अखिलेश चौधरी, दिनेश राय, राजदेव, सोनेलाल, सुरेश पासवान, लालबाबू, बालेश्वर राय, देवेंद्र राय, अरुण यादव, रामचंद्र राय, सुरेंद्र राय, खेदन राय, दुति राय, विरेंद्र, सूरज उपस्थित रहे।

भगवान की भक्ति के लिए न जाति बंधन है, न धर्म : पंडित रामदेव

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भगवान की भक्ति के लिए न जाति बंधन है, न धर्म और पंथ। नारद, व्यास, सुत, शबरी, सदन कसाई, रसखान, रहीम, रजिया, फादर कामिल बुल्के इसके प्रतीक रहे हैं। भागवत की कथा मृत्यु को मंगलमय बनाने के लिए है। उक्त बातें पंडित रामदेव पांडेय ने श्री राम सह शनि मंदिर प्रांगण रांची यूनिवर्सिटी कॉलोनी बरियातू में श्रीमदभागवत कथा के दूसरे दिन कहीं। उन्होंने कहा कि सुखदेवजी के समक्ष यजमान परीक्षित की मृत्यु के लिए लगभग डेढ़ सौ घंटा से शेष बचा था, तो पहले सुखदेव ने कहा कि परीक्षित पहले इस शरीर में विराट पुरुष का चिंतन करो और भागवत की कथा का रसास्वादन करो। यह भागवत ऐसा रसायन है, जो कान में जाते ही मृत्यु को मंगलमय बना देगा। यही भक्ति देती है। भक्ति से भगवान के समतुल्यता भी मिलती है। इससे पहले उपस्थित श्रद्धालुओं ने आरती की। कथा के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। महिला भक्ति परिषद् की ओर से आयोजित श्रीमदभागवत कथा आगामी 21 अक्टूबर तक चलेगी।

रांची के सांसद संजय सेठ ने रविवार को दिल्ली स्थित लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला के आवास पर मुलाकात कर प्रगति भेंट की एवं रांची आने का आग्रह किया लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आग्रह स्वीकार करते हुए जनवरी 2023 के दूसरे सप्ताह में रांची आने की बात कही।

सीएम से मिलने के बाद होगा आंदोलन पर निर्णय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। शहरी नगर निकाय में ओबीसी के आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कमेटी एवं कई सामाजिक व जातीय संगठनों के पदाधिकारी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात करेगा। उसके बाद कोई ही आंदोलन करने का निर्णय लेगा। उक्त बातें राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने वाइवीएन पब्लिक स्कूल धुर्वा में संगठन के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा। झारखंड आंदोलनकारी व झारखंड कौमी तरीहक के प्रदेश अध्यक्ष आजम अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा पंचायत चुनाव से पहले ही सरकार से ट्रिपल टेस्ट की कार्रवाई पूरी करने की मांग विभिन्न आंदोलन कर किया था। बावजूद सरकारी महकमा इस पर कोई कार्रवाई नहीं किया। वार्ड पार्षद विजयालक्ष्मी सोनी ने कहा कि यह ओबीसी समुदाय के लिए बहुत बड़ा दुर्भाग्य है कि उन्हें पंचायत चुनाव में ओबीसी की आरक्षण से महरूम किया गया। प्रदेश महासचिव प्रभात शर्मा ने कहा कि समाज के सभी वर्गों को संगठित करने के लिए वह भी सी जागरूकता अभियान चलाया जायेगा। विचार गोष्ठी के अंत में उत्तर प्रदेश धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी गयी। इस अवसर पर ललित चौधरी, योगेंद्र ठाकुर, प्रभात शर्मा, रामजी प्रसाद यादव, प्रमोद कुमार, मोहम्मद इसराइल खालिद, मोहर सिंह यादव, रांची ग्रामीण जिला अध्यक्ष शिव प्रसाद साहू, मंजू देवी, रामकरण साहू, विष्णु सोनी, अशोक कुमार महतो और अभय कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

सुनेजा सेल्स में गोदरेज एप्लायंसेज के ब्रांड आउटलेट का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्टेशन रोड पटेल चौक के पास स्थित बंसल प्लाजा में सुनेजा सेल्स के नये इलेक्ट्रोनिक के एक्सक्लूसिव शोरूम का उदघाटन रांची के विधायक श्री सीपी सिंह ने किया। सुनेजा सेल्स में गोदरेज एप्लायंसेज ने रांची का पहला एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट खोला। यह झारखंड में ब्रांड का चौथा एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट है। चैनल पार्टनर सुनेजा सेल्स के सहयोग से 1000 वर्ग फुट में फैले गोदरेज इंस्पायर हब नामक अपना विशेष ब्रांड आउटलेट लॉन्च किया है। मौके पर गोदरेज एप्लायंसेज के ब्रांच हेड अरविंद भूषण, इवीओ हेड अनिवर्ण मुखर्जी, बिहार झारखंड के मार्केटिंग हेड अभिनव कुमार, एएसएम करण कुमार, संचालक अनिल सुनेजा, रितिक सुनेजा, अनिकेत सुनेजा मौजूद थे।

झारखंड का पहला व्हर्लपूल होम का एक्सक्लूसिव खुला : बंसल प्लाजा में सुनेजा सेल्स में रविवार को झारखंड का पहला व्हर्लपूल होम का एक्सक्लूसिव स्टोर का उदघाटन रांची के विधायक श्री सीपी सिंह ने किया। इस एक्सक्लूसिव स्टोर में व्हर्लपूल के सभी प्रोडक्ट एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। रेफ्रीजरेटर, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन, एसी आदि की पूरी रेंज मौजूद है।

सुनेजा सेल्स के संचालक अनिल सुनेजा और रितिक सुनेजा ने कहा कि धनतेरस और दीवाली के अवसर पर ग्राहकों को हर खरीदारी पर एक सुनिश्नित उपहार दिया जा रहा है। साथ ही ग्राहकों को कई ऑफर्स का भी लाभ मिलेगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व्हर्लपूल इंडिया के पूर्वी क्षेत्रीय निदेशक रिसव गोयल, बीएम दीपक सिंह, मार्केटिंग मैनेजर प्रंशात गौरव, डीएसएम अमित घोष और अनिकेत सुनेजा समेत कई लोग मौजूद थे।

सर्वसम्मति से विनय सिंह अध्यक्ष मनोनीत

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। महानगर काली पूजा समिति कि बैठक बिहार क्लब में रविवार को दिन के दो बजे किया गया। इसकी अध्यक्षता बिंदुल वर्मा नें किया एवं मंच संचालन नंद किशोर सिंह चंदेल ने किया। इसमें सर्वसम्मति से 6ठवीं बार विनय सिंह को अध्यक्ष बनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर राज्यसभा सांसद डॉक्टर महुआ माजी, विशिष्ट अतिथि अजित सहाय, रमेश सिंह, विन्दुल वर्मा, आदित्य विक्रम जायसवाल, युराज पासवान, शैलेश्वर दयाल सिंह, उत्तम यादव, प्रिंस अजमानी, राज कुमार यादव, राजन वर्मा, राकेश अतिथि के रूप में भोलू सिंह, नीतू सिंह, मुस्कान पाठक, पूजा सिन्हा, सुम्मी कुमारी वर्मा, अमृता शर्मा, शिल्पी कुमारी वर्मा, उमंग सुल्तानिया, प्रिरीयेश सिंह, दिलीप कुमार गुप्ता, करण सिंह, मोहित रजक, रोहन सिंह, नमन भारतीय, अर्जुन सिंह,मेहुल प्रसाद, कुमार बंटी, टुन्ना सिंह, पंकज सिंह,वीरेंद्र गोप, पीयूष बिट्टू सिंह,कौशल चौधरी, धंजू नायक, विनय प्रकाश, राजेश वर्मा,धीरज वर्मा, बंटी वर्मा, छोटू वर्मा, अजित सिंह टिंकू, कुमार कुशाग्र, नवरतन साव, सचिन मिर्धा, रोविन सिन्हा,अमित गुप्ता,सावन लिंडा, विकाश सिंह, अंकित शाह,हर्ष श्रीवास्तव, आकाश रजक, अर्जुन सिंह, रोहन सिंह, प्रियांशु वर्मा, सौरभ रजक, आयुष वर्मा, अमित सोनी, संदीप राणा, आदि लोग उपस्थित थे।

जय मां काली पूजा समिति की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जय मां काली पूजा समिति जयपाल सिंह स्टेडियम कचहरी रोड हर साल की भांति इस वर्ष भी बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से काली पूजा मनाने का निर्णय लिया गया। समिति के मुख्य संरक्षक बसंत चंद्रवंशी दीपू सिंह किशन लोहिया महेंद्र वर्मा डब्लू वर्मा की सामूहिक अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में पिछले वर्ष का आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत की गयी। साथ ही निर्णय लिया गया कि पूजा पंडाल में पुरानी हवेली भूत बंगला का पंडाल का निर्माण कराया जायेगा।

पंडाल निर्माता अजय वर्मा महावीर चौक के द्वारा लाइट व्यवस्था मोदी लाइट ठाकुर गांव मां काली का भव्य प्रतिमा रमेश गोप रवी स्टील के द्वारा करा कराया जाएगा। साथ ही साथ इस वर्ष के पूजा समिति के पदाधिकारियों का भी चुनाव किया गया।

समिति के अध्यक्ष रिंकू वर्मा ने बताया कि इस बार पूजा का कार्यक्रम इस प्रकार है 24 तारीख को मां काली की पूजा अर्चना होगी, 25 तारीख को सूर्य ग्रहण के कारण कपाट बंद रहेगा ,26 तारीख को महा आरती का आयोजन किया जाएगा जिसमें 501 महिलाएं शामिल होंगी, 27 तारीख को भोग वितरण किया जाएगा एवं 28 तारीख को संध्या 4:00 बजे मां का विदाई विसर्जन किया जायेगा।

भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय सामूहिक गान में डीपीएस धुर्वा के बच्चों को प्रथम स्थान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत विकास परिषद् के रांची मध्य एवं रांची महानगर शाखा के तत्वावधान में राष्ट्रीय सामूहिक गीत प्रतियोगिता- 2022 का आयोजन विवेकानंद विद्या मंदिर धुर्वा में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन झारखंड तकनीकी विश्वविद्यालय, रांची के कुलपति प्रोफेसर डॉ विजय कुमार पांडे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विजय कुमार ने कार्यक्रम की महत्ता और परिषद द्वारा किये जा रहे विभिन्न सेवा और संस्कार के कार्यों की सराहना की।

परिषद के पालक अधिकारी गिरीश प्रसाद सिंह ने कहा कि जिस तरह से स्कूल और कॉलेज से पास होकर अच्छे पद पर जाने वालों का लिस्ट स्कूल में लगा होता है उसी तरह का एक लिस्ट और होना चाहिए कि हमारे स्कूल और कॉलेज से कितने राष्ट्रभक्त निकले हैं। स्कूल की प्राचार्य किरण द्विवेदी ने अपने अभिवादन में कार्यक्रम और परिषद के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में स्थानीय 9 विद्यालयों के बच्चों ने भाग लिया और हिंदी तथा संस्कृत में राष्ट्रीय गीतों का सामूहिक गायन किया। अर्पिता दास, एनके पाठक और आरएस मिश्रा के द्वारा परिणाम की घोषणा की गयी जिसमें प्रथम पुरस्कार डीपीएस धुर्वा के बच्चों को मिला, द्वितीय पुरस्कार ब्रिजफोर्ड स्कूल, टीपूदाना के बच्चों को मिला और तृतीय पुरस्कार डीएवी, बरियातू के बच्चों को मिला।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष जीएन सिंह, प्रांतीय महासचिव जीके शर्मा, सेवा के क्षेत्रीय सचिव भोला नाथ सहाय, रांची महानगर शाखा के अध्यक्ष गोविंद प्रसाद और सचिव डॉ शशांक पुष्कर, कार्यक्रम समन्वयक ज्योतिष चंद्रा, शाखा अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार रामगढ़ शाखा से राजा राममोहन राय और भारत विकास परिषद के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के समापन में भारत विकास परिषद झारखंड के अध्यक्ष जीएन सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया और राष्ट्रीय गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

बस्ती संपर्क अभियान में केंद्र की योजनाओं की जानकारी दी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा रांची महानगर के तत्वधान में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम बस्ती संपर्क अभियान के तहत कांटा टोली दलित बस्ती में बस्ती संपर्क अभियान सामरोह आयोजन रविदास समुदायक भवन में किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता रांची महानगर के अध्यक्ष राम लगन राम एवं मुख्य अतिथि भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह- झारखंड प्रभारी कमला देवी पाटले उपस्थित हुई। बस्ती संपर्क अभियान में मोहल्ला भर से सैकड़ों महिला/ पुरुष भाग लिए उन्हें प्रधानमंत्री द्वारा चलाई जा रही आयुष्मान योजना, उज्जवला योजना, जनधन, स्वच्छता अभियान, हर घर जल नल, शौचालय, सहीत सैकड़ों योजनाओं के बारे में बताया एवं उनसे योजनाओं एवं ऊनके समस्याओं के बारे में जाना।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मोहन राम, टिंकू राम, मंडल अध्यक्ष सूरज नायक, विनोद राजन, रणधीर रजक, संतोष रवि, प्रमित राज संजय रविदास सरवन राम ने अहम भूमिका निभाया कार्यक्रम में उपस्थित थे। रामवृक्ष राम, शिवचरण राम, विकास रवि, भरत राम, मंजू देवी किरण देवी, सुमित्रा देवी, भानु देवी, रोशनी देवी, दिव्या देवी, नारायण नायक, करण नायक उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

मेकन स्पोर्ट्स क्लब ने जीता कार्तिक उरांव मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल

रांची (आजाद सिपाही)। रविवार को कार्तिक उरांव मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच मेकन स्पोर्ट्र्स क्लब रांची और हेहल स्पॉटिंग रांची के बीच खेला गया। इसमें मेकन स्पोर्ट्र्स क्लब रांची ने हेहल स्पोटिंग रांची को 1-0 से पराजित कर चैंपियन होने का गौरव प्राप्त किया। दोनों ही टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और काफी आक्रामक और कलात्मक खेल का प्रदर्शन किया। खेल का एकमात्र गोल 56 मिनट में रोहन ने पेनल्टी के द्वारा किया। विजेता टीम मेकन को डेढ़ लाख और उपविजेता हेहल स्पोटिंग को नगद 100000 रुपये का पुरस्कार दिया गया। इस मैच में मुख्य अतिथि के रुप में हटिया विधायक नवीन जयसवाल मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने इस दौरान विजेता टीम को ट्रोफी देकर पुरस्कृत किया। वहीं उपविजेता टीम को सरदार इंद्र्जीत सिंह ने ट्रोफी देकर पुरस्कृत किया। बेस्ट गोलकीपर को सुनील सिंह ने पुरस्कृत किया। इसके अलावा बेस्ट डिफेंडर को नीलम तिर्की, बेस्ट स्कोरर को कुंद्रासी मुंडा, बेस्ट राइजिंग प्लेयर को पंकज तिक्री, मैन ऑफ द फाइनल्स को इंद्रजीत सिंह ने पुरस्कृत किया। कौमेंटेटर्स में विश्वजीत और दिनेश कुमार को कैलाश सिंह देव ने सम्मानित किया।

डॉ एस अली का निशुल्क जांच शिविर का आयोजन

रांची (आजाद सिपाही)। रविवार को रांची के पंजाब स्वीट हाउस के पीछे हेरा अपार्टमेंट, मेन रोड स्थित डॉ एस अली (ऑथोर्पेडिक) केएम आइ डिस्पेंसरी क्लिनिक में निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रांची के विभिन्न क्षेत्रों से आये 250 मरीजों का इलाज किया गया और निशुल्क दवाइयां उपलब्ध करायी गयी। डॉ एस अली हड्डी, नस और गठिया के जाने माने विशेषज्ञ है। बता दें कि डॉ अली शहर में विभिन्न सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देते आये है। जांच शिविर में एमआइ डिस्पेंसरी में सीबीसी, इएसआर, सीआरपी, आरए फैक्टर, विट डी 3, एचबीए 1सी, सहित कई अन्य जांच निशुल्क किये गये और जरूरतमंद लोगों को दवा भी निशुल्क उपलब्ध करायी गयी।

नेशनल पीपुल्स पार्टी की कार्यसमिति की बैठक

रांची (आजाद सिपाही)। रविवार को नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रदेश कार्यालय में कार्यसमिति की बैठक की गयी। इसमें हजारीबाग-रामगढ़'-खूंटी -गुमला -सिमडेगा क्षेत्रों से आये हुए जन नेता उपस्थित थे। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पोद्दार ने कहा की रांची नगर निगम चुनाव- 2023 में नेशनल पीपुल्स पार्टी जल्दी महानगर रांची कमेटी का विस्तार कर वार्ड अध्यक्ष की नियुक्ति की जायेगी, ताकि आगामी नगर निगम चुनाव में मजबूती के साथ जनता-जनार्दन के कार्यो को कर सके। मौके पर प्रदेश सदस्य सैयद मीर यूनुस, शांति कुजूर, आरती देवी, लालदेव तिर्की, परवेज अंसारी उपस्थित थे।

हास्य कलाकार के तौर पर राजधानी में नयी पहचान बना रहा ऋषभ गौतम

रांची (आजाद सिपाही)। राजधानी रांची में रविवार को स्टैंड अप कॉमेडियन का आयोजन अरगोढ़ स्थित होटल द लोकल इटरी में किया गया। इसमें ऋषभ गौतम ने अपने कॉमेडी से लोगो को खूब हंसाया। इस दौरान उन्होंने चुटिया और गांडे जैसे चर्चित स्थानों पर कॉमेडी करके खूब तालियां बटोरी। ऋषभ ने बताया की मै पेशे से पत्रकार हूं, लेकिन अपने कॉमेडी से लोगों को हंसाना अच्छा लगता है। ऋषभ गौतम ने वर्ष 2016 में कॉमेडी करना शुरू किये थे। ऋषभ को हास्य कलाकार के तौर पर राजधानी में नई पहचान मिल रही है।

डांसरसाइज स्टूडियो में दीपावली फोटोशूट

रांची (आजीद सिपाही) । राजधानी में दीपावली को लेकर तैयारी पूरे शहर में जोर से चल रही है। वहीं कुमार अनुपम के डांसरसाइज स्टूडियो में दीपावली फोटोशूट का आयोजन किया। इस मौके पर संचालक कुमार अनुपम ने कहा कि हम लोग फिल्म मेकिंग, प्री वेडिंग, वेडिंग इवेंट्स का कार्यक्रम कराते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी फिल्म सफाई वाला और उड़ान पहले भी आ चुकी है, जिसको कई अवार्ड मिला है। उन्होंने लोकल फॉर वोकल पर जोर देते हुए कहा कि चाइनीज लाइट और वस्तुओ को ना खरीदें । स्थानीय स्तर पर जो मिट्टी के दिये और लोकल उत्पाद को खरीदें, ताकि गरीब लोगों भी दिवाली अच्छे से मनायें। इस मौके पर तृप्ति, विधया रानी समेत कई लोग मौजूद थे।

श्री कृष्ण प्रणामी अन्नापूर्णा भंडारे में उमड़ी भीड़

रांची (आजाद सिपाही) । श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के प्रांगण में संस्था के सदस्य निर्मल मधु छावनीका एवं उनके परिवार के सौजन्य से अपने माता पिता स्व. जगदीश प्रसाद शांती देवी छावनीका की स्मृति में भंडारा का आयोजन किया गया। निर्मल मधु छावनीका, निलेश ट्विंकल छावनीका, श्री कृष्ण प्रणामी संस्था के वरिष्ठ सदस्य ज्ञान शर्मा, मनीष जालान, ओमप्रकाश सरावगी, बिष्णु सोनी ने 53वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का उद्घाटन कर वितरण कार्य शुरू किया। इस सेवा कार्य में विशेष रूप से कृष्ण प्रणामी के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, ओमप्रकाश सरावगी,राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल,मनीष जालान, शिव भगवान अग्रवाल, राज जालान, विष्णु सोनी, सुरेश भगत, शंकरलाल मोदी, प्रदीप पोद्दार, मनीष सोनी, ज्ञान प्रकाश शर्मा, पवन पोद्दार, धीरज कुमार गुप्ता, चंद्रदीप साहू, परमेश्वर साहू, महिला समिति की संतोष देवी अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, उर्मिला पाड़िया उपस्थित थीं। यह सभी जनकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (राजु अग्रवाल) ने दी।

सऊदी अरब के प्रगतिशील कदम

अरब आजकल जितने प्रगतिशील कदम उठा रहा है, वह दुनिया के सारे मुसलमानों के लिए एक सबक सिद्ध होना चाहिए। लगभग डेढ़ हजार साल पहले अरब देशों में जब इस्लाम शुरू हुआ था तब की परिस्थितियों में और आज की स्थितियों में जमीन-आसमान का अंतर आ गया है, लेकिन इसके बावजूद दुनिया के ज्यादातर मुसलमान पुराने ढर्रे पर ही अपनी गाड़ी धकाते चले आ रहे हैं। सऊदी अरब उनका तीर्थ है। मक्का-मदीना उनका साक्षात स्वर्ग है। उसके द्वार अब औरतों के लिए भी खुल गये हैं। यह इतिहास में पहली बार हुआ है। वरना, पहले कोई अकेली मुस्लिम औरत हज या उमरा करने जा ही नहीं सकती थी। उसके साथ एक महरम (रक्षक) का रहना अनिवार्य था। इसमें कोई बुराई उस समय नहीं थी, जब इस्लाम शुरू हुआ था। उस समय अरब लोग जहालत में रहते थे। औरतों के साथ पशुओं से भी बदतर व्यवहार किया जाता था, लेकिन दुनिया इतनी बदल गयी है कि अब औरतें अपने पांव पर खड़ी हो रही हैं। उन्हें हर समय अपनी रक्षा के लिए मर्दों की जरूरत नहीं है। अब वे अकेले ही मक्का-मदीना जा सकेंगी। सऊदी अरब में पहले औरतों को घरेलू प्राणी ही समझा जाता था। उन्हें स्कूल तक नहीं जाने दिया जाता था। 1955 में छात्राओं के लिए पहली बार स्कूल खोला गया। उनके लिए विश्वविद्यालय की पढ़ाई की शुरुआत 1970 में हुई। 2001 में पहली बार उनको परिचय-पत्र (आइडैंटिटी कार्ड) दिये गये। 2015 में उन्हें पहली बार मताधिकार और 2018 में कार चलाने का लाइसेंस दिया गया। अब लड़कियों की जबरन शादी पर भी प्रतिबंध लग गया है। यह क्या है? यह इस्लामी सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं है, बल्कि यह अरब की पुरानी और अप्रासंगिक हुई घिसी-पिटी परंपराओं से छुटकारा है। पैगंबर मुहम्मद ने अपने सिद्धांतों और व्यवहार से अरब जगत में उस समय जो नया उजाला फैलाया था, आज उसी को सऊदी अरब आगे बढ़ा रहा है। कोई आश्चर्य नहीं कि शीघ्र ही वह बुर्के और नकाब के बारे में भी कोई प्रगतिशील कदम उठा ले। तीन तलाक पर भारत ने जो क्रांतिकारी कानून बनाया है, उसे सारे इस्लामी देशों में लागू करवाने में भी सऊदी अरब को आगे क्यों नहीं आना चाहिए? यदि सऊदी अरब और ईरान-जैसे राष्ट्र डेढ़ हजार साल पुराने अपने पुरखों की नकल करते रहे तो वे इस्लाम की कुसेवा ही करेंगे। ऐसे इस्लाम के प्रति लाखों-करोड़ों मुसलमानों की कुरूचि हो जायेगी। वे पूछेंगे कि अरब शेख आजकल मोटर कारों और जहाजों में यात्रा क्यों करते हैं? वे ऊंटों पर ही सवारी क्यों नहीं करते? वे मदरसों में ही क्यों नहीं पढ़ते? वे ऊंची पढ़ाई के लिए लंदन, पैरिस, न्यूयार्क और बोस्टन के ईसाई विश्वविद्यालयों की शरण में क्यों जाते हैं?

सऊदी अरब उनका तीर्थ है। मक्का-मदीना उनका साक्षात स्वर्ग है। उसके द्वार अब औरतों के लिए भी खुल गये हैं। यह इतिहास में पहली बार हुआ है। वरना, पहले कोई अकेली मुस्लिम औरत हज या उमरा करने जा ही नहीं सकती थी।

अभिमत
आजाद सिपाही

विदेशी शहरों में नाइटलाइफ इसी वजह से सफल है। यहां 24 घंटे पब्लिक ट्रांसपोर्ट उपलब्ध रहता है। नाइट लाइफ को बढ़ावा देने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर सबसे अधिक काम करने की जरूरत है। जब तक पब्लिक रात में खुद को सेफ महसूस नहीं करेगी, तब तक लोग रात को घर से बाहर नहीं निकलेंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो नाइट लाइफ का हिस्सा सिर्फ वही लोग बन पायेंगे, जिनके पास निजी गाड़ियां होंगी।

नाइट लाइफ कल्चर की दीवानी युवा पीढ़ी

डॉ वरिंद्र भाटिया

लंदन, न्यूयॉर्क, सिडनी, पैरिस जैसे दुनिया के बड़े शहरों में दशकों से नाइट लाइफ का कल्चर है। भारत में मुंबई और बेंगलुरु जैसी सिटीज में पहले से ही नाइट लाइफ का कल्चर है। देश के अनेक महत्वपूर्ण शहरों में नाइट लाइफ के जरिए लोकल व्यवस्था को सुधारने के लिए काफी क्षमता मौजूद है।

दिल्ली और देश के अनेक शहरों जैसे इंदौर, जयपुर इत्यादि में नाइट लाइफ कल्चर को बढ़ावा देने की खबरें आ रही हैं। इसी कड़ी में एक अच्छा कदम उठाते हुए दिल्ली के उपराज्यपाल ने भी 300 से ज्यादा प्रतिष्ठानों को 24 घंटे खोलने की इजाजत दे दी है। इससे दिल्ली में नाइट लाइफ कल्चर और इसकी आर्थिकी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रात की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए हमें अनेक संवेदनशील बिंदुओं पर काम करना पड़ेगा।

यह सब कुछ आसान नहीं होगा, खास कर रात में आने वाले ग्राहकों और काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा, उनके लिए परिवहन के साधनों का इंतजाम और सड़कों पर पर्याप्त लाइटिंग की व्यवस्था भी करनी होगी। नाइटलाइफ को सफल बनाने के लिए अच्छा और सुरक्षित पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम सबसे अधिक जरूरी है।

नाइट लाइफ कल्चर में महिलाएं तभी घर से बाहर निकलेंगी, जब वे खुद को सुरक्षित महसूस करेंगी।

विदेशी शहरों में नाइटलाइफ इसी वजह से सफल है। यहां 24 घंटे पब्लिक ट्रांसपोर्ट उपलब्ध रहता है। नाइट लाइफ को बढ़ावा देने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर सबसे अधिक काम करने की जरूरत है। जब तक पब्लिक रात में खुद को सेफ महसूस नहीं करेगी, तब तक लोग रात को घर से बाहर नहीं निकलेंगे। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो नाइट लाइफ का हिस्सा सिर्फ वही लोग बन पायेंगे, जिनके पास निजी गाड़ियां होंगी। इससे नाइट इकोनॉमी बढ़ाने के सपने को साकार करने में भी रुकावट पैदा होगी। नाइट लाइफ कल्चर में महिलाएं तभी घर से बाहर निकलेंगी, जब वे खुद को सुरक्षित महसूस करेंगी। इसके लिए प्रशासन को महिला सुरक्षा के बेहतर इंतजाम करने होंगे।

साथ ही सड़कों पर पर्याप्त रोशनी और परिवहन के पर्याप्त और सुरक्षित साधनों की व्यवस्था भी करनी होगी। इसके अलावा नाइट लाइफ में स्ट्रीट वेंडरों को भी शामिल किया जाना बेहद जरूरी है। नाइट लाइफ से जुड़ी इकोनॉमी में केवल महंगी गतिविधियां ही शामिल न हों, बल्कि समाज का हर वर्ग उसका हिस्सा बन सके, इसको ध्यान में रख कर योजना बंदी करनी होगी। हमें यह भी यकीनी बनाना होगा और करना होगा कि छोटे-बड़े सभी तरह का व्यवसाय चलाने वालों को इसका लाभ मिल सके।

महिलाकर्मियों की सुरक्षा की दृष्टि से समुचित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराते हुए उन्हें कार्य स्थल से लाने-ले जाने की व्यवस्था हेतु सुरक्षित परिवहन, टैलीफोन/मोबाइल व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए समुचित कदम एवं व्यवस्थाओं आदि का समुचित दायित्व संस्थान के मालिक का होना चाहिए। एक तरफ इस समय जहां विश्व में ग्लोबल मंदी का खतरा है हमें, हमारे देश को, अपनी इकोनॉमी को सुधारने और गति देने के लिए एक्टिव नाइटलाइफ की तरफ कदम बढ़ाने की सामयिक जरूरत है।

लंदन, न्यूयॉर्क, सिडनी, पैरिस जैसे दुनिया के बड़े शहरों में दशकों से नाइट लाइफ का कल्चर है। भारत में मुंबई और बेंगलुरु जैसी सिटीज में पहले से ही नाइट लाइफ का कल्चर है। देश के अनेक महत्वपूर्ण शहरों में नाइट लाइफ के जरिए लोकल व्यवस्था को सुधारने के लिए काफी क्षमता मौजूद है। इन शहरों की म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन को आगे आना चाहिए, क्योंकि रात के समय कई तरह की जायज आर्थिक गतिविधियां संचालित हो सकती हैं। इनमें सांस्कृतिक, औद्योगिक, लॉजिस्टिक आदि से जुड़ी गतिविधियां प्रमुख हैं।

इसका लाभ यह भी होगा कि नाइट लाइफ से जुड़े शहर और इनकी अर्थव्यवस्था खुद को बेहतर तरीके से प्लान कर सकेगी इससे काम की शिफ्टें भी ज्यादा बनायी जा सकेंगी। अनेक पढ़े-लिखे युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार मिलेगा, विदेशी पर्यटन भी बढ़ेगा, इससे सड़कों पर भी जाम कम होगा, क्योंकि भीड़ अलग-अलग समय पर बंट जायेगी। नाइट लाइफ कल्चर को हमारे समाज के कुछ लोग अवैध और अनैतिक गतिविधियों का प्रतीक समझ लेते हैं, जिसको युवा पीढ़ी दर-किनार कर रही है ऐसी चीजें हमारी खुद की पैदा की हुई विषैली सोच है यदि हम सोचें कि रात के अंधेरे में गलत गतिविधियां बढेगी तो क्या दिन में यह गतिविधियां बंद रहती हैं, यह सोचना होगा? किसी भी तरह के पूर्वाग्रह हमें तरक्की नहीं करने देते। कोई भी विचार लंबे समय तक अमर्यादित यानी टैबू नहीं रहता यथार्थ को स्वीकारना अक्लमंदी होती है। आज का युग 24-7-365 का युग है। दकियानूसी विचारधारा हमारी तरक्की और देश के विकास में कई बार बाधक साबित होती है। नाइट लाइफ कल्चर के प्रति हमारी सोच इसका अपवाद नहीं है, लेकिन इसका मतलब कदापि नहीं है कि हमें देश के बुनियादी सांस्कृतिक मूल्यों पर नाइट लाइफ की आड़ में कोई समझौता करना है। यहां हमें सामाजिक संतुलन बनाने की जरूरत होगी।

जमशेदपुर की खबरें

छात्रा के कपड़े उतरवाने वाली टीचर गिरफ्तार

जमशेदपुर में नकल की जांच से आहत लड़की ने खुद को जला लिया है, अस्पताल में उसकी हालत गंभीर है।

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जमशेदपुर के एक स्कूल में नकल के आरोप में टीचर ने सबके सामने कपड़े उतरवा कर छात्रा की जांच की। इस घटना के बाद छात्रा इतनी परेशान और शर्मिंदा हो गयी कि उसने घर पहुंच कर खुद को आग लगा ली। नौंवी की छात्रा 95 फीसदी जल चुकी है। उसकी हालत गंभीर है। फिलहाल उसे टाटा मेन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। शारदामणि गर्ल्स हाइस्कूल की शिक्षिका को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार किया। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है।

छात्रा की हालत गंभीर : दूसरी तर टीएमएच में इलाजरत छात्रा की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। छात्रा 95 प्रतिशत जल चुकी है।

मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज हुआ छात्रा का बयान : पीड़ित छात्रा ने अपने बयान में बताया कि शुक्रवार को परीक्षा देने गई थी और साथ में चिट भी ले गई थी। किसी छात्रा ने इसकी जानकारी आरोपी शिक्षिका चंद्रा दास को दे दी। इस पर शिक्षिका ने कक्षा में ही जांच के लिए उसके कपड़े उतरवा दिए। उसे पुलिस के पास ले जाने की भी धमकी दी गई। सबके सामने शर्मसार होने पर घर लौटकर उसने खुद को आग लगा ली। फिलहाल टीएमएच में भर्ती छात्रा की स्थिति गंभीर बनी हुई है। छात्रा का बयान मजिस्ट्रेट रश्मि रंजन और ज्योति कुमारी की उपस्थिति में दर्ज किया गया।

उपायुक्त ने कहा कि जांच टीम के प्रतिवेदन के अनुसार जो भी तथ्य सामने आयेंगे, उसके अनुसार कार्रवाई की जायेगी।

प्रिंसपल ने कहा-किसी ने कपड़े नहीं उतरवाये : शारदामणी स्कूल की प्रभारी प्रिंसिपल गीता रानी महतो ने कहा- साइंस की परीक्षा थी। भूगोल की टीचर चंद्रा दास को इंविजिलेटर बनाया गया था। शाम चार बजे वह छात्रा को लेकर मेरे ऑफिस में आयी थी। बताया कि उसे चीटिंग करते पकड़ा है। इसके बाद छात्रा ने कहा कि इससे पहले कभी चीटिंग नहीं की। यह पहला मौका है, इसलिए छोड़ दीजिए। मैंने उसे समझाया कि चीटिंग नहीं करनी चाहिए और क्लास में भेज दिया। सवा चार बजे छुट्टी होने के बाद वह घर चली गयी। जो भी आरोप लगाये जा रहे हैं, वे गलत हैं। परिवार वालों ने भी क्लास में कपड़े उतरवाने की जानकारी नहीं दी है।

पीड़ित परिवार से मिले स्वास्थ्य मंत्री, कहा-सरकारी खर्च से होगा युवती का इलाज: रविवार को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता युवती के परिजन से मुलाकात करने टीएमएच पहुंची। स्वास्थ्य मंत्री ने टीएमएच में पीड़ित छात्रा के परिजन से मुलाकात कर हालचाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों को बेहतर इलाज करने का निर्देश दिया। पीड़ित छात्रा के परिजनों ने मंत्री के समक्ष घटना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा इस मामले में दोषियों पर करवाई की जायेगी। उन्होंने कहा बच्ची के संपूर्ण इलाज की व्यवस्था सरकार करेगी। जरूरत पड़ने पर बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट से बाहर भेजा जायेगा।

मानगो में सड़क निर्माण की मांग को लेकर जनता सड़क पर, फूटा गुस्सा, पदयात्रा की

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। मानगो संकोसाई रोड नंबर एक के जर्जर सड़क में सुधार लाने के लिए भाजपा नेता विकास सिंह नेतृत में स्थानीय लोगों ने पैदल मार्च निकाल कर विरोध दर्ज कराया। रविवार को पैदल यात्रा के दौरान नैतिक समर्थन में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी शामिल हुए।

भाजपा नेता विकाश सिंह ने बताया मानगो संकोसाई रोड नंबर एक के जर्जर सड़क के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूट उठा है। स्थानीय लोगो ने राम नगर चौक से लेकर डिमना मुख्य सड़क तक लगभग एक किलोमीटर की पैदल यात्रा तय कर अपना विरोध प्रकट किया। इस दौरान उन्होंने मानगो नगर निगम के कार्यपालक पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि का ध्यान आकर्षित करवाया। स्थानीय लोगों के अनुसार विगत चार वर्षों से सड़क चलने लायक नहीं है। सड़क पर बड़े छोटे गड्ढे हो गए हैं। आये दिन छोटे बड़े दुर्घटनाएं घटित होती रहती है। मानगो नगर निगम के द्वारा केवल आश्वासन ही मिलता है। दुर्गा पूजा के पूर्व सड़क निर्माण का उमीद था, लेकिन नहीं हो पाया। आक्रोशित लोगो का कहना है बड़े बड़े मॉल और बहुमंजिला इमारतें बन गई है। वहां की सड़कें करोड़ों खर्च कर उसे चमकाने का काम किया गया, लेकिन जहां रोज कमाने खाने वाले लोग रहते हैं वहां की सड़क जर्जर अवस्था में है।भाजपा नेता विकास सिंह ने कहा मानगो के दाईगुट्ठ, कालिका नगर, चंद्रावती नगर, गुरुद्वारा रोड,मंगल कॉलोनी कि सड़के दम तोड़ रही है। सड़कों का नही बनना मानगो नगर निगम के साथ-साथ योजना चयन समिति के सदस्यों का उदासीन रवैया को दर्शाता है। उन्होंने कहा जनता अब जाग चुकी है। अगर इसके बाद भी निर्माण प्रक्रिया आरंभ नहीं तो बड़ा आंदोलन का रूप रेखा तैयार की जायेगी।

मौके पर भाजपा के प्रवक्ता कुणाल षाडंगी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब हेमंत सोरेन की पूरी कैबिनेट होटवार के जेल में रहेगी। इसकी शुरुआत उनके प्रतिनिधि से हो चुकी है। बिना बिस्तर के अस्पताल में मरीज दम तोड़ रहे हैं। सुबे के स्वास्थ्य मंत्री लंबी चौड़ी डींग हांकने में लगे हुए। इस अवसर पर सुशीला शर्मा, राजेश साहू, रविंद्र चंद्र डे, कारवांन गौड़, दुर्गा दत्ता, निरंजन झा, राकेश मंडल, शिवम कुमार, विजय मंडल, कमलेश्वरी शर्मा, विजय पाल, जितेंद्र साहू,विजय प्रसाद, मुन्ना झा, रितु शर्मा, गोपाल यादव, प्रोफेसर यूपी सिंह ,डॉक्टर अनिल सिंह, मनोज ओझा राम सिंह कुशवाहा, सुशील शर्मा, पंकज गुप्ता, मनोज शर्मा, प्यारेलाल साह, विकेश दुबे, शिव साव, संजीव कुमार, संजीव पांडा, द्वारिका सिंह, मधु सिन्हा, संदीप शर्मा, अजय लोहार, जीतू गुप्ता, सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

आवासीय विद्यालय की छात्राओं को मिलेगी सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ : विजया जाधव

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, झारखंड आवासीय बालिका विद्यालय में कैंप लगाकर अध्ययन करने वाली छात्राओं को सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना से जोड़ने के लिए कैंप का आयोजन किया गया। रविवार को उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर कैंप की वरीय प्रभारी सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सत्या ठाकुर द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, सुंदरनगर, बोडाम एवं पोटका में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया।

मौके पर मौजूद सभी अभिभावकों, छात्राओं को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। कैंप में कुल 3348 छात्राओं के आवेदन प्राप्त किया गया। इसके अलावा 306 की ऑनलाइन प्रविष्टी रविवार को किया गया। शेष का दो दिनों में पूरा करते हुए सभी छात्राओं को सरकार की महत्वपूर्ण योजना से आच्छादित किया जायेगा।

डांगडुंग में जाहेरथान का होगा सौंदर्यीकरण

आजाद सिपाही संवाददाता

पटमदा। पूर्वी सिंहभूम जिले के जुगसलाई विधानसभा स्तिथ बोड़ाम के डांगडुंग में करोड़ों रुपए की लागत से जाहेरथान सौंदर्यीकरण योजना का शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम में राज्य के मंत्री चंपई सोरेन, विधायक मंगल कालिंदी सहित अन्य शामिल हुए। मौके पर मंत्री चंपई सोरेन, विधायक मंगल कालिंदी, जिला पार्षद गीतांजलि महतो एवं सांसद प्रतिनिधि शिवचरण सिंह सरदार ने संयुक्त रुप से नारियल फोड़ कर करोड़ों रुपए की लागत से योजना का शिलान्यास किया। मौके पर मंत्री चंपई सोरेन ने बताया डांगडुंग मौजा के चिरुघुटु स्थित जाहेरथान सौंदर्यीकरण योजना के तहत पौने चार करोड़ की लागत से गेस्ट हाउस, बहुद्देश्यीय सभागार, पुजारी कक्ष व चारदीवारी योजना का शिलान्यास किया गया। मंत्री ने कहा राज्य अलग होने के 22 वर्षों के बाद हेमंत सरकार ने काम करने का अलग ही तौर-तरीका सामने लाया है। आदिवासियों के आस्था का स्थल जाहेरगाढ़ को सुरक्षित रखने के लिए 3 करोड़ 76 लाख की लागत से चहारदीवारी, बहुद्देश्यीय भवन, पुजारी कक्ष व गेस्ट हाउस आदि का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने कहा क्षेत्र में 25 से 30 जाहेरथान की स्वीकृति दी जा चुकी है। जिसका काम भी जल्द शुरू होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में 25 लाख की लागत से माझी अड़ा (घर) बनेगा एवं अन्य कई योजनाएं लागू की गयी है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद विधायक मंगल कालिंदी ने कहा बोड़ाम प्रखंड में राज्य बनने के बाद पहली बार इतनी बड़ी योजना की सौगात दी गयी। इसके लिए राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्री चंपई सोरेन को धन्यवाद देते है। टीएसी सदस्य विश्वनाथ सिंह सरदार ने कहा बोड़ाम क्षेत्र में जाहेरथान के सौंदर्यीकरण के लिए मंत्री चम्पई सोरेन ने जो इतनी बड़ी योजना की स्वीकृति दी इससे यहां के आदिवासियों का निश्चित तौर पर विकास होगा। उन्होंने बोड़ाम में डिग्री कॉलेज की स्वीकृति दिलाने के लिए विधायक मंगल कालिंदी को भी धन्यवाद दिया। समारोह का संचालन पटमदा के विधायक प्रतिनिधि चंद्रशेखर टुडू ने किया। धन्यवाद ज्ञापन झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष श्यामापद महतो ने किया। मौके पर जाहेरथान के नायके बाबा जयपाल मुर्मू, विधायक प्रतिनिधि छुटुलाल हांसदा, झामुमो नेता सुभाष कर्मकार, समीर महतो, अश्विनी महतो, खेदू गोप, विश्वनाथ मुर्मू, शत्रुघ्न मुर्मू, अम्बाई मुर्मू, संतोष मुर्मू, राम मांडी, शांतनु मुखर्जी, जलन मार्डी, दिवाकर टुडू एवं काजल सिंह आदि मौजूद थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

छठ पूजा मनाने को लेकर बैठक में जागृति क्लब के चौथी बार अध्यक्ष बने चंदन पासवान

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिले में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा मनाने को लेकर रविवार को भागलपुर मुहल्ला स्थित मुकेश कुशवाहा के आवास पर संत कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में जागृति क्लब की बैठक हुई। बैठक में क्लब के अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारी के सर्वसम्मति से चंदन कुमार पासवान को लगातार चौथी बार अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया, जबकि वहीं उपाध्यक्ष चंदन गुप्ता, दीपक गुप्ता, सचिव विशाल कुमार, सह सचिव शुभम सोनी, कोषाअध्यक्ष महिपाल कुमार, सह कोषाअध्यक्ष आनंद कुमार एवं सदस्य उज्जवल गुप्ता, सनी कुमार, अविनाश कुमार, पंकज कुमार, सनी पहलवान, रोहित कुमार, अकाश गुप्ता, पंकज विश्वकर्मा, उत्तम कुमार, शुभम गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, नितेश विश्वकर्मा, विवेक कुमार को चुना गया। बैठक में संरक्षक संत कुमार गुप्ता, संजय चौधरी, दौलत सोनी, मुकेश कुशवाहा, सुनील कुमार, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि क्लब के पूर्व अध्यक्ष शिव शंकर कुमार, सुमन साहू, गौरी शंकर गौड़, शिवपूजन गुरुजी, मोती चंद साहू, गोकुल प्रसाद, पहलाद विश्वकर्मा, सुरेश जयसवाल, बाजी लाल गुप्ता, काशी प्रसाद गुप्ता शिवम गुप्ता आदि अन्य लोग उपस्थित थे।

अजय साव को जिला प्रमुख संघ का उपाध्यक्ष चुने जाने पर प्रखंड वासियों ने दी बधाई

सगमा (आजाद सिपाही)। गढ़वा जिला का प्रमुख संघ का चुनाव रविवार को किया गया। जिसमें कांडी प्रखंड प्रमुख पिंकू पांडे को अध्यक्ष पद के लिए चुना गया। वहीं सगमा प्रखंड प्रमुख अजय साह को जिला प्रमुख संघ का निर्विरोध रूप से उपाध्यक्ष पद के लिए चुना गया। जिला उपाध्यक्ष अजय साव को चुने जाने पर प्रखंड वासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है। बधाई देने वालों में झामुमो के प्रखंड अध्यक्ष जयगोपाल यादव, चन्द्रिका यादव, बिनोद ठाकुर, धीरज जयसवाल, निरपत यादव, बीस सूत्री अध्यक्ष रेयाज अंसारी, हजारी प्रसाद यादव, इसहाक अंसारी के नाम शामिल हैं।

मुखिया रामसागर महतो ने की बाल विवाह रोकथाम जागरूकता अभियान की शुरुआत

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड परिसर स्थित मेराल पूर्वी के पंचायत सचिवालय में रविवार को बाल विवाह रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। मुखिया रामसागर महतो की अध्यक्षता में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम का शंखनाद सामूहिक रूप से दीप प्रोग्राम के साथ किया गया। उस मौके पर मुखिया रामसागर महतो ने कहा कि बाल विवाह एक गंभीर मुद्दा है जिसकी रोकथाम के लिए लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने उपस्थित लोगों से जागरूकता अभियान में सहयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बाल विवाह एक अभिशाप है। पंचायत क्षेत्र में एक भी बाल विवाह ना हो इसके लिए उन्होंने जागरूकता अभियान चलाने की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंचायत सचिव परमानंद पाठक, उप मुखिया अलीशेर अंसारी, वार्ड सदस्य उषा देवी, भोला राम, मुंद्रिका राम, झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष दशरथ प्रसाद, बिनेश कुमार मेहता, शिक्षक विनोद कुमार कुशवाहा, उदय मेहता, अशोक मेहता, चंदन कुमार, लक्ष्मी महतो, मथुरा बैठा, संतोष राम, राजेंद्र राम, बिंदु कुमार राम डॉ लाल मोहन सहित कई शामिल लोग थे।

बैठक : गढ़वा परिसदन भवन में प्रमुख संघ के चुनाव में पूरे जिले से कुल 17 प्रमुख हुए शामिल

झामुमो नेता पिंकू पांडे चुने गये प्रमुख संघ के अध्यक्ष

उपाध्यक्ष सगमा प्रमुख अजय गुप्ता, सचिव रंका प्रमुख सह झामुमो नेता हेमंत लकड़ा, कोषाध्यक्ष मेराल प्रमुख दीपमाला एवं उप सचिव बिशनपुरा प्रमुख दीपा कुशवाहा को मनोनीत किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा परिसदन भवन में हुए प्रमुख संघ के चुनाव में कांडी प्रखंड प्रमुख सत्येंद्र कुमार पांडे उर्फ पिंकू पांडे को मतदान के आधार पर प्रमुख संघ का अध्यक्ष चुना गया। गढ़वा प्रमुख विमला देवी की अध्यक्षता में परिसदन भवन में प्रमुख संघ के चुनाव के लिए बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में पूरे जिले से कुल 17 प्रमुख ने भाग लिया। अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु पांच लोगों ने उम्मीदवारी की पेशकश की, परंतु अंतिम निर्णय में कांडी प्रमुख पिंकू पांडे एवं खरौंधी प्रमुख आभा रानी के बीच मतदान हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर पिंकू पांडे 10 वोट पाकर निर्वाचित हुए एवं आभा रानी को 7 वोट से ही संतुष्ट होना पड़ा। अध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न होने के बाद सर्वसम्मति से उपाध्यक्ष पद पर सगमा प्रमुख अजय गुप्ता, सचिव पद पर रंका प्रमुख सह झामुमो नेता हेमंत लकड़ा, कोषाध्यक्ष पद पर मेराल प्रमुख दीपमाला एवं उप सचिव पद पर बिशनपुरा प्रमुख दीपा कुशवाहा को मनोनीत किया गया। सबों की सहमति से अध्यक्ष पद पर पराजित हुई खरौंदी प्रमुख आभा रानी को संरक्षक मनोनीत किया गया।

बैठक में गढ़वा प्रमुख विमला देवी, रमना प्रमुख करुणा सोनी, मेराल प्रमुख दीपमाला, बंशीधर नगर प्रमुख उर्मिला देवी, केतार प्रमुख चंद्रावती देवी, खरौंधी प्रमुख आभारानी, कांडी प्रमुख सत्येंद्र कुमार पांडे, बरडिहा प्रमुख सुनीता देवी, मझिआंव प्रमुख आरती दुबे, विशनपुरा प्रमुख दीपा कुशवाहा, सगमा प्रमुख अजय गुप्ता, धुरकी प्रमुख शांति देवी, चिनिया प्रमुख सुनैना देवी, बड़गड़ प्रमुख, भंडरिया प्रमुख रुकमणी देवी, रमकंडा प्रमुख सुरजी देवी, रंका प्रमुख हेमंत लकड़ा उपस्थित थे। प्रमुख संघ के अध्यक्ष बनने पर झामुमो प्रवक्ता धीरज दुबे, कांडी बीस सूत्री अध्यक्ष विकास उपाध्याय, नवल यादव, मिथिलेश कुमार, अजय कुमार सोनी, प्रेम शंकर दुबे, छोटू कुमार, धनंजय पासवान, राजगिरी, लल्लन यादव, अखिलेश प्रसाद, जय कुमार रवि, चंदन मेहता, गोपाल प्रसाद, राजेश्वर पासवान, हिटलर कुमार पिंकू पांडे को बधाई दी।

भंडरिया पंचायत में ग्रामीणों ने जमा किये 500 आवेदन

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में कई आवेदनों को ऑन स्पॉट किया गया निष्पादन

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरिया। पंचायत कार्यालय प्रांगण में आपकी सरकार आपके अधिकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर विभिन्न विभाग के करीब 500 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें कई आवेदनों का ऑन स्पॉट निष्पादन कर दिया गया। बीडीओ विपिन कुमार भारती ने कहा कि सरकार द्वारा जनता को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के लिए सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में सभी विभाग के अलग-अलग स्टॉल लगाया गए थे। इस में पेयजल, प्रधानमंत्री आवास, जेएसएलपीएस, वृद्धावस्था पेंशन, चिकित्सा, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, केसीसी, पंप सेट, पशुधन योजना, राशन कार्ड, श्रम कार्ड आदि के लिए करीब 500 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

इस मौके पर एक दर्जन गरीब असहाय के बीच कंबल का वितरण किया गया। कई विकलांगों के बीच ट्राई साइकिल वितरण की गयी। दस लोगों को केसीसी ऋण के लिए ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

अंचल पदाधिकारी मदन महली ने कहा कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लोगों को सीधे लाभ मिल रहा है। इस कार्यक्रम में जनता पहुंचकर अपने काम को आसानी से करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय पदाधिकारी यहां मौजूद हैं। आवेदन देने के साथ उनका काम किया जा रहा है। साथ ही सभी आवेदन पत्रों को ऑनलाइन कर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जरुरतमंद लोग राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, आवास आवेदन दें। उन्होंने कहा कि अगली बार सरकार आपके द्वार शिविर जेनेवा पंचायत में लगायी जाएगी। इस मौके पर प्रखंड प्रमुख रुक्मिणी देवी, उप प्रमुख श्रद्धा देवी, जिला परिषद सदस्य हीरवंती देवी, मनरेगा बीपीओ रविशंकर, कंप्यूटर ऑपरेटर संतोष कुमार, सांसद प्रतिनिधि रुप निरंजन सिन्हा, बबलू सिन्हा, प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी मोजेश किस्पोट्टा, मुशर्रफ अंसारी, विवेक तिवारी सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

बिकताम पंचायत में सरकार आपके द्वार शिविर में कुल 902 आवेदन प्राप्त हुए

गढ़वा (आजाद सिपाही)। आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार के तहत मेराल प्रखंड के बिकताम पंचायत में शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 902 आवेदन प्राप्त हुए। आम नागरिकों को योजना का लाभ देने एवं उनके समस्याओं का निराकरण हेतु विभिन्न विभागों के स्टाल लगाए गए थे। जहां आम लोग अपनी समस्याओं अथवा संबंधित योजना के लाभ लेने हेतु संबंधित विभाग के काउंटर पर जाकर अपना आवेदन पत्र समर्पित कर एक्नॉलेजमेंट रिसिप्ट प्राप्त कर कर रहे थे।

आयोजित शिविर में राशन कार्ड निर्माण हेतु, पेंशन, पेयजल, मनरेगा, पशुपालन, कृषि,

भूमि सुधार, 15वें वित्त, आवास, सावित्रिबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना एवं अन्य मामलों के तहत आवेदन प्राप्त हुए।

इसके अतिरिक्त जेएसएलपीएस, सेवा का गारंटी अधिनियम, ई-श्रम पोर्टल, आय, जाति, निवास व अन्य प्रकार के प्रमाण पत्रों को निर्गत हेतु, स्वास्थ्य एवम पोषण, वन विभाग, बैंक, शिक्षा विभाग, पंचायती राज आदि के भी स्टॉल लगाये गये थे एवं हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गई थी।

आयोजित किये गये शिविर में कुल 902 प्राप्त आवेदनों को निष्पादन हेतु पोर्टल पर अपलोड किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कर आपकी योजना-आपकी सरकार- आपके द्वार के तहत शिविर के जरिये विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों के आम नागरिकों को सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सरलता से पहुंचाने का प्रयास कार्य किया जा रहा है।

भवनाथपुर की बेटी सह शिक्षिका प्रिया को महामहिम ने गोल्ड मेडल देकर किया सम्मानित

बधाई देने वालों का लगा तांता

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दूसरे दीक्षांत समारोह में सूबे के महामहिम रमेश वैस ने भवनाथपुर प्रखंड क्षेत्र के सिंघीताली निवासी प्रिया कुमारी जो कि प्लस टू उच्च विद्यालय भवनाथपुर में कार्यरत हैं को गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया। बता दें कि प्रिया कुमारी सत्र 2015-17 में एमएससी केमेस्ट्री में टॉपर हुई थी। वर्तमान में वह राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय भवनाथपुर में विज्ञान शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। इनकी दसवीं तक की पढ़ाई इंदिरा गांधी उच्च विद्यालय हजारीबाग से इंटरमीडिएट तथा ग्रेजुएशन बीएसएम कॉलेज भवनाथपुर से हुई। इनके पिता सतीश कुमार चौबे व चाचा राकेश चौबे दोनों ही शिक्षक हैं। जिन्होंने प्रिया की प्रारंभिक शिक्षा अपनी देखरेख करायी।

प्रिया कुमारी ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता तथा परिवार के लोगों को दिया है। उन्होंने एमएससी की पढ़ाई एनपीयू के केमेस्ट्री विभाग के एचओडी डॉक्टर एनके तिवारी और बीएसएम कॉलेज के प्रोफेसर वीरेंद्र विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में पूर्ण की। गोल्ड मेडल प्राप्त होने पर परिवार तथा संबंधियों के द्वारा लगातार बधाई तथा शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

पारिवारिक विवाद में महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

खरौंधी (आजाद सिपाही) थाना क्षेत्र के नावाडीह टोला में 25 वर्षीय आरती देवी नामक एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। समाचार के अनुसार नावाडीह निवासी मनोज ठाकुर की पत्नी आरती देवी का शव फांसी के फंदे मे झुलता हुआ रविवार की सुबह मे मिला। शव को फंदे में झुलता हुआ देख घर वाले रोने बिलखने लगे। इसके बाद लोगों की भींड़ लग गई। इसके बाद घटना की सूचना खरौंधी थाना को दी गई। खरौंधी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर महिला के शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया है। मृतका आरती देवी की शादी मनोज से अप्रैल 2021 में हुई थी। घर वालों ने जब घटना के बारे में लडकी के पिता को सूचना दी। इसके बाद लडकी के पिता विनय ठाकुर और परिवार वाले नावाडीह पहुंचे। जहां लडकी के पिता ने आरोप लगाया कि मनोज शराब पीकर हमेशा मारपीट करता था। लडकी के पिता ने आरोप लगाया कि मारकर ही फंदा से लटकाया गया है। साथ ही लड़के की मां के द्वारा बताया गया कि इस घटना में खुद से ऐसा की है। लड़का की मां के द्वारा बताया गया कि लडका घर पर नहीं था। वह घटना के बारे मे सूचना पाकर घर पहुंचा।

मारपीट की घटना में गर्भवती महिला समेत दो घायल

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के झुरा गांव में रविवार को भूमि विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में गर्भवती महिला सहित दो लोग घायल हो गए। घायलों में फुल कुमारी देवी, उसका पति राधेश्याम राम के नाम शामिल हैं। दोनों को इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना के संबंध में फुल कुमारी देवी ने बताया कि उसकी भूमि में मूंग बिहारी राम घर का निर्माण करने के लिए गड्ढा खोद रहा था। इसी दौरान उसे गड्ढा खोदने से मना किया तो मूंग बिहारी राम, अनिल राम, सुमेर राम, आलोक कुमार आदि ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया।

पत्नी ने पति को लाठी से पीट-पीटकर की हत्या, पुलिस ने आरोपी पत्नी को किया गिरफ्तार

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय के प्रखंड कार्यालय के समीप एक निजी क्लीनिक के पास पत्नी ने ही पति की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान भवनाथपुर थाना क्षेत्र के हरिहरपुर ओपी के हुरका गांव निवासी शशिकांत चंद्रवंशी उर्फ सुनील कुमार चंद्रवंशी के रूप में हुई है। हत्या के बाद पुलिस ने मृतक के ससुर एवं उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के संबंध में बताया गया है कि शशिकांत चंद्रवंशी अपनी पत्नी के साथ बराबर विवाद करते रहता था एवं उसके साथ मारपीट करते रहता था। इससे आजिज होकर उसकी पत्नी ने उसे डंडे लाठी से मारपीट कर हत्या कर दी। मृतक शशिकांत चंद्रवंशी गढ़वा सदर थाना क्षेत्र के नवादा गांव में रहकर काम करता था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिए सदर अस्पताल भेज दिया एवं रविवार को पुलिस ने मृतक के शव का अंत्यपरीक्षण कराकर उसका शव उसके परिजनों को सौंप दिया है। इधर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बैठक : 108 कुंडीय नव चेतना जागरण गायत्री महायज्ञ 2023 के लिए की गयी जिलास्तरीय बैठक

सर्वसम्मति से 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की महाकमेटी बनाने का लिया गया निर्णय

महाकमेटी में गढ़वा जिले के सभी प्रखंडों के गायत्री परिजनों एवं सनातन धर्मावलंबियों को भी शामिल किया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। मझिआंव के चन्द्री स्थित गायत्री शक्तिपीठ परिसर में मां गायत्री की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में आगामी 01 मार्च से 05 मार्च तक होने वाले 108 कुंडीय नव चेतना जागरण गायत्री महायज्ञ को सफल बनाने हेतु बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता गायत्री परिवार के जिला संयोजक बिनोद पाठक द्वारा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से 108 कुंडीय गायत्री महायज्ञ की महा कमेटी बनाने का निर्णय लिया गया। बताया गया कि उक्त महा कमेटी में गढ़वा जिले के सभी प्रखंडों के गायत्री परिजनों एवं सनातन धर्मावलंबियों को भी शामिल किया जायेगा।

इस अवसर पर जिला संयोजक श्री पाठक ने कहा कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार द्वारा अपने देश भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में युग परिवर्तन एवं मनुष्य को देवता बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किया जा रहा है। श्री पाठक ने कहा कि इसके लिए गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं ऋषि सत्ता द्वारा परिवार में समय समय पर होने वाले संस्कार को अतिआवश्यक बताया गया है। अगर बच्चों में जन्म के समय से ही अच्छे संस्कार दिये जायेंगे तो उनमें देवत्व का उदय होगा। उन्होंने कहा कि युग परिवर्तन के इस दौर में नारी जागरण की अहम भूमिका है। नारी जागरण से बच्चों को संस्कारवान बनाया जा सकता है। श्री पाठक ने कहा कि गुरुदेव ने यही तो संकल्प लिया है कि अगर बच्चों में अच्छे संस्कार दिए जाएं तो एक संस्कारवान परिवार का निर्माण होता है। इसी तरह अगर सभी परिवार संस्कारित हों तो पूरा संस्कारवान होगा और फिर पूरा विश्व एक ही परिवार होगा और मानव में ही देवता दिखने लगेंगे और युग परिवर्तन हो जाएगा।

मौके पर मझिआंव, बरडीहा एवं बिसुनपुरा प्रखंड से भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला सचिव डॉ अशोक रंजन दुबे, जिला ट्रस्टी शिव प्रसाद एवं ज्ञान परीक्षा के प्रखंड संयोजक पूर्व प्रधानाध्यापक अच्युतानंद तिवारी, प्रखंड संयोजक नागेन्द्र सिंह, अनिल विश्वकर्मा, अखिलेश कुशवाहा, पंकज कुमार, अशोक मेहता, रामा शंकर सोनी, रामरेखा प्रजापति, रामनरेश प्रसाद, मारुति नंदन सोनी, सीता सरन, देवमुनि विश्वकर्मा, बिरेन्द्र सोनी, रामविलाश प्रसाद,जयशंकर प्रजापति, बेचन राम, राहुल गुप्ता, सुनीता चौरसिया, सारो देवी, संतोषी देवी, धर्मशीला देवी उपस्थित थे।

पूर्व बीडीसी को महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े जाने पर परिजनों ने चार घंटे तक बंधक बनाया

सूचना मिलने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सह मुखिया पति ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव कर बीडीसी को बंधक से मुक्त कराया

मुखिया पति ने दरवाजा खुलवा कर उसे बाहर निकलवाया तब ग्रामीणों ने हीरा साह की डंडों से पिटाई शुरू कर दी

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। अरसली दक्षिणी पंचायत के पूर्व बीडीसी हीरा साह को घर में महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़े जाने के बाद महिला के परिजनों द्वारा बंधक बनाए जाने एवं मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। इसकी सूचना मिलने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सह मुखिया पति सोना किशोर यादव ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव कर बीडीसी को बंधक से मुक्त कराया।

खबर के अनुसार अरसली दक्षिणी पंचायत के पूर्व बीडीसी बैगाडीह निवासी हीरा साह का मजूराही गांव में सिकेन्दर भुईयां की पत्नी के साथ कई दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। बीती रात्रि दो बजे हीरा साह अपनी प्रेमिका से मिलने मजूराही गया, जहां वह प्रेमिका के साथ घर में रंगेलिया मना रहा था। जिसकी भनक परिजनों को लगी। परिजनों को भनक लगने की सूचना पर हीरा साह ने भागने का प्रयास किया, तभी परिजनों ने उसे पकड़ कर एक रूम में बंद कर दिया और चार घंटे तक बंधक बनाकर रखा। इसकी सूचना मंडल अध्यक्ष सह मुखिया पति सोना किशोर यादव को मिली। सूचना मिलने पर अहले सुबह मौके पर पहुंचे तब तक ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठा हो चुकी थी। ग्रामीणों में काफी आक्रोश था। मुखिया पति ने दरवाजा खुलवा कर उसे बाहर निकलवाया, तब ग्रामीणों ने हीरा साह की डंडों से पिटाई शुरू कर दी। मुखिया पति ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया और हीरा साह को बंधक से मुक्त करवाया। मुखिया पति सोना किशोर यादव ने बताया कि बीच बचाव नहीं करता तो स्थिति काफी बिगड़ चुकी थी। ग्रामीण में काफी आक्रोश था। बताया कि दोनों समाज के लोगों को आपस में बैठक कर मामले का निपटारा करने का आग्रह किया है। इधर पूर्व बीडीसी हिरा साह ने घटना को निराधार बताया।

केंद्रीय मंत्री की फटकार के बाद एनएचआइ ने अतिक्रमण हटा कर काम शुरू कराया

तमाड़ (आजाद सिपाही)। खूंटी सांसद सह केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा को कल तमाड़ के गामीणो व कार्यकर्ताओं ने शिकायत की थी कि रांची टाटा पथ एनएचआइ 33 राइडीह मोड़ मे फ्लाईओवर के किनारे अधिग्रहित जमीन का मुआवजा नहीं दिया जा रहा है और निर्माण कार्य अधुरे रखे गये है आऐ दिन दुर्घटना होती है दर्जनो लोग दुर्घटना मे घायल हुए है कयी लोंगो की मृत्यु हो गयी है मंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए रांची उपायुक्त व भु अर्जन पदाधिकारी व एनएचआइ के वरीय पदाधिकारी से बात की और फटकार भी लगायी। अधिग्रहित जमीन का मुआवजा भूअर्जन कार्यालय में लटका हुआ है और लोगों को दौड़ाता रहता है। मंत्री की फटकार के बाद आज एनएचआइ के पदाधिकारी आये और साथ में पुलिस प्रशासन भी पहुंचा और अतिक्रमण को हटाकर काम शुरू करवाया गया। तमाड़ सीओ विमल सोरेन और दल बल थे लोगों ने सांसद व मंत्री अर्जून मुंडा पर आभार व्यक्त किया है

प्रखंड कांग्रेस की बैठक में प्रखंड कार्यकारी समिति का गठन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ के अमलेशा मैदान में कांग्रेस पाटी के प्रखंड अध्यक्ष संजय सेठ की अध्यक्षता मे एक बैठक हुयी। बैठक में जिला महासचिव बुधराम मुंडा सचिव गुरूचरण सिंह मुंडा विशेष रूप से उपस्थित हुए बैठक मे प्रखंड कार्यकारी समिति का गठन किया गया जिसके सचिव धनंजय महतो उपाध्यक्ष धरम सिंह महतो व उदय सिंह मुंडा मीडिया प्रभारी दीनबंधु सवासी कोषाध्यक्ष अर्जुन सेठ संगठन प्रभारी अमजद अंसारी के अलावे नौ सदस्य बनाये गये बैठक का संचालन ललित कृष्ण मुंडा व धन्यवाद उदय सिंह मुंडा ने दिया

सभी रसोइया संयोजिका को स्थायी करने की पहल करे सरकार : अजीत

सिल्ली (आजाद सिपाही)। सिल्ली किसान भवन में रविवार को झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोइया संयोजिका संघ के सिल्ली एवं राहे प्रखंड का संयुक्त बैठक रांची जिला कोषाध्यक्ष देवंती बरला के की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । बैठक को संबोधित करते हुए संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा की पिछले दिनों राजभवन के समक्ष धरने पर 62 दिनों तक आंदोलन चलाया गया। उस पर राज्य सरकार के शिक्षा मंत्री और गिरिडीह विधायक सुधीर कुमार सोनू सरकार के प्रतिनिधि के रूप में संघ के धरना स्थल आकर संघ की 5 सूत्री मांग पर सहमति दी। जिसके बाद आंदोलन समाप्त किया गया सहमति के अनुरूप सभी रसोइया संयोजिका को स्थाई करने का सरकार पहल करे। प्रदेश कोषाध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि रसोइया संयोजिका का मानदेय दो गुना करने साल में दो साड़ी, 5 लाख का निशुल्क बीमा, हटाए गए लोगों को वापस काम रखने समेत अन्य मांगों को 2 महीना के अंदर नहीं पूरा किए जाने पर आगे और बड़ी आंदोलन करने पर विचार विमर्श किया गया। इस बैठक में सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष गीता देवी, कोषाध्यक्ष गिरी बाला देवी, सुषमा देवी, चंचला देवी एवं राहे प्रखंड अध्यक्ष सावित्री देवी, निर्मला देवी, जयंती देवी समेत काफी संख्या में रसोईया संयोजिका उपस्थित थे।

राहे में हुई झामुमो प्रखंड कमेटी की बैठक

राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड के गोमदा चौक के समीप रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमिटि की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला कमिटि के निदेर्शानुसार संगठन विस्तार के लिये आवश्यक चर्चा किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष रामानंद बेदिया ने कहा कि अभी झारखंड सरकार के द्वारा आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम झारखंड के हर प्रखंड में चल रहा हैं। जरूरतमंद ग्रामीणों की समस्याओं को कार्यक्रम के दौरान ही समाधान मिल रहा है। इसका व्यापक स्तर में प्रचार करें। बैठक में वरीय नेता देवगुन महतो,अजय महतो,पंचानंद महतो,समेत दर्जनों जेएमएम कार्यकर्ता मौजूद थे।

राहे प्रखंड ग्रामप्रधान संघ का गठन

राहे (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय परिसर में राहे प्रखंड ग्रामप्रधान संघ का बैठक एतवा मुंडा के अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में कमिटि का पुनर्गठन किया गया जिसमें अध्यक्ष खेदन पातर, उपाध्यक्ष नारायण सिंह मुंडा, सचिव दुबराज पातर तथा कोषाध्यक्ष अक्षय महतो को चुना गया कमेटी का अगली बैठक 18 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी जिसमें कमेटी को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी दी जाएगी।

माओवादी एरिया कमांडर गुरूआ लोहरा के भाई की पुलिस की पिटाई से मौत का आरोप

अड़की (आजाद सिपाही)। अड़की प्रखंड के सोसोकुटी गांव के माओवादी के एरिया कमांडर गुरूआ लोहरा जब बाहर थे तो तूती बोलती थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। लगभग 13 साल से जेल में है। उसके उपर लगभग 30 मुकदमें अड़की, खूंटी, तमाड़ आदि थाने में दर्ज हैं। आज उनके घर की सुधि लेने आजाद सिपाही के संवाददाता गये और परिवार के लोगों से रू बरू हुए जब कमांडर थे तब अदालत लगाते थे फैसला सुनाते थे आज उनका घर टुट सा गया है आज दर दर ठोकर खा रहा है उनकीं पत्नी दुसरे के साथ ब्याह गयी बड़े भाई अर्जुन लोहरा की पुलिस की पिटाई से मृत्यु हो गयी ऐसा आरोप मृतक की पत्नी एतवारी देवी ने लगाया है कमांडर के कोई बाल बच्चा नही था वह मैट्रिक पास कर बच्चो को टिउसन पढाता था इसी बीच वह माओवादी सब जोनल कमांडर कुंदन पाहान के संपर्क मे आया और पाटी में शामिल हो गया और धीरे-धीरे इस इलाके का एरिया कमांडर बन गया और कयी काडो को अंजाम तक पहुँचाया फिर जब संगठन से उब गया तो काम करने अपनी पत्नी के साथ फैजाबाद ईंटे भट्टे मे चला गया फिर पुलिस के पकड़ मे आ गया और जेल चला गया जेल जाते ही पत्नी चली गयी वह शादी तमाड़ के नावाडीह गांव मे किया इनके पास जमीन जायदाद कुछ मी नहीं था गरीबी ने इन्हे माओवादी की और ढकेला इनके बड़े भाई की पत्नी एतवारी देवी है उनका एक बेटा है उग्रवादी बनने के बाद जंगल मे रहता था परिवार के लोग कहते है कि जब गुरूआ लोहरा कमांडर था और बाहर था खुब दिक्कत होता था अभी जेल मे ठीक है दो तीन केश खत्म हुआ है एक समय गुरूआ पुलिस के लिए चुनौती था सरकार द्वारा एक इंदिरा आवास बना है गुरूआ के परिवार के कोई नहीं है उसका बड़ा भाई का परिवार है भाई का एक बेटा राजेन्द्र लोहरा है वह मजदूरी कर कमाता खाता है।

बैठक : पिपरवार में खतियानी महाजुटान में उमड़ी भारी भीड़

झारखंडी अस्मिता और पहचान के लिए जरूरी है 1932 का खतियान : जयराम

बचरा पहुंचे जयराम का स्थानीय लोगों के भारी हुजूम ने पारंपरिक रूप से किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। बचरा चार नंबर मैदान में भाषा खतियान संघर्ष समिति द्वारा आयोजित खतियानी महाजुटान में आंदोलन की अगुवाई कर रहे जयराम महतो को सुनने के लिए भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। कार्यक्रम का संचालन बसंत नारायण महतो ने किया। खतियान समर्थकों को संबोधित करने बचरा पहुंचे जयराम का स्थानीय लोगों के भारी हुजूम ने पारंपरिक रूप से स्वागत किया। कार्यक्रम में जाने से पहले जयराम ने बचरा स्थित शहीद कृष्णा महतो, सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जयराम ने झारखंडी अस्मिता और पहचान के लिए 1932 के खतियान पर आधारित स्थानीय नीति, उद्योग नीति, विस्थापन, रोजगार पर हक और अधिकार को लेकर लोगों को जागरूक करते हुए अंतिम दम तक संघर्ष करने की बात कही। जयराम ने कहा कि जब संविधान की अनुसुची 39 बी में स्पष्ट रूप से जमीन के नीचे मौजूद खनिज का स्वामित्व जमीन के मालिक को दिया है तो सरकार इसपर अपना हक कैसे जता सकती है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जिसके पास 1932 का खतियान है उसे ही झारखंड का स्थानीय माना जाय और सरकार इसे जल्द से जल्द लागू करें। झारखंड के पुरे देश का 42 प्रतिशत खनिज सम्पदा का मालिक होने के बावजूद भी इस पर बाहरी लोगों एवं बाहरी कंपनियों का कब्जा है लेकिन झारखंड के लिए आंदोलन करने वाले आदीवासी मुलवासी को आज तक साजिश के तहत उसके अधिकार से वंचित रखा गया है। अब समय आ गया है की हम मुलवासी 1932 का खतियान लागु करवा कर अपने अधिकार और हक के साथ अपने झारखंडी होने का प्रमाण हासिल करने के लिए हर लड़ाई लड़ने को तैयार रहे।

कार्यक्रम के आयोजन में मुख्य रूप से दीपक महतो, अर्जुन महतो, नागेश्वर महतो, कृष्णदेव यादव, विकास महतो, महेन्द्र महतो, बिजय महतो, नरेश महतो, मोहन महतो, धर्मनाथ महतो, बसंत महतो, तारकेश्वर महतो के साथ भाषा खतियान संघर्ष समिति के सभी सदस्यों का भरपूर योगदान रहा।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के लिए खूंटी में ली गयी शपथ

खूंटी में चलाया गया बाल विवाह मुक्त भारत अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। बाल विवाह के प्रति लोगों को जागरूक कर उनकी सोच व व्यवहार में बदलाव लाने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित कैलाश सत्यार्थी ने तीन साल तक चलने वाले बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की है। रविवार से प्रारंभ हुए इस राष्ट्रीय अभियान के तहत जिला के बाल देखभाल संस्थानों में बाल विवाह को खत्म करने के लिए रविवार को शपथ ली गयी। यह जानकारी जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अल्ताफ खान ने दी। उन्होंने बताया कि बाल विवाह और बच्चों के यौन शोषण को रोकने के लिए कई कानून होने के बावजूद आज भी बाल विवाह का सिलसिला लगातार जारी है। इन बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य व सुरक्षा को सुनिश्चित करने में बाल विवाह सबसे बड़ी बाधा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हर जिले में हर साल औसतन बाल विवाह का एक केस दर्ज किया जाता है। यह चिंताजनक है। इसे लेकर ही कैलाश सत्यार्थी ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत की है। जिसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक व्यवहार वह सोच में बदलाव लाकर बाल विवाह रूपी अपराध को समाप्त करना है। इस अभियान के तहत तीन मुख?य लक्ष?य निर्धारित किए गए हैं, जिनमें पहला है कानून का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराना, दूसरा बच्चों व महिलाओं की सहभागिता बढ़ाना, उनका सशक्तीकरण करना और 18 साल तक मुफ्त शिक्षा का प्रावधान करना तथा तीसरा लक्ष्य है यौन शोषण से बच्चों को सुरक्षा प्रदान करना। इसकी शुरूआत देश में आज से हो गई है।

अभियान के शुरूआत में देश के चार सौ से ज्यादा जिलों में लाखों महिलाओं ने मशाल जुलूस निकाला, ताकि बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

कर्रा में जंगली हाथी के हमले से वृद्ध घायल, रिम्स रेफर

कर्रा (आजाद सिपाही)। जिले के ग्रामीण इलाकों में जंगली हाथियों का आतंक थमन का नाम नहीं ले रहा है। लोग सूरज ढलने के बाद घरों में दुबकने को विवश हो जाते हैं। रविवार को भी जंगली हाथी के हमले से जरियागढ़ थाना क्षेत्र के लापा बड़का टोली निवासी 60 वर्षीय वृद्ध चतुर महतो गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीण उसे सामुदायिक सवास्थ्य केंद्र ले गये, जहां से उसे रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। घायल चरकू महतो ने बताया कि वह सुबह जंगल के किनारे धान के खेत में गया था। अचानक जंगल से निकलकर एक जंगली हाथी आया जिसे देखकर चरकू भागने लगा, पर हाथी ने उसे अपने सूंढ़ से लपेट कर पटक दिया और पैरों से कुचलने का प्रयास किया। उस दौरान चरकू बेहोश हो गया, जब उसे होश आया, तब तक हाथी भाग चुका था। फॉरेस्टर शशि भूषण सहाय द्वारा परिजनों को तत्काल सहायता राशि की तौर पर पांच हजार रुपए दिये गये। बताया गया कि प्रक्रिया पूरी के बाद घायल को मुआवजा राशि दी जायेगी।

कांग्रेस की बैठक में सदस्यता अभियान व कमेटी गठित करने पर चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिला कांग्रेस कमिटी की एक आवश्यक बैठक रविवार को एआईसीसी सदस्य व पूर्व विधायक कालीचरण मुंडा के निवास स्थान पर जिला अध्यक्ष रामकृष्णा चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला के प्रदेश प्रतिनिधिगण, प्रखंडों व विभिन्न प्रकोष्ठों के अध्यक्ष सहित वरिष्ठ कांग्रेसी जन शामिल हुए। बैठक में संगठन की सदस्यता अभियान सहित प्रखंड, मंडल, पंचायत एवं बूथ कमिटी गठित करने के विषय पर विचार विमर्श किया गया, साथ ही कांग्रेसियों से अपने दायित्व का निर्वहन करने का आह्वान किया गया। बैठक के अंत में भारत जोड़ो यात्रा पूरे जिले में जोशो खरोश से संपन्न कराने के लिए कांग्रेस जनों को निर्देशित किया गया।

बैठक में प्रवक्ता ओम प्रकाश मिश्रा, विनायक राय, रवि मिश्रा, पांडेया मुंडा, रविकांत मिश्रा, बसंत प्रसाद, मसीह भेंगरा, पौलुस पूर्ति, फिरोज आलम, पीटर मुंडू, नईमुद्दीन खान, पुनीत हेमरोम, विल्सन टोपनो, नरेश तिर्की, बसंत सेठ, अनिल बड़ाईक, फिरोज आलम, सयूम अंसारी आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम : एनके जीएम ने किया श्मशान घाट का औचक निरीक्षण, कहा

आधुनिक रूप से सुविधायुक्त बनायेंगे श्मशान घाट

आजाद सिपाही संवाददाता

डकरा । सीसीएल एनके एरिया अंतर्गत डकरा-केडीएच मैगजीन घर स्थित दामोदर नदी घाट पर नवनिर्माण हो रहें श्मशान घाट को एनके प्रबंधन आधुनिक रूप से सुविधायुक्त बनाएगी ताकि किसी के अंतिम सफर में शामिल हुए लोगों को श्मशान घाट पर किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

इसी के मद्देनजर एनके जीएम संजय कुमार रविवार को श्मशान घाट का निरीक्षण करने के बाद क्षेत्र के उन समाजसेवियों से बात किया जिन्होंने श्मशान घाट की दुर्दशा देखकर स्वयं पहल करते हुए समाज के सहयोग से यहां बैठने के लिए शेड निर्माण कार्य शुरू कराया है।

उन्होंने सभी लोगों को साधुवाद देते हुए कहा कि वे शव जलाने के लिए शेड, पीने की पानी का व्यवस्था, तोरणद्वार जैसा द्वार और नदी के तरफ से सीढ़ियां निर्माण कार्य के लिए संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। साथ ही श्मशान घाट के उपर से गुजर रहे बिजली के तार को दूसरी तरफ शिफ्ट करने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। वहीं शेड निर्माण कार्य करा रहे लोगों ने महाप्रबंधक को पूरी कार्य योजना से अवगत कराया।

इस दौरान सुनील कुमार तिवारी, सुशील अग्रवाल, शत्रुंजय सिंह, आरके सिंह, धीरेन्द्र प्रसाद, भुपनाथ साव मौजूद थे।

मालूम हो कि प्रखंड सहित एनके कोयलांचल में जितने भी शमशान घाट हैं सभी दुर्दशा के शिकार हैं। पिछले वर्ष सीसीएल ने चार श्मशान घाट पर शव जलाने के लिए शेड निर्माण कार्य के लिए टेंडर निकाली लेकिन तकनीकी कारणों से धरातल पर नही उत्तर सका।

महत्वपूर्ण न्यूज

तुमांग पंचायत में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का किया गया उदघाटन

खलारी (आजाद सिपाही)। तुमांग पंचायत भवन में सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का उदघाटन किया गया। मुखिया संतोष कुमार महली ने फीता काटकर प्रशिक्षण केंद्र का उदघाटन किया। यह प्रशिक्षण केंद्र केयर महिला जागरूकता मिशन इंटरप्राइजेज के द्वारा संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण केंद्र में महिलाओं को सिलाई एवं ब्यूटीशियन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस दौरान मुखिया संतोष कुमार महली ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं के हाथ में हुनर होगा जिससे महिलाएं आत्मनिर्भर बन सकती है। इस केन्द्र में प्रशिक्षक अंजली के द्वारा ब्यूटीशियन एवं नीरा के द्वारा सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं सेंटर इंचार्ज अनामिका व आकांक्षा रहेंगी। सेंटर में प्रशिक्षण का कार्य सोमवार से शुरू किया जाएगा। इस मौके पर जुली, अनामिका सहित कई लोग मौजूद थे।

खलारी से जदयू कार्यकर्ता प्रदेश कार्यकर्ता सम्मेलन में हुए शामिल

डकरा (आजाद सिपाही)। जनता दल यूनाइटेड के नवनियुक्त खलारी प्रखण्ड अध्यक्ष आनंद कुमार तुरी के नेतृत्व में रविवार को दर्जनों जदयू कार्यकर्ता झारखण्ड प्रदेश जदयू कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यकर्ता सम्मेलन में जदयू राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह तथा झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष सह राज्य सभा सदस्य खीरू महतो की उपस्थिति में उपस्थित सभी नए कार्यकताओं ने सदस्यता ग्रहण किया। इस दौरान प्रखण्ड अध्यक्ष आनंद कुमार तुरी ने कहा कि खलारी प्रखण्ड के संपुर्ण विकास के लिए जदयू खलारी प्रखण्ड के कार्यकताओं ने प्रतिज्ञा ली है। वहीं उन्होने बताया कि दो से तीन दिन के अंदर जदयू खलारी प्रखण्ड कमेटी का पुर्ण विस्तार कर लिया जाएगा। सम्मेलन में भाग लेने वालों में श्यामजी महतो, संध्या कुमारी, पुसन तुरी, रवीन्द्रनाथ चौधरी, नागेश्वर मुंडा, सोनू यादव, अमन नोनिया, सुजीत कुमार, सुरेन्द्र राम, राकेश चौहान, जीवन रजवार, डॉ.राजकुमार, राहुल भारती, श्रवण नोनिया, कार्तिक खंडित, सोनू महतो, नीरज कुमार, अजय महतो, सुनील कुमार, महेन्द्र पटेल, मुकेश चौधरी, शंकर नोनिया, अमित लोहरा, मुकेश चौधरी, अखिलेश महतो, बुधराम मुंडा सहित अन्य शामिल थे।

लम्बा धौड़ा छठ पूजा कमेटी के अध्यक्ष बने श्याम महतो व सचिव राजकुमार

डकरा (आजाद सिपाही) । लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा की तैयारी को लेकर खलारी केडी साईडिंग स्थित लम्बा धौड़ा छठ पूजा घाट पर रविवार को सुजीत कुमार की अध्यक्षता में बैठक की गई। इस बैठक में पूजा की तैयारियों को लेकर सर्वसम्मति से नई कमिटी का गठन किया गया। जिनमें छठ पूजा कमिटी का अध्यक्ष श्याम महतो को बनाया गया है वहीं महासचिव जीवन रजवार, सचिव डॉ राजकुमार, कोषाध्यक्ष राहुल कुमार, उपाध्यक्ष सुजीत कुमार उर्फ पुतुल, सुनील महतो, सह-कोषाध्यक्ष अजय, सलाहकार समिति सुनील यादव, संरक्षक राजकुमार, संतोष सिंह, बुधराम मुंडा एवं कार्यकारणी सदस्य रामजी महतो, शंकर चौहान, श्रवण, सोनू, महेंद्र, रुद्रप्रताप सिंह, कार्तिक, रंजन, अखिलेश, मिंटू, सतेंद्र, मुकेश, नीरज, अमन, नागेश्वर, सचिन, पवन, परमेश्वर, सूरजमल, सुनील उरांव को बनाया गया है।

अवैध बालू लदे चार हाइवा को एसडीओ ने किया जब्त

खूंटी (आजाद सिपाही)। जिला प्रशासन बालू के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ लगातार करवाई कर रहा है। इसे बाद भी रेत का खेल बेरोकटोक जारी है। जिले के कर्रा, तोरपा और जरियागढ़ थाना क्षेत्र में बालू के अवैध कारोबार की सूचना लगातार जिला प्रशासन को मिल रही थी। इसे देखते हुए शनिवार की रात लगभग दो बजे से प्रभारी अनुमंडल पदाधिकारी जितेंद्र मुंडा व खान निरीक्षक सुबोध कुमार सिंह ने तोरपा में छापामारी कर टाटी रोड व कसमार के पास अवैध रूप से बालू ले कर जा रहे चार हाइवा को जब्त किया। चारों हाइवा को को लेकर तोरपा थाने में मामला दर्ज कराया गया। जब्त हाइवा का रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच 09 एटी 8422, जेएच01 डीएल 9829, जेएच01 डीबी 2608 और यूपी 83 एटी 5171 है। बताया गया सभी हाइवा के चालक रात के अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। खनन विभाग ने हाइवा को जब्त कर तोरपा पुलिस को सौंप दिया और खान एवं खनिज अधिनियम की सुसंगत धाराओं के तहत वाहन के मालिकों और चालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं एसडीओ ने कहा ने कि अवैध खनन के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। छापेमारी टीम में तोरपा थाना प्रभारी सत्यजीत कुमार भी शामिल थे।

तमाड़ में करम मिलन समारोह का आयोजन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखण्ड के सुदूर कुंदला गांव में करम मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कुंदला गाँव के जनजातीय समुदाय के सामुहिक प्रयास से कार्यक्रम आयोजित किया गया यहां आदिवासी संस्कृति और परंपरा का मूर्त रूप देखा गया.सभी महिला पुरुष आदिवासी परिधान के मनमोहक वेषभूषा में नृत्य गान कर रहे थे. कार्यक्रम के प्रारंभ में गाँव के पाहान द्वारा करम डाली का पूजा किया गया,और सामुहिक रुप से सभी ने जल जंगल और जमीन की रक्षा का संकल्प लिया. करम मिलन समारोह में नृत्य और गान के साथ ही आये हुए अतिथियों द्वारा अपने संबोधन से आदिवासी धर्म संस्कृति और परंपरा को बचाने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया. कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मुख्य रूप से प्रेम शाही मुण्डा, सिदाम सिंह मुण्डा, गुंजल इकिर मुण्डा, सहदेव मुण्डा, सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह मुण्डा, पूर्ण चंद मुण्डा, , राजेन्द्र सिंह मुण्डा, गिरिश मुण्डा, आदित्यनाथ मुण्डा, कृष्णा सिंह मुण्डा, दुर्गावती ओड़ेया,जय नंदन मुण्डा,, श्याम लाल मुण्डा, लाल सिंह मुण्डा, रामधन मुण्डा, मेघलाल मुण्डा,, छुटु लोहरा, मुखिया शकुन्तला देवी, परमानंद सिंह मुण्डा, जगमोहन , अजित सिंह मुण्डा, सबरण मुण्डा,पंचानन सिंह मुण्डा, बुधु सिंह , सुधिर मुण्डा महेश मुण्डा, श्याम चांद मुण्डा, परमेश्वर मुण्डा, जागरण मुण्डा, सुभाष मुण्डा,सहित सैकड़ों महिला पुरुष के साथ ही तमाड़, बुण्डू, राहे सोनाहातु के लोग शामिल थे। करम मिलन समारोह में सभी अतिथियों को आदिवासी गमछा देकर सम्मानित किया गया।

होटल रेडिसन ब्लू में नीमफूल उत्पादक समूह ने देसी झारखंडी व्यंजनों की प्रदर्शनी लगायी

आजाद सिपाही संवाददाता

सिकिदीरी। होटल रेडिसन ब्लू में आयोजित व्यंजन प्रदर्शनी में अनगड़ा प्रखंड के कुच्चू तथा बदरी गांव में संचालित किसान उत्पादक समूह की दीदियों ने देसी झारखंडी व्यंजनों की प्रदर्शनी लगायी। व्यंजन प्रदर्शनी में मड़ुवा का हलवा, छिलका रोटी, ब्लू, कोहड़ा फूल का बचका, सनई फूल का सब्जी, बेंग साग की चटनी, गोड़ा भात, मकई भात, कच्चू पत्ता की सब्जी, आरू कांदा की सब्जी शामिल थी। देसी व्यंजन में मुख्य रूप से मड़ुवा लड्डू की काफी प्रशंसा हुई। ज्ञात हो कि शुक्रवार को होटल रेडिशन ब्लू के प्रतिनिधियों ने नीमफुल किसान उत्पादक समूह के जैविक खेती से उत्पादित फसलों का मुआयना किया था और उत्पादित खाद्य प्रदार्थों से झारखंडी व्यंजन को होटल के सेमिनार में लगवाने के लिए रविवार को आमंत्रित किया था। देसी व्यंजनों के सेमिनार में नीमफुल किसान उत्पादक समूह का प्रतिनिधित्व समूह की सदस्य पंचमी देवी, उज्जाला देवी, इंदुमती देवी, सबिता देवी आदि ने किया। वहीं ठाकुर दास करमाली, सुबोध बेदिया, चतुर बेदिया आदि ने जैविक खाद्य सब्जियों का स्टॉल लगाया। स्टॉल में जैविक सब्जियों में गोबी, टमाटर, खीरा, सरसों तेल, मधु, कुर्थी की दाल, अरहर की दाल, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा पाउडर आदि शामिल हैं। कार्यक्रम का आयोजन रामचंद्र उरांव, प्रमुख सैफ सहयोगी उमेश भलावी के दिशा निर्देश में तथा हेमंत मेहता, शैलेश गुरुंग के मार्गदर्शन में किया गया।

सिरका पंचायत को नशा मुक्त पंचायत बनाने का लिया गया संकल्प

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। सिरका पंचायत को नशामुक्त पंचायत बनाने को लेकर चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे रविवार को मुखिया रोशनलाल मुण्डा ने गांधीग्राम मे ग्रामीणों के साथ एक बैठक की। बैठक मे मुखिया रोशनलाल मुण्डा ने पंचायत को नशामुक्त कर एक आर्दश पंचायत बनाने के लिए ग्रामीणों से सहयोग की अपील की। कहा कि नशा का कारोबार करने वाले समाज के दुश्मन हैं। नशामुक्त कर हम समाज और परिवार को एक बेहतर और खुशहाल जिंदगी दे सकते हैं। कहा कि इस अभियान मे महिलाओं को विशेष रूप से आगे आना होगा। मौके पर सभी ग्रामीणों ने मुखिया के पहलकदमी की सराहना करते हुए पंचायत मे शराब बनाने वालों तथा सेवन करने वालों के खिलाफ मुहिम चलाने का निर्णय लिया। मुखिया ने कहा कि विगत दिनों सभी नवनिर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों को पद व गोपनीयता की शपथ के साथ नशामुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई गई थी जिसे धरातल पर सार्थक कर दिखाना है। कहा कि अब प्रत्येक ग्रामसभा की बैठक मे नशा मुक्ति अभियान की भी चर्चा की जानी चाहिए। मुखिया के इस प्रस्ताव का सबों ने पूरजोर समर्थन किया। बैठक मे वार्ड सदस्य रेणू देवी, समाजसेवी संजय नायक, कुलेश्वर मुण्डा, रीना देवी, सरस्वती देवी, अजीत महतो, शिबु मुण्डा, पारस महतो, कालीचरण मुण्डा, राजू मुण्डा आदि मौजूद थे।

पीएचडी की उपाधि पानेवाले डॉ सुरेश महतो को ग्रामीणों ने किया सम्मानित

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। कांके प्रखण्ड के नयाटोली मेसरा निवासी डॉ सुरेश कुमार महतो ने रामकृष्ण मिशन विवेकानंद शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान से पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इस उपलब्धि से हर्षित ग्रामीणों ने रविवार को गोंदलीपोखर मे डॉ सुरेश कुमार महतो का अभिनंदन किया तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर झारखण्ड कुरमी महासभा के प्रदेश महासचिव कारीनाथ महतो ने कहा कि यह गौरव का क्षण है कि एक गरीब किसान के बेटे ने गरीबी और अभाव से जुझते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि क्षेत्र के लोगों को गौरवान्वित किया है। मौके पर पंसस मदरा मुण्डा, जगन्नाथ महतो, ज्योतिष महतो, सकलनाथ महतो, आतिश महतो, प्रदीप पाहन, बृजलाल महतो, बालेश्वर महतो आदि उपस्थित थे।

बेड़ो में नियति ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन

बेड़ो (आजाद सिपाही)। प्रखंड के पुरियो गांव में रविवार पंचायत के मुखिया नीरज कुजूर ने विधिवत फीता काटकर ग्राहक सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। मौके पर मुखिया नीरज ने कहा कि इस केंद्र के खुलने से गांव के लोगों को काफी सुविधा होगी। इससे पहले पंचायत के लोगों को छोटे-छोटे कामों के लिए बेड़ो जाना पड़ता था। जहां कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन ग्राहक सेवा केंद्र खुल जाने से अब लोगों की समस्या कम हो जायेगी। उन्होंने केंद्र संचालक देवेंद्र कुमार को शुभकामनाएं दी। साथ ही केंद्र को अच्छी तरह से संचालित करने का आग्रह किया। मौके पर महेश प्रजापति, गोपाल महतो, सुभाष उरांव, रंथु महतो, मुकेश महतो, दिनेश महतो, गोविंद महतो, बिहारी महतो, गोपाल महतो सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

दुर्घटना : कंटेनर की चपेट में आने से बाइक सवार इस्लाम अंसारी की मौत, एक घायल

मौत के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम की

ओरमांझी पुलिस ने भारी मशक्कत के बाद लोगों को समझाकर हटवाया जाम

आजाद सिपाही संवाददाता

ओरमांझी। चकला निवासी इस्लाम अंसारी और छोटे बाइक संख्या जेएच 01बी एच 2201 से किसी काम से रांची की ओर जा रहे थे। तभी पीछे से तेज गति से आ रही कंटेनर नं. आरजे 14 जी 0015 ने बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। जिससे बाइक पर सवार इस्लाम अंसारी सड़क पर गिर गए जिस पर कंटेनर का पिछला चक्का चढ़ जाने के कारण घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक चला रहे छोटे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तत्काल इलाज के लिए मेदान्ता अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल की स्थिति खतरे से बाहर बतायी जा रही है।

इस्लाम अंसारी की मौत की खबर सुनकर स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर दिया। घटना की खबर सुनकर ओरमांझी पुलिस सदलबल घटनास्थल पहुंची। जाम हटाने के लिए ओरमांझी पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। लोगों का कहना था कि घटनास्थल पर सड़क के दोनों ओर जाम की स्थिति बनी रहती है। साथ ही पर गाड़ियां खड़ी रहती हैं। जिसे कारण हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस ओर प्रशासन का रवैया हमेशा उदासीन बना रहता है। सड़क जाम हटवाने में पुलिस संग उप प्रमुख रिजवान अंसारी का बहुत बड़ा योगदान रहा। सरकार द्वारा मिलने वाली सहायता के आश्वासन के बाद लोगों ने जाम हटाया। इस्लाम अंसारी इससे पहले भी दुर्घटना में एक हाथ से विकलांग हो गए थे। इस्लाम अंसारी पान की दुकान चलाकर अपना परिवार चला रहे थे। परिवार का मुखिया होने के नाते इस्लाम अंसारी के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी रजिया खातून का रो रो कर बुरा हाल है।

मांगों को लेकर आमया संगठन की राजभवन के समक्ष चौपाल 22 नवबंर को

रांची के अंजुमन प्लाजा में आमया संगठन की बैठक में सरकार के नाम श्वेत पत्र किया गया जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रातू। रांची के अंजुमन प्लाजा स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में रविवार को आमया संगठन ने बैठक कर सरकार के नाम श्वेत पत्र जारी किया। पत्र में मोब्लिंचिंग पीड़ित परिवार को मुआवजा देने, मुसलमानों के साथ हो रहे भेदभाव पर रोक लगाने, उर्दू स्कूलों को समान्य विद्यालय घोषित करने, उर्दू प्रारंभिक शिक्षक के पदों को भरने, उर्दू विषय के आरक्षित पदों को पिछड़ा एवं समान्य वर्ग से भरने, 15 सूत्री कमेटी का गठऩ, राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड का पुनर्गठन, राज्य अल्पसंख्यक आयोग का पुनर्गठन, अल्पसंख्यक वित्त विकास निगम में निदेशक मनोनीत, मदरसा बोर्ड एवं उर्दू एकेडेमी का गठऩ, आलिम एवं फाजिल की परीक्षा रांची विश्वविद्यालय में कराने, सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में ठेका, सप्लाई एवं रोजगार देने तथा अल्पसंख्यक बहुल प्रखंडों में आवासीय विद्यालय खोलने की मांग की गयी है।

आमया संगठन के अध्यक्ष एस अली ने कहा महागठबंधन दल ने घोषणा पत्र में जो वादे किये थे सरकार गठन के बाद वो भूल गई है, अधिकार और न्याय मांगने वालों को उग्रवादी संगठनों के साथ जोड़ जा रहा है। इसे लेकर 22 नवम्बर को राजभवन के समक्ष चौपाल लगायी जाएगी। श्वेत पत्र कार्यक्रम में साहेबगंज, देवघर, गिरिडीह, लोहरदगा, पूर्वी सिंहभूम आदि जिलों से भी लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से जियाउद्दीन अंसारी, नौशाद आलम, रहमतुल्लाह अंसारी, गालिब नस्तर, पप्पू खान, एकराम हुसैन, गफ्फार अंसारी, औरंगजेब आलम, सईद अंसारी, मो गुलजार, इमरोज अंसारी, शामी अहमद, अंजुम खान, मो अकरम, अफजल खान, आसीफ रूहहुल्ला, अफताब आलम, नसीम अख्तर, अब्दुल बारी, सिद्दीक अंसारी, फिरोज अंसारी, आसीफ अंसारी, मो इकबाल आदि शामिल थे।

चान्हो प्रखंड के पतरातू में लगेगा गोबर गैस प्लांट

आजाद सिपाही संवाददाता

चान्हो। प्रखंड के पतरातु में रविवार को गैर सरकारी संगठन प्रज्ञा सेवा संस्थान लोहरदगा के द्वारा सामूहिक बायोगैस संयंत्र बनाने को लेकर संचालन समिति का गठन किया गया। संस्थान के दुर्गेश कुमार सिंह एवं सौरभ पांडे की उपस्थिति में कार्यकारिणी समिति की चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई।

राजकीय मध्य विद्यालय के प्रांगण में ग्रामीणों की एक बैठक में सर्वसम्मति से गांव के ही भानु महतो को अध्यक्ष बनाया गया।

मौके पर उपस्थित प्रज्ञा सेवा संस्थान के प्रतिनिधि दुर्गेश कुमार सिंह ने बायोगैस संयंत्र के फायदे के बारे में बतलाया। उन्होने कहा कि सामूहिक बायोगैस संयंत्र से ईंधन के खर्चे में काफी कमी आयेगी। 24 घंटे गृहणीयों को उनके चौके में भोजन पकाने के लिए गैस उपलब्ध होगा। साथ ही ये चूल्हा धुंआ रहित होगा, जिससे बहुत सारी बीमारियों से बचा जा सकेगा। गली और मोहल्लों में बिखरे हुए गोबर के नियमित उठाओ से साफ सफाई और स्वच्छता होगी। गोबर गैस के उत्पादन से निकले स्लरी का केंचुआ खाद निर्माण द्वारा आर्थ-लाभ भी होगा। और सबसे बड़ी बात कि ग्रामीणों में सहकारिता की भावना बढ़ेगी। ग्रामीणों ने अपनी सहमति दी और खुशी जाहिर की।

मौके पर अध्यक्ष भानू महतो, दिलीप कुमार, मनोज, अनुज, हरी राम, पिंकी देवी, सरो देवी, सुनीता देवी, बिशुन बैठा, अशोक राम, चंदन महतो समेत सभी 60 घरों के अभिभवक उपस्थित थे।

बैठक : आजसू बुद्धिजीवी मंच अनगड़ा प्रखंड इकाई का गठन, डॉ मुकुंद चंद्र मेहता ने कहा

बुद्धिजीवी समाज में वैचारिक क्रांति के सूत्रधार बन सकते हैं

बैठक के दौरान अनगड़ा में आजसू पार्टी को सींचनेवाले आंदोलकारी जग्रनाथ महतो एवं मुजफ्फर आलम को किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। डाक बंगला अनगड़ा में रविवार को आजसू पार्टी की सहयोगी संगठन अखिल झारखंड बुद्धिजीवी मंच की बैठक मदरा मुण्डा की अध्यक्षता में हुई। मुख्य अतिथि अखिल झारखंड बुद्धिजीवी मंच के जिलाध्यक्ष डॉ मुकूंद चंद्र मेहता थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर मंच के केन्द्रीय सदस्य अरविंद कुमार, आजसू के केन्द्रीय सचिव राजेन्द्र शाही मुण्डा, आजसू के जिला उपाध्यक्ष विरेन्द्र सिंह भोगता, जलनाथ चौधरी, सज्जाद आलम आदि उपस्थित हुए। मौके पर डॉ मुकूंद चंद्र मेहता ने कहा कि बुद्धिजीवियों को समाज की जिम्मेवारी उठाने की जरूरत है। युवाओं को अगर सही समय पर मार्गदर्शन दिया जाए तो वे समाज की तस्वीर बदल सकते हैं। बुद्धिजीवियों में वैचारिक क्रांति के माध्यम से सामाजिक व राजनीतिक परिवर्तन लाने की अपार क्षमता है। नयी पीढ़ी को आंदोलन का रास्ता बताना बुद्धिजीवी वर्ग का दायित्व है। कोरोना काल के बाद बुद्धिजीवी मंच थोड़ा शिथिल दिखाई दे रहा था जिसे पार्टी के निष्ठावान व समर्पित सिपाही सज्जाद आलम ने फिर से सक्रियता प्रदान करने की कोशिश की है। इसके लिए सज्जाद आलम की सराहना की गई। बैठक में अरविंद कुमार, राजेन्द्र शाही मुंडा, विरेंद्र सिंह भोगता, जलनाथ चौधरी, राजेश पाहन, अजीत महतो, जग्रनाथ महतो, मुजफ्फर आलम आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

बैठक के दौरान अनगड़ा मे आजसू पार्टी को सींचने वाले आंदोलकारी जग्रनाथ महतो एवं मुजफ्फर आलम को सम्मानित किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से आजूस बुद्धिजीवी मंच अनगड़ा प्रखंड इकाई का गठन किया गया। जिसके अध्यक्ष मदरा मुण्डा, उपाध्यक्ष महेश महतो, जयदेव पाण्डेय, संगठन सचिव बालेश्वर महतो, लहरू महतो एवं कोषाध्यक्ष नसीम अख्तर चुने गये। मौके पर सभी का माला पहनाकर स्वागत किया गया। संचालन जगन्नाथ महतो एवं धन्यवाद ज्ञापन धर्मेंद्र सिंह ने किया। बैठक महाबीर महतो, किशुन महतो, अर्जुन राम, आशाराम महतो, प्रेम कुमार, मोहन महतो, रामनाथ महतो, रूपनाथ साहू, संजय कुमार, केशव महतो, भगतू बेदिया, लालदेव महतो, सुरेश महतो, धनीराम मुंडा आदि उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

लापुंग के दोलैचा में जतरा मेला सह नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

लापुंग (आजाद सिपाही)। लापुंग प्रखंड के दोलैचा में दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में शनिवार को जतरा मेला सह नागपुरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन समाजसेवी किशोर साहू सह तेली समाज के संयोजक ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा के अवसर पर यह रंगारंग कार्यक्रम लोगों को मनोरंजन के साथ नागपुरी लोकगीत को बचाये रखने में अहम भूमिका निभाता है। जतरा मेला हमारी पुरखों की धरोहर है इसे बचाये रखना है। मौके पर नागपुरी कला मंच के अनेक कलाकार मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जगदीश बड़ाईक, आरती देवी, सरीता बड़ाईक, रीमा ठाकुर, काजल कुमारी ने लोगों को गीत व डांस कर खूब झुमाया। वहीं मेले में ईख, मिठाई, खिलौनों की खुब बिक्री हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने में सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति दौलैचा के अध्यक्ष व पदाधिकारियों के साथ सदस्यों का योगदान रहा। मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम की सफलता पर लोगों व पुलिस प्रशासन को बधाई दी।

नामकुम में भोजपुरी गायक टुनटुन यादव के गीतों पर झूमे लोग

नामकुम (आजाद सिपाही)। नामकुम नवयुवक संघ जय माता दी क्लब नामकुम रेलवे स्टेशन की ओर से पूजा समापन के बाद शनिवार रात भोजपुरी रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महावीर मंडल के अध्यक्ष जय सिंह यादव, राजद नेता सह समिति के अध्यक्ष विनोद सिंह यादव एवं महावीर मंडल के महामंत्री दीपक ओझा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर जय सिंह यादव ने कहा कि आज भाग दौड़ की जिंदगी में संगीत सुनने से आत्म शांति मिलती है। संगीत से आपसी भाईचारा भी बढ़ता है। समिति के अध्यक्ष विनोद सिंह ने लोगों से शांति से कार्यक्रम का आनंद लेने की बात कही। कार्यक्रम में बिहार आरा के पकड़ी से आये भोजपुरी सुपरस्टार गायक टुनटुन यादव ने अपना जलवा बिखेरा। इस दौरान भारी संख्या में स्थानीय लोगों ने टुनटुन यादव के कार्यक्रम का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम की शुरूआत भक्ति संगीत के माध्यम से किया गया। जिसके बाद अन्य कई गाने स्थानीय लोगों की मांग पर भी गाए गये। जिसमें लोग थिरकने पर मजबूर हो गये। इस दौरान हजारों लोगों की भीड़ जमा हो गयी थी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण हो इसके लिए समिति की ओर से पुलिस बल की तैनाती की गयी थी। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष ने सभी का आभार प्रकट किया।

चंदाघासी में डे-नाइट फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन को लेकर बैठक

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड के ग्राम चंदाघासी में रविवार को 8 नवंबर एवं 9 नवबर को होने वाले कार्तिक पूर्णिमा डुम्बू जतरा के अवसर पर दो दिवसीय डे-नाइट फुटबॉल टूनार्मेंट आयोजन का बैठक किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि टूनार्मेंट में कूल 16 टीम भाग लेंगी। टूनार्मेंट में भाग लेने के लिये इंट्री फीस 25 हजार तय की गई है। प्रथम पुरस्कार 2 लाख 10 हजार, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख 51 हजार, तृतीय पुरस्कार 51 हजार एवं चतुर्थ पुरस्कार 51 हजार रखा गया है। वहीं, महिलाओं की प्रदर्शनी मैच में महिला टीम के लिए प्रथम पुरस्कार 21 हजार एवं द्वितीय पुरस्कार 15 हजार रखा गया है। बैठक में मुख्य रूप से चंदाघासी के ग्राम प्रधान मोसो तिर्की, मुखिया संदीप मुंडा, लालखटंगा पंचायत के पूर्व मुखिया रितेश उरांव, शेखर महतो, अनिल महतो, टीनू महतो, महावीर साहू, रवि एक्का,गोपाल तिर्की, पुष्कर महतो, सुखदेव कच्छप, अमित महतो, कुलदीप महतो, देवेंद्र महतो, बिनु महतो, संदीप महतो एवं सभी सदस्य उपस्थित थे।

चान्हो स्थित जामा मस्जिद तरंगा की दूसरी मंजिल छत की ढलाई संपन्न

चान्हो (आजाद सिपाही)। प्रखंड स्थित तरंगा में रविवार को जामा मस्जिद की दूसरी मंजिला छत की ढलाई संपन्न हुई। इसमें लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। चंदा में प्रथम पांच कढ़ाही की डाक की गई, जिसमें प्रथम कड़ाही को हसन खान ने 1 लाख 60 हजार रुपए देकर अपने नाम किया। वहीं अन्य कढ़ाही को निजाम खान 82 हजार, सनामुल खान 52 हजार, हनान मियां 55 हजार और हाफिज महताब ने 30 हजार देकर अपने नाम किया। मौके पर मुफ्ती अंजर कासमी ने कहा कि मस्जिद अल्लाह का घर है। इसे तामीर करना बाइसे सवाब है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले अतिथियों में मुफ्ती मुजाहिद, मौलाना अब्दुल सत्तार मजाहिरी थे। ढलाई कार्य में सदर जावेद खान, सेक्रेट्री जनाब अयूब खान समेत गांव के सभी लोगों का भरपूर सहयोग रहा। मौके पर सरपंच तबरेज खान, मुखिया सिबरा उरांव, ताहिर खान, मौलाना सतार, महताब मियां, मौजिम असलम, हाफिज आबिद हुसैन, हनान मिया, अब्दुल्ला मिया, जीलानी खान, हसन खान, अब्दुल्ला खान समेत आसपास के गांव के लोग भी मौजूद थे।

पिस्का रेलवे स्टेशन ओवरब्रिज के समीप ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला की मृत्यु

पिस्कानगड़ी (आजाद सिपाही)। नगड़ी थाना क्षेत्र के पिस्का रेलवे स्टेशन से आगे ओवरब्रिज के समीप ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात महिला की मृत्यु हो गई। समाचार लिखे जाने तक शव लाइन में ही पड़ा था। रेलवे पुलिस जीआरपी के पहुंचने की सूचना है। जानकारी के अनुसार राजधानी एक्सप्रेस पिस्का स्टेशन से पार कर रही थी कि अचानक महिला चपेट में आ गयी। जिससे उसका शव क्षत विक्षत हो गया। शव का शरीर अलग हाथ-पैर अलग हो गया था। यह घटना पोल संख्या 432/13-14 और गेट न. आर टी 19 के पास घटी है। स्थानीय पुलिस काफी प्रयास कर रही थी कि पहचान हो सके लेकिन पहचान नहीं हो पायी।

निगम क्षेत्र में सवा दो करोड़ की सड़क निर्माण में रंगदारी की मांग

संवेदक को पिस्तौल के बट से मारकर किया जख्मी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पुलिस की तमाम कार्रवाई के बावजूद रंगदारी मांगने की घटनाओं में कमी नहीं आ पा रही है। ताजा मामला नगर निगम की एक सड़क का सामने आया है। करीब तीन दशक बाद मेदिनीनगर से सटे चैनपुर के शाहपुर से कल्याणपुर तक बन रही सड़क निर्माण में रंगदारी की मांग की गई है। रंगदारी नहीं देने पर रविवार को संवेदक हरेंद्र सिंह पर जानलेवा हमला किया गया। पिस्तौल के बट से सिर पर वार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया गया। संवेदक को इलाज के लिए एमआरएमसीएच में भर्ती किया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। मालुम हो कि दो माह पूर्व नगर निगम की महापौर अरुणा शंकर ने तीन दशक से लंबित शाहपुर कल्याणपुर मुख्य सड़क की आधारशिला रखी थी। इस सड़क की लागत करीब सवा दो करोड़ रुपए है। जो 4 से 5 किलोमीटर लंबी सड़क है। सड़क का निर्माण शुरू कर दिया गया है। नगर निगम के वार्ड नंबर 33 के कल्याणपुर में सड़क का निर्माण कार्य दो महीने से चल रहा है। जख्मी ठेकेदार हरेंद्र सिंह ने बताया कि सवा दो करोड़ की लागत से पौने चार किलोमीटर रोड बनाया जा रहा है। काम शुरू होने के साथ ही कल्याणपुर के रहने वाले मनोज चौधरी ने रंगदारी टैक्स मांगा था। इसे लेकर मनोज के घर मुहल्ले वालों के मौजूदगी में बैठक हुई थी। इसके बाद बिना रंगदारी दिए काम शुरू हो गया था। रविवार को करीब साढ़े दस बजे निर्माण कार्य का जायजा लेने गए हुए थे। इसी दौरान बाइक से उतरते ही मनोज चौधरी ने हमला कर दिया। पिस्तौल के बट से चेहरे पर वार कर दिया। मनोज के साथ पांच अज्ञात लोग भी थे। मनोज ने धमकी दी है की रंगदारी दिए बगैर काम करने पर गोली मार देगें। पिटाई से बेहोश हो जाने पर सड़क बनाने में लगे मजदूरों ने हॉस्पिटल पहुंचाया। ठेकेदार का बयान लेने के बाद पुलिस अपराधियों की गिरफ्तारी में जुटी है।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी

चैनपुर के थाना प्रभारी उदय कुमार गुप्ता ने बताया कि ठेकेदार ने जिस मनोज चौधरी के ऊपर रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है, उसके घर के पास मिट्टी की कटाई हो रही थी। मिट्टी कटाई के पैसे मनोज चौधरी ने संवेदक से मांगे थे। इसे लेकर विवाद हुआ। इस संबंध में मनोज चौधरी के खिलाफ रंगदारी मांगने से संबंधित प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। 2 महीने पहले से रंगदारी मांगने की बात कही जा रही है, लेकिन कितनी राशि मांगी जा रही थी यह स्पष्ट नहीं किया गया है। इससे लगता है कि मामला कुछ और हो सकता है। घटना मनोज चौधरी के दरवाजे पर हुई। संवेदक को पत्थर से मारा गया है। मनोज चौधरी की तलाश की जा रही है। उसका बयान आने के बाद स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट हो पाएगी।

हरिहरगंज यादव महासभा ने मुलायम सिंह यादव के निधन पर दी श्रद्धांजलि

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। नगर क्षेत्र के मोतीराज कॉलेज परिसर में रविवार को हरिहरगंज प्रखण्ड के यादव महासभा ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सह भारत सरकार के पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इस दौरान यादव महासभा के कार्य कताओं ने कहा कि मुलायम सिंह यादव किसानों और असहाय लोगों के लिए मसिहा थे।इस मौके पर यादव महासभा के प्रखंड अध्यक्ष इंजीनियर संजय कुमार यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र यादव, डॉ जगनारायण यादव, संरक्षक योगेंद्र यादव, रामस्वरूप यादव, नगर अध्यक्ष अशोक यादव, पिंटू यादव ,सचिव छोटू यादव, शिक्षक सूरज यादव, सुनील यादव, विश्वनाथ यादव, खड़कपुर पंचायत के उपाध्यक्ष मंटू यादव, रामप्रसाद यादव, रामकुमार यादव, सरोज यादव, संतोष यादव ,गोपाल यादव, मिथिलेश कुमार, ओमप्रकाश यादव, सोबई पासवान, विनोद व्यास,आलोक कुमार आदि यादव महासभा के कार्यकताओं ने शोक व्यक्त करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना किया।

आरपीएस स्कूल जपला में इंटर हाउस इंग्लिश स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। आरपीएस पब्लिक स्कूल जपला में इंटर हाउस इंग्लिश स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें जूनियर एवम सब जूनियर ग्रुप के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।स्पेलिंग प्रतियोगिता बड़े ही रोचक ढंग से स्मार्ट बोर्ड एवम पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के द्वारा संपन्न की गई।इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने इंग्लिश शब्दो का उच्चारण एवम वर्तनी के ज्ञान को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के नौ राउंड का समावेश था। इस प्रतियोगिता के बीच -बीच मे श्रोताओं के लिए भी प्रश्न रखे गए।जिनमे उन्होंने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप में प्रथम स्थान पर हैपी सिंह,प्रियांशु गुप्ता,प्रार्थना पाठक, द्वितीय स्थान पर प्रियांशु यादव,रोहन सिंह,जीशान और तृतीय स्थान पर जया पाठक ,कृष सिंह, अभिषेक कुमार का नाम शामिल है।वही सब जूनियर ग्रुप में प्रथम स्थान पर आदित्य सिंह,मयंक राज,शिवेश गुप्ता,द्वितीय स्थान पर सूर्यान्शु कुमार,मयंक कुमार,नैतिक प्रकाश और तृतीय स्थान पर हिमांशु कुशवाहा ,नैंशि सिंह,आदित्य कुमार रहे।प्रतियोगिता में अव्वल आये छात्र-छात्राओं को बिद्यालय प्रबंधन की ओर से पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया।मौके पर बिद्यालय के प्राचार्य मनुज शर्मा ने कहा कि इस तरह के प्रतियोगिता से बच्चों का मानसिक विकास होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।मौके पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मी समेत सैकड़ो की संख्या में छात्र-छात्राए मौजूद थे।

पंचायत प्रतिनिधियों ने किया आंगनवाड़ी भवन निर्माण का शिलान्यास

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद प्रखंड क्षेत्र के महूदण्ड पंचायत के महूदण्ड गांव में आंगनबाड़ी केंद्र के भवन निर्माण का शिलान्यास पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि शिव शंकर यादव,उप मुखिया रामबली यादव,समाजसेवी कामेश्वर विश्वकर्मा व पीडीएस डीलर जितेंद्र यादव ने संयुक्त रूप से किया। मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि महूदण्ड गांव में बाल विकास परियोजना के सहयोग से आंगनबाड़ी केंद्र भवन निर्माण का शिलान्यास किया गया। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर पंचायत के सभी वार्ड में आंगनबाड़ी केंद्र के भवन का निर्माण कराया जाएगा। जिससे इसमें स्कूल पूर्व शिक्षा के लिए आने वाले बच्चों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं हो। उन्होंने कहा कि अब पंचायत में विकास कार्यों में तेजी लाई जाएगी, ताकि आम लोगों को विकास का लाभ मिल सके एवं मजदूरों को पलायन करने से रोका जा सके। मौके पर विश्वनाथ साह,जितेंद्र यादव, हरी यादव,उमेश यादव,बीरेंद्र राम, मुन्ना कुमार,विजय ठाकुर,ओमप्रकाश रवि , गुड्डू विश्वकर्मा आदि मौजूद थे।

ससुराल गये युवक का तालाब में मिला शव, दो दिनों से था लापता

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। जिला मुख्यालय मेदिनीनीनगर से सटे चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर सेमरताड़ गांव के रैनीबांध तालाब से एक युवक का शव रविवार को बरामद किया गया. युवक की पहचान कुंड मोहल्ला निवासी स्वर्गीय जवाहर चंद्रवंशी के पुत्र अमित कुमार (22 वर्ष) के रूप में हुई है. अमित का ससुराल तालाब से सटे इलाके में था. वह ससुराल में ही आया था, लेकिन 2 दिनों से उसका कोई अता-पता नहीं चल रहा था. स्थानीय लोगों ने उसका शव तालाब में तैरते देखा. तालाब में शव देखे जाने के बाद चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया. पुलिस की शुरूआती जांच में युवक की मौत पानी में डूबने से बताया गया है. शव को कब्जे में लेने के बाद पुलिस पोस्टमार्टम के लिए एनआरएमसीएच में भेज दिया है. छानबीन में यह भी सामने आया है कि मृतक शराब का आदी था. अक्सर नशे में ही रहा करता था. संभवत नशे की हालत में तलाब में गिरने के कारण उसकी मौत हुई है.

2 दिन पहले आया था ससुराल

युवक दो दिन पहले ससुराल सेमरताड़ आया था. परिवार वालों ने ससुराल वालों पर हत्या कर शव तालाब में डालने का आरोप लगाया है. तीन साल पहले अमित चैनपुर थाना क्षेत्र के सेमरटांड़ की रीमा के साथ लव मैरेज किया था. मृतक के चाचा नन्हक राम ने बताया कि अमित की पत्नी ससुराल में बहुत कम रहती थी. नैहर से कभी कभार आती थी. दो माह पहले आई थी, लेकिन लड़ाई झगड़ा कर एक दिन में ही चली गई थी. उसी को लाने के लिए अमित गया हुआ था. रविवार की सुबह उसकी पत्नी ने ही फोन कर बताया कि तालाब में डूबने से मौत हो गया है. अमित की मौत के बाद उसके ससुराल का कोई भी व्यक्ति न हॉस्पिटल पंहुचा ना ही घर. अमित की सास और पत्नी ने उसे मारने के बाद तालाब में फेंक दिया. चैनपुर थाना प्रभारी उदय गुप्ता का कहना है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है. प्रथम द्दष्टया मामला तालाब में डूबने से मौत का प्रतीत हो रहा है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा.

प्रतिमा पुनर्स्थापना के नाम पर दलित, पिछड़ा को टारगेट करना दुर्भाग्यपूर्ण : शशि कुमार

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पूर्व विधायक स्व. हरिहर सिंह के प्रतिमा को स्थानांतरित करने के लिए राजनीतिक सरगर्मी को नगर पंचायत अध्यक्ष ने राजनीतिक दुर्भावना से ग्रषित हो कर दलित, पिछड़ा वर्ग के लोगो को व्यक्तिगत रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने एक प्रेस ब्यान जारी करते हुए कहा हैं की हमलोग अपने सम्मानित नेता के प्रतिमा स्थापना के लिए काफी संवेदनशील हैं इसके लिए हमने नगर पंचायत से टेंडर भी निकाले थे ।वर्तमान में स्वर्गीय हरिहर बाबू के मूर्ति भी हुसैनाबाद के बुद्धिजीवी वर्गों और सर्वसम्मति के निर्णय के अनुसार स्थापित की जाएगी। लेकिन वर्तमान में उनके नाम पर गंदी राजनीति हो रही है जिससे समाज मे वैमनस्य बढ़ रहा है। यह ओछी राजनीति का परिचायक हैं।आगे उन्होंने कहा कि हुसैनाबाद में सरकारी भूमि पर भारी मात्रा में अवैध कब्जा किया गया हैं जिसमे एक पूर्व नगर पंचायत कार्यालय के पास भी हैं जो बलिराम सिंह,उर्फ बलि सिंह एवं पूर्व सैनिक के नाम पर अवैध निर्माण भी किया जा रहा हैं। जिसके लिए मैं पूर्व में सभी सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए जेपी चौक पर धरना भी दिया था,लेकिन उस समय कोई बड़े नेता नही आए क्योंकि उस जमीन पर एक विशेष जाती एवं सामंतवादी मानसिकता के व्यक्ति का कब्जा हैं।उन्होंने पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष रामेश्वर राम को आड़े हाथों लेते हुए कहा हैं कि अपनी ओछी राजनीति चमकाने के लिए खुद दलित हो कर एक पिछड़े वर्ग के जमीन पर जबरन कब्जा करवाने के लिए सामन्तवादी विचारों के साथ मिलकर धरना दे रहे है।जिन्हें दलित,अकलियत पिछड़ा समाज कभी माफ नही करेगा।आगे उन्होंने यह भी कहा कि वे जनता को बताए कि उस दिन कहा गए थे जब शहर में पिछड़ा वर्ग के जमीन पर जबरन कब्जा किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि मैं अपने जीते जी दलित अकलियत पिछड़ा वर्ग के लोगो पर शोषण बर्दाश्त नही करूँगा।

पूर्व सैनिक की बैठक में एसबीआइ मैनेजर के साथ पेंशन समस्या पर हुई चर्चा

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। पूर्व सैनिक कार्यालय में पेंशनरों की हुसैनाबाद भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य ब्रांच एवं बाजार ब्रांच के शाखा प्रबंधकों के साथ पेंशनर संबंधित समस्याओं पर पूर्व सैनिक कार्यालय में चर्चा हुई । बैठक की शुरूआत भारत माता एवं वीर शहीद जवानों को नमन करते हुए की गई । बैठक की अध्यक्षता प्रमंडलीय अध्यक्ष कैप्टन दुखन सिंह ने की। इस बैठक में बैंक संबंधित समस्याओं की जानकारी उपस्थित ब्रांच मैनेजर को दी गई। सभी की समस्याओं को दोनों ब्रांच मैनेजरों ने ध्यान से सुनकर संगठन के मीडिया प्रभारी हवलदार सुधीर सिंह ने सैनिकों की उपस्थिति एवं कर्तव्य पालन का भरोसा दिलाते हुए ब्रांच मैनेजर को हर संभव सहयोग लेने और देने की बात कही। जिला उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट प्रेमतोष प्रसाद ने अभी तक पेंशनरों की समस्याओं के निदान के लिए कार्यालय द्वारा की गई पत्राचार एवं जिन समस्याओं का हल नहीं हुआ है।उसकी भी कार्यालय पुस्तिका में दर्ज की गई है। उक्त सभी बातों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए बजार एवं मेन ब्रांच के मैनेजर विमल कुमार एवं निरंजन कुमार ने सभी उपस्थित पूर्व सैनिक पेंशनर एवं दूसरे विभागीय पेंशनर्स को आश्वस्त करते हुए हर संभव सहयोग करने की बात कही।बैठक में पूर्व सैनिक सुबेदार सतेंद्र ठाकुर, महराजा सिंह, असर्फी पाल, प्रसाद सिंह, दिलिप मेहता, आर टी मेहता, उदीत सिंह, कपिल देव राम, उदयप्रताप सिंह, सुमेर सिंह, गोरीशंकर ठाकुर, यदुनंदन ठाकुर, पिंटू सिंह, महमुद, दुखन चौधरी के अलावा कई अन्य पेंशनधारी मौजूद थे।

इसके पहले भी देश, विदेश में कई विभिन्न जगहों पर अब तक 45 बार सम्मानित हो चुके हैं पर्यावरणविद कौशल किशोर

प्राइड ऑफ झारखंड की उपाधि से केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के हाथों रांची में नवाजे गए वनराखी मूवमेंट के अगुआ कौशल किशोर जायसवाल

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। सूबे की राजधानी रांची के बीएनआर चाणक्य होटल में एक दैनिक अखबार की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में वनराखी मूवमेंट के अगुआ सह विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पर्यावरण धर्म गुरु व पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल को पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्राइड ऑफ झारखंड नामक उपाधि से नवाजा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के जनजातीय मामले के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पर्यावरणविद कौशल किशोर के कार्यों की सराहना करते हुए मोमेंटो देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। तब पूरा हॉल उनके सम्मान में तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। 1967 से जंगल लगाओ,जंगल बचाओ अभियान में लगातार अबतक नेपाल,भूटान समेत असाम से कन्याकुमारी तक देश के 22 राज्यों के 108 जिलों में अभियान चलाकर गांव एवं स्कूलों,कॉलेजों में जाकर न सिर्फ लोगों के बीच पौधों का वितरण सह रोपन व पर्यावरण धर्म पर गोष्टी के आयोजन में पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों को शपथ दिलाते हुए पढ़ाया पर्यावरण धर्म के पाठ और 12 लाख वन वृक्षों पर राखियां बांध व बंधवा कर वन राखी मूवमेंट में शामिल लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित कर अब तक 45 लाख पौधों का वितरण कर कीर्तिमान बनाया। कार्यक्रम में पूरे राज्यभर से पहुंचे लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने उनसे प्रकति को प्रदूषण से बचाने की मुहिम में जुड़कर पौधा लगाने और उसे बच्चे की तरह देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों से आने वाली पीढ़ी को प्रदूषण के जहर से बचाने के लिए पर्यावरण धर्म के आठ मूल ज्ञान मंत्रो को अपने जीवन मे अपनाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि विश्व का पहला पर्यावरण धर्म मंदिर पलामू जिले के छतरपुर प्रखंड के कौशल नगर में बन रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में पर्यावरण से जुड़े कई रोचक जानकारियों की चर्चा कर लोगों को जागरूक किया। सम्मान समारोह में राज्यभर के सैकड़ों बुद्धिजीवी और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

एक ही स्थान पर तीन डायवर्सन से 6 किमी तक वाहनों की लगी लंबी कतार

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। एनएच 98 मुख्य पथ पर चल फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान रविवार को हरिहरगंज प्रखण्ड क्षेत्र के सेमरवार स्थित एक ही जगह पर तीन संकीर्ण डायवर्सन के कारण घंटो वाहनों की जाम लगी रही। जिससे कौआखोह पेट्रोल पंप से लेकर ढाब के चौकठवा एनएच 98 तक करीब 6 किलोमीटर वाहनों की लंबी कतार लगी रही।इस दौरान जाम में फसे बस व छोटे वाहनों के यात्रियों को धूल कण के अलावे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा।मौके पर सेमरवार पंचायत के मुखिया जितेंद्र पासवान,पूर्व जीप प्रत्याशी राणा पासवान और उनके सहयोगियों के पहल पर बारी बारी से वाहनों का संचालन सुचारू कराया गया। फिर भी न्यूज लिखे जाने तक वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी। वहीं प्रसाशन भी सक्रिय नहीं है। इस दौरान सेमरवार मुखिया जितेंद्र पासवान, कमलेश यादव, राणा पासवान, रौशन पासवान, कमलेश पासवान, प्रमोद पासवान, प्रमोद भुइंया, जितेंद्र पासवान कुंदन यादव, मनोज भुइंया, शम्भू मेहता, धनंजय मेहता, मनोज भुइंया, सत्ययनारायन पासवान, अरुण पासवान, राजकुमार भुइंया आदि लोगों ने जाम को हटाने में लगे हुए थे।

स्पोर्ट्स

रेगासा और चेप्टाई ने पहली बार जीता वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का खिताब

टी-20 विश्व कप: नामीबिया ने रचा इतिहास एशियाई चैंपियन श्रीलंका को 55 रनों से हराया

जिलॉन्ग। ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी टी-20 विश्व कप-2022 की शुरूआत हो चुकी है। यहां क्वालिफाइंग राउंड के पहले ही मैच में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। पहले मैच में एशियाई चैंपियन श्रीलंका टीम को नामीबिया ने 55 रनों से हराते हुए इतिहास रच दिया। नामीबिया की टीम ने श्रीलंका के सामने 164 रन का लक्ष्य रखा था। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 19 ओवर में 108 रन पर ही ऑलआउट हो गई और मैच 55 रन से हार गई। नामीबिया की जीत के हीरो जैन फ्रीलिंक रहे। उन्होंने 44 रनों की पारी खेली और दो विकेट भी अपने नाम किए। श्रीलंकाई टीम ने मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए नामीबिया ने ऑलराउंडर जैन फ्रीलिंक के शानदार 28 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 44 रनों की पारी की बदौलत 163 रन बनाए। फ्रीलिंक के अलावा जेजे स्मिट ने 31 रन, कप्तान गेरहार्ड इरास्मस 20 रन, स्टीफन बार्ड 26 रन और लॉफ्टी ईटन ने 20 रनों का योगदान दिया। श्रीलंका के लिए प्रमोद मदुशन ने दो विकेट लिए, जबकि वानिंदु हसारंगा, महीष तीक्ष्णा, चमिका करुणारत्ने, दुष्मंता चमीरा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इसके बाद 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरूआत खराब रही। उसके चार बल्लेबाज 40 रन तक ही पवेलियन लौट गए। इसके बाद भानुका राजपक्षे और कप्तान दसुन शनाका ने पारी को संभाला, लेकिन वह भी ज्यादा देर क्रिज पर नहीं टीक सके। इनके आउट होने के बाद टीम के एक के बाद एक विकेट गिरते रहे और पूरी टीम 19 ओवर में 108 रन पर ही ढेर हो गई। श्रीलंका के लिए कप्तान शनाका ने सबसे ज्यादा 29 रन बनाए। उनके अलावा भानुका राजपक्षे ने 20 और धनंजय डी सिल्वा ने 12 रन बनाए। नामीबिया के लिए डेविड वीसा, बर्नार्ड शोल्ट्ज, बेन शिकोंगो और फ्रीलिंक ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जेजे स्मिट ने एक विकेट लिया।

रेगासा और चेप्टाई ने पहली बार जीता वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन का खिताब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में रविवार को हुई वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन-2022 में इथियोपिया के चाला रेगासा ने पुरुष वर्ग में और केन्या की इरिन चेप्टाई ने महिला वर्ग का खिताब जीत लिया है। रेगासा ने इस विश्व एथलेटिक्स इलीट लेबल रेस में शीर्ष सम्मान के लिए 60:30 मिनट का समय निकाला, लेकिन चेप्टाई ने यह रेस 66.42 मिनट में जीती। राजधानी दिल्ली में आयोजित इस रेस के दौरान 25 वर्षीय रेगासा को अंतिम किलोमीटर में तीन अन्य धावकों के साथ वर्चस्व की जंग लड़नी पड़ी। उनके साथ इस जंग में केन्या के फेलिक्स किपकोएच और साथी इथियोपियाई बोकी डिरिबा शामिल थे लेकिन रेगासा ने इन दोनों से लगभग 400 मीटर आगे रहते हुए 27 हजार अमेरिकी डॉलर का प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया। किपकोएच 60:33 मिनट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। डेब्यूटेंट इथियोपिया के डिरिबा ने 60:34 मिनट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। वह यू-20 5000 मीटर चैंपियन हैं और अभी सिर्फ 18 साल के हैं। इन तीनों ने 57:31 में 20 किमी की दूरी तय की और लगभग साथ-साथ जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में बने फिनिश लाइन तक पहुंचे।

खामडीह में दो दिवसीय नाइट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। सतबरवा प्रखंड के खामडीह गांव में दीपावली के शुभ अवसर पर खामडीह वॉलीबॉल एसोसिएशन के तत्वाधान में दो दिवसीय नाइट वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जो 22 अक्टूबर 2022 से शुरू हो जाएगा। उक्त जानकारी खेल संचालक मोहन ठाकुर ने दिया। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीम भाग लेगी। एक टीम से खेला हुआ खिलाड़ी दूसरे टीम से नहीं खेलेगी। दूर के खिलाड़ियों को रात में रुकने की व्यवस्था है और एंट्री फीस 1100 रखा गया है। साथ ही विनर को 11000 ड्रेस कप और मेडल तथा रनर को 5100 रुपया ड्रेस कप और मेडल दिया जाएगा। वही सांत्वना पुरस्कार के रुप में भी ड्रेस दिया जाएगा। मौके पर रंजीत सिन्हा,सिधनी यादव, धर्मेंद्र सिंह, विकेश साव, रासबिहारी, सोनू शाह, संदीप ,भोला ,अनुज समेत कई लोग उपस्थित थे।

युवक का शव बरामद, आत्महत्या की आशंका

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। जिला अंतर्गत चैनपुर थाना क्षेत्र के शाहपुर से पहाड़ से रविवार को चैनपुर थाना अंतर्गत सेमरताण्ड क्षेत्र से पुलिस ने युवक का शव बरामद किया है। शव की पहचान मेदनीनगर निवासी छोटू कुमार (22) के रूप में की है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीनगर अस्पताल में भेज दिया है। इस घटना के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

पहाड़पुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

बलियापुर। बलियापुर के भीखराजपुर पंचायत स्थित पहाड़पुर गांव में लखी पूजा के अवसर पर रंगारंग झूमर नृत्य गीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पारजोड़ियां के कपिल लाल महतो, कुलुडीह के रंगलाल महतो व पहाड़पुर के सूजन महतो के झूमर दलों ने भाग दिया। सभी झूमर दलों के कलाकारों ने आकर्षक झूमर नृत्य गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम शनिवार की रात से लेकर रविवार तक चला। इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित बलियापुर थाना प्रभारी पंकज वर्मा ने कार्यक्रम की सराहना की। वही आयोजन समिति की ओर से प्रतिभागी झूमर दल के कलाकारों को पुरस्कृत किया गया। सैकड़ों दर्शकों ने कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। सांस्कृतिक कार्यक्रम को सफल बनाने में मुंखिया दिलीप कुमार महतो, गोलक कुमार महतो, सुजीत महतो, मुक्तेश्वर महतो, अरुण महतो, मदन महतो, प्रदीप महतो, परेश महतो, आर्यन महतो, राखोहरी महतो, सूजन महतो, अर्जुन महतो, शत्रुघ्न महतो, लंबोदर महतो,संजय महतो, गोराचंद महतो, जयराम महतो, निरंजन महतो के अलावे 16 आना कमेटी की सदस्यों व नव युवकों का योगदान रहा।

सांसद और विधायक ने किया तिब्बती स्वेटर मार्केट का उद्घाटन

दो वर्ष कोरोनाकाल के बाद मार्केट लगने से तिब्बतियों में खुशी : शेवांग टाशी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। तिब्बती रिफ्यूजी स्वेटर सेलर वेलफेयर एसोसिएशन का धनबाद जामा मस्जिद रोड, न्यू स्टेशन ग्राउंड में गर्म कपड़ों के मार्केट का उद्घाटन धनबाद सांसद पीएन सिंह और धनबाद विधायक राज सिन्हा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मौके पर तिब्बतियों ने बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा की पूजा अर्चना की वही सांसद एवं विधायक ने उनकी तस्वीर पर सफेद खादा चढ़ाया। इस दौरान तिब्बतियों ने सांसद और विधायक को पीला खादा एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। सांसद पीएन सिंह ने कहा विगत 40 वर्षों से तिब्बती धनबाद वासियों को उचित कीमत पर गर्म कपड़ों की सेवा देते आ रहे हैं। विधायक राज सिन्हा ने कहा तिब्बती स्वेटर मार्केट में एक ही जगह सुविधापूर्वक विभिन्न प्रकार के आकर्षक रंग बिरंगी गर्म कपड़े उचित कीमत पर मिल जाते हैं। मार्केट के प्रधान लोदेन छेरिंग ने बताया कि विगत 40 वर्षों 1982 से न्यू स्टेशन ग्राउंड में धनबाद वासियों के सेवा में हर वर्ष अक्टूबर के बाद गर्म कपड़ों मार्केट लगाते आ रहे हैं। कोरोनाकाल में लॉकडाउन और सरकारी निदेर्शानुसार विगत 2 वर्षो से मार्केट नहीं लगा। धनबाद में आकर इस बार हमलोग काफी उत्साहित और खुश हैं। वही तिब्बती संसद के पूर्व सांसद शेवांग टाशी ने बताया इस बार सबसे लेटेस्ट हेयर वूल के मुलायम गर्म कपड़े उपलब्ध है वैरायटी, क्वालिटी और कीमत से हर वर्ष ग्राहक संतुष्ट रहते हैं। उन्होंने बताया की हिमाचल के धर्मशाला में भारत सरकार रिहैबिलिटेशन पॉलिसी 2014 के तहत खेती करने के लिए जमीन एवं विभिन्न योजनाओं में तिब्बतियों की मदद करती है जिससे हम विभिन्न प्रकार के खेती करते हैं अब हम लोग 12 महीने ड्रैगन फ्रूट की खेती भी कर रहे हैं और ठंड में धनबाद एवं अन्य जगहों में गर्म कपड़ों का मार्केट लगाते हैं। तिब्बती मार्केट शुभारंभ में तिब्बती रिफ्यूजी स्वेटर सेलर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष लुप्सान्ग ज्ञात्सो, शेवांग टाशी,टाशी थुप्तन एवं अन्य उपस्थित थे।

दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

चन्दनकियारी। आमडीहा में जेएनबी क्लब आमडीहा की ओर से दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। प्रतियोगिता में चन्दनकियारी समेत अगल बगल के 16 टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला सबङका पश्चिम बंगाल बनाम लुकुईडीह के बीच खेला गया। अंतत सबङका पश्चिम बंगाल की टीम विजयी हुई। विजेता टीम को मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री उमाकांत रजक ने 17001रू नगद राशि देकर सम्मानित किया तथा उपविजेता टीम को 14001 रू नगद देकर सम्मानित किया। मौके पर रजक ने कहा कि प्रतियोगिता से खिलाडियो की प्रतिभा निखरती है। खेल के माध्यम से देश एवं राज्य का नाम रोशन होता है। रजक ने कहा कि खेल के माध्यम से चन्दनकियारी का नाम रोशन करने की प्रतिभा चन्दनकियारी के खिलाडियों में है। मौके पर आखन महतो, बाटुल राय, बादल मिश्रा,भीम रजक, प्रकाश शर्मा, सरोज पांडेय, बबलू महतो, जलेश्वर दास, दुलाल कुंभकार, अमृत महतो, तपन महतो, पिंटो महतो, निवास महतो, निभाई गोराई, अशोक महतो, संजय महतो, बिमल महतो, सुमन महतो, प्रफुल्ल महतो, चीनीवास महतो, निवास महतो, प्रताप महतो आदि उपस्थित थे।

विनोद बाबू का जनशताब्दी वर्ष अमृत ज्ञान महोत्सव के रूप में मनाने का निर्णय

राजगंज। विनोद बिहारी महतो जनजातीय कन्या उच्च विद्यालय राजगंज के प्रांगण में रविवार को विनोद ज्ञान ज्योति सेवा संस्थान के तत्वाधान में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक शंकर किशोर महतो की अध्यक्षता मे संपन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से झारखंड के पुरोधा विनोद बाबू का 100वाँ जनशताब्दी वर्ष संपूर्ण झारखंड में अमृत ज्ञान महोत्सव वर्ष के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया। इस दौरान विनोद बाबू के नीति और आदर्शों पर चलने वाले लोगों ने इसे सफल बनाने हेतु संकल्प लिया। पढ़ो और लड़ो महामंत्र को सफल बनाने हेतु अपने अपने विचार रखें। बैठक का संचालन सुखदेव प्रमाणिक ने किया। मौके पर सेवानिवृत्त शिक्षक इंद्रनारायण महतो,समाजसेवी चुन्नीलाल अग्रवाल, प्रमोद चौरसिया, शिव शंकर शर्मा, महेंद्र प्रसाद महतो, जितेंद्र नाथ महतो, मंसाराम मुर्मू, हुबलाल महतो, अधिवक्ता सुरेश महतो, सुखदेव प्रसाद महतो, कौशल्या देवी, सरिता देवी, मीना देवी, रेशमी कुमारी, सरस्वती देवी आदि मौजूद थे।

कांग्रेस कमिटी के सदस्यों की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

जैनामोड़ (बेरमो)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस एवं बोकारो जिला कांग्रेस कमिटि के निर्देश के आलोक में जरीडीह प्रखण्ड कांग्रेस कमिटि द्वारा एक आवश्यक बैठक प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अशोक कुमार मंडल के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत पीसीसी सदस्य मनोनीत किये जाने पर निरंजन मिश्रा एवं उत्तम सिंह का स्वागत पुष्पगुच्छ दे कर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रखण्ड कमिटि, मंडल कमिटि एवं पंचायत कमिटि के विस्तार के गठन के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस की नितियों को जन-जन तक पहुंचाने का आहवान किया गया। साथ ही संगठन की मजबूती के लिए उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने अपना-अपना राय व्यक्त किया तथा राहुल गांधी के द्वारा भारत-जोड़ो नफरत छोड़ो कार्यक्रम की एक स्वर में सराहना की गयी। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनुप सिंह के हाथों को मजबूत करने के लिए गांव के हर लोगों के पास जाने का संकल्प किया गया। बहुत जल्द प्रखण्ड कमिटि, मंडल कमिटि एवं पंचायत कमिटि का पूर्णगठन कर विस्तार किया जायेगा। झारखंड सरकार द्वारा चलाये जा रहे आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में सभी पदाधिकारीयों को उपस्थित रहने के लिए कहा गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कार्यक्रम प्रभारी उत्तम सिंह, विधायक प्रतिनिधि निरंजन मिश्रा, प्रखंड बीस सुत्री अध्यक्ष अध्यक्ष महादेव रवानी, बीस सुत्री सदस्य उमेश गंझु, जिला महासचिव सुबोध मिश्रा, सनत कुमार मिश्रा, प्रखण्ड उपाध्यक्ष राजु तिवारी, पंचायत समिति सदस्य अयुब अंसारी, वकिल अंसारी, प्रखण्ड कोषाध्यक्ष विवेक दास, सचिव भोला गोसाई, महासचिव मुरलीधर साव, पंचायत अध्यक्ष कालीचरण हेम्ब्रम, बलराम तिवारी, छुटू महतो, अविनाश माधव, सुरेश रजवार, हिरालाल महतो, अहमद अंसारी, हाजी सलिम अंसारी, इकबाल अंसारी, भोला लहेरी, लक्ष्मण दिगार, महाबीर महतो, वरिष्ठ कांग्रेसी मुकुंद केवट, बिजयमल सिंह, सहित अन्य कांग्रेस जन मौजूद रहे।

किशोरियों ने लिया बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का संकल्प

किशोरियों एवं संस्था की टीम लीडर कुमारी किरण ने 151 दीप जलाकर बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया

आजाद सिपाही संवाददाता

कसमार(बेरमो)। सहयोगिनी संस्था एवं चाइल्ड लाइन सब सेंटर बहादुरपुर के द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण के लिए सुरक्षित बचपन सुरक्षित भारत अभियान की शुरूआत बोकारो जिले के कसमार, जरीडीह एवं पेटरवार प्रखंड के कई गांव में की गयी। इस क्रम में कसमार प्रखंड के गर्री, जरीडीह प्रखंड के बक्सपुरा एवं पेटरवार प्रखंड के पतकी में इस अभियान की शुरूआत की गई। किशोरियों एवं संस्था की टीम लीडर कुमारी किरण ने 151 दीप जलाकर बाल विवाह मुक्त भारत बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कुमारी किरण ने लोगों को जागरूक कर बाल विवाह के प्रति उनकी सोच व व्यवहार में बदलाव लाने और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तीन मुख्य लक्ष्य हैं। जिसमें कानून का सख्ती से पालन, महिलाओं और बच्चों का सशक्तीकरण करना, 18 साल तक के सभी बच्चों के लिए मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था करना और बच्चों को यौन शोषण से बचाना इस अभियान का लक्ष्य है। मौके पर पूनम कुमारी, निक्की कुमारी, नीलू कुमारी, रूही कुमारी, पायल कुमारी, स्वाति कुमारी, यासमीन, नीतू कुमारी, रूबी, शीतल कुमारी, रूखसार, अफसाना, साक्षी, सीता, संध्या व अन्य किशोरियां मौजूद थी।

पूर्ववर्ती छात्रों ने किया चिकित्सा व परामर्श शिविर का आयोजन

जोड़ापोखर। डिगवाडीह डिनोबली स्कूल के पूर्ववर्ती छात्र संगठन के द्वारा रविवार को स्कूल प्रांगण में चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन स्कूल के रेक्टर फादर ऑस्कर होरो ने किया। इस दौरान प्रिसिंपल अमला डोस,उप प्रिसिंपल शांतनु दास उपस्थित थे। शिविर में 200 मरीजो का जांच किया गया। जिसमें आंख, सुगर,बीपी,चर्मरोग आदि की जांच शामिल रहे। इस दौरान जरूरतमंद के बीच दवाई का भी वितरण किया गया है। जांच टीम में डॉ. संजय मिश्रा, डॉ. गौरव, डॉ.इकबाल,डॉ. सुबीर चौधरी सहित दर्जनों मेडिकल कर्मी शामिल थे। इस मौके पर डिनोबली स्कूल के 30 छात्र एवं छात्राओ को कोविड वैक्सीन दीया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के पूर्ववर्ती छात्र एसके.सिन्हा, आलोक अग्रवाल, संजय लोधा, अंशु श्रीवास्तव, सोमित्रो मुखर्जी, इसके अलवा शिक्षक संजय चौधरी शांतनु सेन आदि शामिल थे।

अखिल झारखंड महिला संघ का जिला सम्मलेन संपन्न

बोकारो। आजसू पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के निदेर्शानुसार आजसू पार्टी की अनुषंगी इकाई अखिल झारखंड महिला संघ का जिला सम्मलेन रविवार को जायका होटल, बोकारो में संपन्न हुआ। सम्मेलन का अध्यक्षता महिला जिलाध्यक्ष रमा देवी एवं संचालन सुनिता देवी ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व मंत्री उमाकान्त रजक एवं विशिष्ट अतिथि गोमिया विधायक लम्बोदर महतो की धर्मपत्नी कौशल्या देवी उपस्थित हुए। पूर्व मंत्री उमाकान्त रजक ने कहा कि जिला सम्मेलन के माध्यम से संगठन का पुनर्गठन एवं विस्तार तथा नये लीडरशिप को उभारने को लेकर भी रोडमैप तैयार किया जाएगा। सम्मेलन में महिलाओं पर हो रहे शोषण एवं अत्याचार के खिलाफ सशक्त आंदोलन की रूप रेखा तैयार कर, जन आंदोलन के लिए गोलबंद करने की भी तैयारी की जाएगी। साथ ही साथ सरकार की ओर से महिलाओं को लेकर किये गए वादों का हकीकत के धरातल पर मूल्यांकन किया जाएगा। डॉक्टर लंबोदर महतो ने कहा की महिला को सशक्त करने के लिए पार्टी की ओर से प्रखंड एवं जिला में सरकार के वादों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। मौके पर काशीनाथ सिंह जिप उपाध्यक्ष बबीता देवी, संतोष महतो, बुच्चू सिंह, सचिन महतो, तपन सिंह चौधरी, गायत्री देवी,आलोका देवी, प्रकाश शर्मा, अशोक महतो, कार्तिक गोराई, रंभा देवी, अनीता देवी, मंजु देवी, सादीया अंजुम, किरण देवी, सुलेखा देवी, चमेली देवी, सुनीता देवी, बुद्धेश्वरी देवी, बिन्दु देवी, कौशल्या देवी,नरेश महतो, परशुराम महतो, मंटु गोप, संटु सिंह, शिबू महतो, मिथिलेश महतो, संजय दास आदि उपस्थित थे।

छात्रावास में अवैध कब्जा, आरटीआइ के माध्यम से युवकों ने मांगा जवाब

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। कतरास थाना अंतर्गत रूदी कपुरिया निवासी सुरेश कुमार रजक ने महुदा महाविद्यालय में वित्तीय अनियमितता को लेकर जन सूचना पदाधिकारी सह जिला कल्याण पदाधिकारी धनबाद को सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का संदर्भ ग्रहण कर पिछड़ा वर्ग छात्रावास महुदा के संबंध में निम्नलिखित सूचनाओं पर जानकारी माँगा हैं। जिसमें उसने पूर्व एवं बर्तमान मौजूद बेड, टेबुल, पंखा कुर्सी एवं कमरों की वास्तु स्थिति सहित छात्रावास में अवैध कब्जा कर सचिव कार्यालय, प्राचार्य कार्यालय, स्नातक कार्यालय, एवं इग्नू कार्यालय किस सक्षम पदाधिकारी के आदेशानुसार बनाया गया हैं। उस सक्षम पदाधिकारी का नाम पदनाम एवं आदेश - स्वीकृति पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रति की मांग किया हैं। इसके साथ छात्रावास में वित्तीय वर्ष 2019 से 2022 तक छात्रों को आवंटित छात्रों का नाम, पिता का नाम एवं पता सहित पूर्ण विवरणी की मांग किया गया हैं। इस संबंध में सुरेश रजक ने कहा महुदा महाविद्यालय प्रबंधन द्वारा अवैध तरीके से महाविद्यालय के छात्रावास पर कब्जा कर सचिव कार्यालय, प्राचार्य कार्यालय, स्नातक कार्यालय, एवं इग्नू कार्यालय बना रखा हैं। प्रबंधन अपनी मनमानी रवैये से इससे पूर्व भी अवैध बहाली न्युक्ति एवं स्थगन जैसी कार्य को अंजाम दे चुका हैं। जिसके बारे में मीडिया एवं अखबारों में महाविद्यालय में हो रही वित्तीय अनियमितता के बारे में प्रकाशित भी हुआ था।

जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग ने किया अभिनंदन समारोह का आयोजन

कांग्रेस सरकार में शुरू हुई जन सुविधाओं को समाप्त कर रही है केंद्र सरकार : प्रीतम

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। झरिया क्षेत्र के चासनाला 2 नंबर में धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के द्वारा अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष प्रीतम रवानी को माला पहनकर अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजमुनी देवी एवं संचालन हरिओम कुमार ने किया। कार्यक्रम में आम नागरिकों को कांग्रेस सरकार में लोगों को दी गई सुविधाओं के बारे में बताया गया वही वर्तमान समय में मोदी सरकार पर उक्त सुविधाओ को समाप्त करने का आरोप लगाया गया। इस दौरान राजमुनि देवी को झरिया ओबीसी कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष और हीरा नोनिया को धनबाद जिला ओबीसी कांग्रेस का महासचिव मनोनीत किया गया। दोनो नवमनोनित पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष प्रीतम रवानी ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनबाद जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मुख्तार खान, भोला नाथ सिंह, करीम अंसारी, किशोर कुमार, अमर प्रसाद, फैज अहमद, जाहिर हुसैन अंसारी, रंजीत कुशवाहा खालिद हुसैन अजीज मास्टर अशोक रामानी अनुसूचित जाति विभाग के प्रखंड अध्यक्ष हीरालाल मेहरा अमर उजाला चपला देवी सीमा देवी रेखा देवी सती देवी गोपाल बावरी उषा कुमारी पूजा वर्मा एवं दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेरमो विधायक की पहल पर फुसरो में लगा नया ट्रांसफार्मर

फुसरो(बेरमो)। बेरमो विधायक कुमार जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह के पहल पर फुसरो नया रोड में नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। इससे फुसरो के बहुत बड़ी आबादी वाले क्षेत्र को 15 दिनों बाद पानी मिल पाएगा। ज्ञात हो कि फुसरो नया रोड पानी टंकी के पास का ट्रांसफार्मर गत पंद्रह दिनों से खराब था। जिस कारण फुसरो नगर परिषद क्षेत्र की एक बहुत बड़ी आबादी की पेयजलापूर्ति बाधित थी। नवरात्र जैसे त्योहार में भी यहा आम लोग पानी के लिए तरस गए है। फुसरो के लोगो ने बिजली विभाग के अधिकारियों से काफी आरजू मिन्नत की, परंतु कोई सार्थक नतीजा नहीं निकला। तब अंततः बेरमो प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष कृष्ण चांडक ने बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह से यथा स्थिति से अवगत कराते हुए इस पर संज्ञान लेने के लिए अनुरोध किया। विधायक अनूप सिंह ने जनसमस्या को देखते हुए फौरन संज्ञान लिया। उन्होंने अधिकारियों को नया ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया। साथ ही नया ट्रांसफार्मर लाने के लिए उन्होंने वाहन उपलब्ध करवाए। नया ट्रांसफार्मर रविवार को लगाकर विधिवत पूजन कर चालू किया गया। पूजन कार्य आचार्य विष्णु शर्मा के द्वारा संपन्न कराया गया।

पशु क्रूरता में 6 लोगों को जेल भेजने का मामला तूल पकड़ा, धर्माबांध पुलिस के खिलाफ आक्रोश

यादव महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री से की शिकायत, सौंपा ज्ञापन

यादव समाज के लोग जीवकोपार्जन के लिए दुधारू पशुओं की खरीद-बिक्री एवं दूध का व्यवसाय करते हैं।

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा। दो दिन पूर्व धमाबांध पुलिस द्वारा पशु क्रूरता मामले में 6 लोगों को जेल भेजे जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। रविवार को धनबाद के सर्किट हाउस में यादव समाज का एक प्रतिनिधिमंडल युवा यादव महासभा के जिलाध्यक्ष चुन्ना यादव के नेतृत्व में झारखंड सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री बन्ना गुप्ता से मिलकर मामले की शिकायत की है। मंत्री बन्ना गुप्ता को ज्ञापन सौंपते हुए, युवा यादव महासभा के जिला अध्यक्ष चुन्ना यादव कहा कि यादव समाज के लोगों को कुछ लोग धार्मिक संगठनों की आड़ में प्रशासन के द्वारा परेशान करवा रहे है। यादव समाज के लोग जीवकोपार्जन के लिए दुधारू पशुओं की खरीद-बिक्री एवं दूध का व्यवसाय करते हैं। जो समाज सेवा का भी कार्य हैं, परंतु बेवजह उन्हें गौ तस्करी के झूठे मुकदमे में फंसा कर परेशान किया जाता है। चुन्ना यादव ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी मंत्री ने डीसी, एसएसपी, एसडीएम से वार्ता कर दूध एवं दुधारू पशु का व्यवसाय करने वाले यादव समाज को परेशान करने वालो पर सख्त कार्यवाही करने की बात कही। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से महेन्द्र यादव, राजेश्वर सिंह यादव, सचिदा यादव, श्रीभगवान यादव, बिनोद यादव, मनोज गोप, अमर यादव, भोलू यादव मुख्य रूप से शामिल थे।

गौ तस्करी की आशंका में पकड़ा था मवेशी लदे 6 पिकअप वैन

ज्ञात हो की दो दिन पूर्व धमाबांध ओपी अंतर्गत सोनारडीह रेलवे फाटक में रात्रि के समय स्थानीय युवकों ने गौवंश से लदे 6 पिकअप वैन सहित 6 चालकों को गौ-तस्करी के आशंका पर पकड़ा और धमाबांध ओपी पुलिस को सुपुर्द कर दिया था। इस पर व्यापारियों और स्थानीय युवक के बीच कहासुनी भी हुई थी। वहीं धमाबांध पुलिस ने वाहन मालिकों व चालकों पर पशु क्रूरता का मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। इस दौरान यादव समाज के लोग थाने पहुंचकर स्थानीय युवकों द्वारा जानभूझकर विशेष संगठन की आड़ में दूध व दुधारू पशुओं के व्यापार करने वाले यादव समाज को गौ-तस्कर बता कर परेशान करने और पुलिसिया कारवाई पर आक्रोश जताया था।

किट प्रौद्योगिकी बिजनेस इनक्यूबेटर को मिला राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा पुरस्कार

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किट को मिला और एक सम्मान है। किट टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर को रविवार को पेटेंट, डिजाइन और व्यापार चिह्न महानियंत्रक (सीजीपीडीटीएम) द्वारा '2021 और 2022 के लिए राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।

दोनों वर्षों के पुरस्कार 'आइपी के पोषण के लिए सर्वश्रेष्ठ इनक्यूबेटर' की श्रेणी के तहत प्रस्तुत किये गये। यह पुरस्कार किट-टीबीआइ के सीइओ डॉ मृत्युंजय सुअर द्वारा प्राप्त किया गया था और नयी दिल्ली में 'राष्ट्रीय आइपी पुरस्कार 2021 और 2022' समारोह के दौरान दिया गया था। यह पुरस्कार वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, डीपीआइआइटी सचिव अनुराग जैन, डीपीआइआइटी जेएस-आइपीआर श्रुति सिंह और सीजीपीडीटीएम प्रो उन्नत पी पंडित की उपस्थिति में प्रदान किया गया। किट और किस के संस्थापक डॉ अच्युत सामंत ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए किट स्कूल ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी की इस उपलब्धि के लिए डॉ सुअर को बधाई दी।

सोआ कम्युनिटी रेडियो ने 10 साल पूरे किये

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। वॉयस ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च (सोआ) प्रबंधित वॉयस ऑफ सोआ कम्युनिटी रेडियो 90.4 ने दस साल पूरे कर लिये हैं। सोआ की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर सोआ की उपाध्यक्ष शास्वती दास ने चक्रवात और कोरोना महामारी के दौरान इस सामुदायिक रेडियो के काम और भूमिका की प्रशंसा की। दास ने कहा कि कुछ साल पहले जब चक्रवात 'फोनी' ने ओडिशा के तट को तबाह कर दिया था और विशेष रूप से भुवनेश्वर में बहुत नुकसान किया था और कोविड महामारी ने लोगों के जीवन को प्रभावित किया था, सूचना प्रदान करने और जागरूकता पैदा करने में सोआ सामुदायिक रेडियो की भूमिका महत्वपूर्ण थी। सोआ रेडियो के रूप में जाना जाता है, यह सामुदायिक रेडियो जनहित में विभिन्न शिक्षकों, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के विचारों को प्रसारित करते हुए स्वास्थ्य और कृषि के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का प्रसारण करता है।

श्रीमती दास ने इस अवसर पर सोआ रेडियो के कर्मचारियों और आरजे को बधाई दी और रेडियो की सफलता की कामना की। इसी तरह उन्होंने आरजे सबनम शीरिन के योगदान को भी याद किया, जिनकी कोरोना से मौत हुई थी। सबनम की याद में कार्यक्रम में एक मिनट का मौन रखा गया था। इस अवसर पर सोआ के कुलाधीपति प्रो डीपी रॉय, कुलपति प्रो (डॉ) अशोक कुमार महापात्र, उप कुलपति और कुलसचिव प्रो विभूति भूषण प्रमुख उपस्थित थे।

भारत की पहली एल्युमीनियम ट्रेन रैक वैगन पटरी पर
भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन में रेल मंत्री ने किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भारत की पहली एल्युमीनियम ट्रेन रैक वैगन पटरी पर चला। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश के पहले एल्युमीनियम रैक वैगन का उद्घाटन किया। ट्रेन का उद्घाटन रविवार को भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर छह पर किया गया। यह रेलवे वैगन हल्का और पूरी तरह से निजस्ब ज्ञान कौशल से निर्मित है। इस एल्युमीनियम बोगी का इस्तेमाल खासतौर पर कोयले की परिवहन के लिए किया जायेगा।

पहले इसे स्टील की बोगियों में परिवहन किया जाता था। यह एल्युमीनियम बोगी स्टील की बोगी से 180 टन हल्की है और 5 से 10 प्रतिशत अधिक माल ले जा सकती है और पहले की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करती है। आदित्य बिड़ला समूह के हिंडाल्को एल्युमीनियम ने इन बोगियों का निर्माण किया है। 61 डिब्बों वाली यह ट्रेन भारत में पहली बार भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर पटरियों पर लुढ़क गयी है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और इसका उद्घाटन किया।

भुवनेश्वर रेलवे स्टेशन पर पूर्व तट रेलवे की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रेल मंत्री ने झंडा दिखा कर शुभ उद्घाटन किया। इस रेलवे में 61 बोग हैं। इसे पूरे भारत में परिवहन किया जायेगा। यह ट्रेन पर्यावरण के अनुकूल है। अन्य स्टील बोग ट्रेनों की तुलना में हल्की है। केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि यात्री ट्रेनों में बहुत जल्द एल्युमीनियम के डिब्बे बनाने की योजना चल रही है।

सांसद खेल महोत्सव में धनवार की टीम विजयी
लक्ष्मण प्रसाद सिंह ने विजेता टीम को किया पुरस्कृत

आजाद सिपाही संवाददाता

राजधनवार। सांसद खेल महोत्सव के तहत आयोजित धनवार विधान सभा स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच रविवार को पुनीत राय स्टेडियम धनवार में धनवार एवं तिसरी की टीम के बीच खेला गया। फाइनल मैच में धनवार की टीम ने तिसरी टीम को 3-0 से पराजित कर दिया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व आइजी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण प्रसाद सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, अशोक उपाध्यय आदि ने विनर व रनर टीम को शील्ड व मेडल देकर उनकी हौसला अफजाई की। श्री सिंह ने कहा कि खेल से न सिर्फ शारीरिक शक्ति बढ़ती है, बल्कि सामाजिक समरसता का भी विकास होता है। उन्होंने कहा कि विवेकानंद ने कहा था कि गीता पढ़ना हो या फुटबाल खेलना हो, तो मैं पहले फुटबाल खेलना पसंद करूंगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मर्म को पहचान और आज लोकसभा स्तर पर पूरे देश में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन चल रहा है। खिलाड़ियों से आगे बढ़ने और अच्छे खिलाड़ियों की मजबूत टीम बना कर देश-प्रदेश में धनवार विधान सभा एवं कोडरमा लोक सभा क्षेत्र का नाम रोशन करने की कामना की। अपने जमाने में अच्छे फुटबॉलर रहे श्री अग्रवाल ने भी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। निर्णायक की भूमिका अशोक वर्मा ने निभायी। इस मौके पर भाजपा नेता पवन साव, उदय सिंह, उत्तम गुप्ता, राजेंद्र यादव, सुजेज हेम्ब्रम, दयानंद साव, सुषेण पांडेय, अशोक पांडेय, अशोक राय, संजय यादव मौजूद थे।

सोआ प्रायोजित स्टार्ट-अप ने दुबई टेक इवेंट में जीता पुरस्कार

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। सोआ डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी द्वारा प्रायोजित एक टेक स्टार्ट-अप वीवर ने दुबई में दुनिया के प्रमुख टेक और स्टार्ट-अप इवेंट, जीटेक्स ग्लोबल 2022 में यूथ एंटरप्रेन्योर कैटेगरी में सुपरनोवा चैलेंज जीता है। यह आयोजन 10 से 14 अक्टूबर के बीच हुआ था। वीवर टीम के एक सदस्य ने कार्यक्रम शुरू होने से पहले कहा : हम दुनिया को अपना काम दिखाने और साझेदारी, नेटवर्किंग और सहयोग के लिए नए संपर्क बनाने के लिए उत्सुक हैं। स्टार्ट-अप ओडिशा के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ ओंकार राय, जिन्होंने दुबई में 20 ओड़िशा स्थित स्टार्ट-अप के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, उन्होंने वीवर टीम को इसकी उपलब्धि के लिए बधाई दी। तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आइटीइआर), सोआ के इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय की टीम में कारखाना मेकर्सस्पेस द्वारा संचालित सोआ फैबलैब के नवप्रवर्तक शामिल थे। टीम ने सोआ के संस्थापक अध्यक्ष प्रो (डॉ) मनोजरंजन नायक, निदेशक आइटीइआर प्रो मानस कुमार मलिक, प्रो रेणु शर्मा, प्रो अनुराग सतपती और डॉ तापस महापात्र को भी धन्यवाद दिया कि उन्होंने इसका समर्थन किया और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

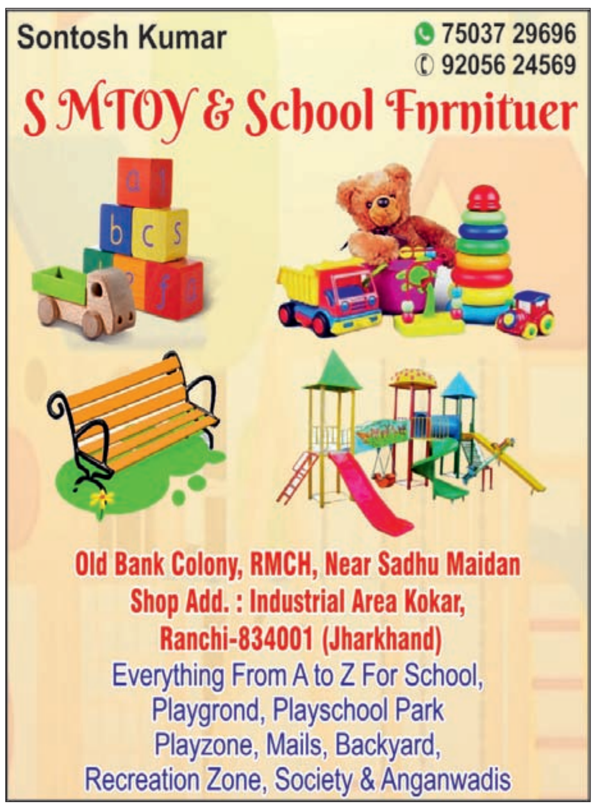

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**